संसेक्स ~
निफ्टी ~
सोना ~
चांदी ~
डॉलर ~

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
PMG
हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शनिवार 21 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 266
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

मुझे महाप्रभु की पवित्र भूमि पर वापस जाना है ... कहकर ट्रम्प का आमंत्रण ठुकरा दिया मोदी ने

भुवनेश्वर। पीएम मोदी ने ओडिशा में जनता को बताया कि उन्होंने ट्रंप का आमंत्रण क्यों ठुकरा दिया था। शुक्रवार को ओडिशा के दौरे के दौरान लोगों को संबधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कुछ दिन पहले, मैं कनाडा में जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने गया था, जब मुझे राष्ट्रपति ट्रंप का फ़ोन आया, उन्होंने मुझे वाशिंगटन आने का निमंत्रण दिया। मैंने उनके विचारशील निमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया, साथ ही यह भी बताया कि मुझे महाप्रभु की पवित्र भूमि पर वापस जाना है। पूरे सम्मान के साथ, मैंने विनम्रतापूर्वक उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

8 इंटरनेशनल ड्रग तस्कर पकड़े गए

गुरुग्राम। गुरुग्राम में पुलिस ने एक इंटरनेशनल ड्रग रैकेट का पर्दाफाश करते हुए बड़ी कामयाबी हासिल की है। सेक्टर-43 अपराध शाखा की टीम ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सात विदेशी नागरिकों समेत कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से करीब एक करोड़ रुपए की कीमत का नशा बरामद किया है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने सेक्टर-39 से पोखरा (नेपाल) निवासी बिमल पहाड़ी को गिरफ्तार किया, जिसके पास से 1 किलो 60 ग्राम सुल्फा और 116 ग्राम कोकीन बरामद हुई।

एअर इंडिया की 8 फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने शुक्रवार को 8 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। इनमें 4 इंटरनेशनल और 4 डोमेस्टिक हैं। एअर इंडिया ने बताया कि एयरपोर्ट पर मेंटेनेंस और ऑपरेशनल वजहों से इन उड़ानों को रद्द किया गया है। डोमेस्टिक फ्लाइट्स में पुणे से दिल्ली जा रही फ्लाइट एआई874, अहमदाबाद से दिल्ली की फ्लाइट एआई456, हैदराबाद से मुंबई की फ्लाइट एआई2872 और चेन्नई से मुंबई की फ्लाइट एआई571 कैंसिल हुई हैं। वहीं, इंटरनेशनल फ्लाइट्स में दुबई से चेन्नई आ रही फ्लाइट एआई906, दिल्ली से मेलबर्न जा रही फ्लाइट एआई308, मेलबर्न से दिल्ली आ रही फ्लाइट एआई309 और दुबई से हैदराबाद आ रही फ्लाइट एआई2204 शामिल हैं।

भारत लाया गया तस्कर उमर बेरी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो को बड़ी कामयाबी मिली है। नकली करेंसी केस के वांटेड आरोपी मोइदीनबाबा उमर बेरी को संयुक्त अरब अमीरात से भारत लाया गया है। यह कार्रवाई इंटरपोल और अबू धाबी पुलिस के सहयोग से 20 जून 2025 को अंजाम दी गई। मोइदीनबाबा पर आरोप है कि उसने दुबई से उच्च गुणवत्ता वाले नकली भारतीय नोट हासिल किए और उन्हें शारजाह के रास्ते बेंगलुरु में सप्लाई किया। एनआईए की कोच्चि ब्रांच ने इस केस में उसके खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जाली नोट सप्लाई करने के गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सीवान के जसौली में सभा को संबोधित करते हुए कहा

लालटेन-पंजे के शिकंजे से बचना

राजद बाबा साहेब को पैरों में रखती है, मैं दिल में रखता हूं

सीवान। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सीवान के जसौली में सभा को संबोधित किया। अपने भाषण में पीएम ने राजद और कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पंजे और लालटेन के शिकंजे ने बिहार को पलायन का प्रतीक बना दिया था। आपने मिलकर बिहार में जंगलराज का सफाया किया है। नौजवानों ने बिहार की बदहाली के सिर्फ किस्से और कहानी सुनी हैं। उन्हें अंदाजा नहीं है जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। पीएम ने कहा कि राजद बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है। मोदी उन्हें अपने दिल में रखता है। राजद और कांग्रेस बिहार और निवेश विरोधी हैं। पीएम ने करीब 10 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई।

अंबेडकर का अपमान किया

मोदी ने कहा कि राजद वालों ने बाबा साहेब की तस्वीर के साथ क्या किया था। बिहार में पोस्टर लगे हैं। माफी मांगों, लेकिन ये लोग कभी माफी नहीं मांगेंगे। इनके अंदर दलित और अति पिछड़ों के लिए कोई सम्मान नहीं है। राजद बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है। मोदी उन्हें अपने दिल में रखता है।

सीवान को पिछड़ा कहा, अब अफ्रीका जा रहा इंजन

मोदी ने कहा कि आज पहला इंजन अफ्रीका को एक्सपोर्ट किया जा रहा है। अफ्रीका में भी बिहार की जय-जयकार होने वाली है। मढ़ौरा में इसकी फैक्ट्री है। ये फैक्ट्री उसी जिले में बनी है जिसे राजद और कांग्रेस वालों ने पिछड़ा कहकर अपने हाल पर छोड़ दिया था। जंगलराज वालों ने बिहार का विकास इंजन ठप कर दिया। अब बिहार में बना इंजन अफ्रीका की रेल चलाएगा। मोदी ने कहा कि राजद-कांग्रेस के कारनामे बिहार विरोधी हैं। निवेश विरोधी हैं। अपने मुंह से ये लोग विकास की बात करते हैं तो लोगों को दुकान, मकान सब जगह ताले लटकते दिखाई देते हैं। ये लोग बिहार में माफिया राज, गुंडा, राज और भ्रष्टाचार के पोषक रहे हैं।

नौजवानों ने बदहाली के किस्से सुने होंगे

पीएम मोदी ने कहा कि मेरे इस विश्वास का कारण बिहार के आप सभी लोगों का सामर्थ्य है। आपने मिलकर बिहार से जंगलराज का सफाया किया है। यहां के हमारे नौजवानों ने तो 20 साल पहले के बिहार की बदहाली सिर्फ किस्सों और कथाओं में ही सुनी है। उन्हें अंदाजा ही नहीं है कि जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया। उसको पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था।

गरीबी हटाओ के नारे देकर चले गए, हमने हटाई

प्रधानमंत्री ने कहा कि पंजे और लालटेन ने मिलकर बिहार के स्वाभिमान को बहुत ठेस पहुंचाई है। इन लोगों ने ऐसी लूट मचाई कि गरीबी बिहार का दुर्भाग्य बन गई। इन लोगों ने सिर्फ नारा दिया गरीबी हटाओ, हमने गरीबी हटाकर दिखाई। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को विकास की पटरी पर वापस लाई है।

पीएम मोदी ने ओडिशा में 18,600 करोड़ रुपये से अधिक की 105 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा के दौरे के दौरान 18,600 करोड़ रुपये से अधिक की 105 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इसके साथ ही ओडिशा विजन डॉक्यूमेंट का अनावरण किया और नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने लखपति दीदी सहित कई लोगों को सम्मानित भी किया। जून 2024 में राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद से छठी बार ओडिशा आए पीएम मोदी ने यहां जनता मैदान में एक समारोह में परियोजनाओं का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं में पेयजल और सिंचाई, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा, ग्रामीण सड़कें और पुल, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे बुनियादी ढांचा शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोनपुर-पुरुनकटक रेलवे लाइन का उद्घाटन करने के बाद बौध जिले के लिए पहली यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। सरला-सासोन के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन तथा झारसुगुड़ा-जामगा के बीच चौथी रेल लाइन जैसी रेलवे परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण अनुकूल शहरी गतिशीलता को बढ़ावा देते हुए राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) प्रणाली के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसों को भी हरी झंडी दिखाई। लोगों की प्रतिक्रिया के आधार पर तैयार किए गए ओडिशा विजन डॉक्यूमेंट का अनावरण करते हुए प्रधानमंत्री ने राज्य के विकास लक्ष्यों के लिए रोडमैप पेश किया। रोडमैप 2036 में भाषाई राज्य के रूप में ओडिशा के गठन की शताब्दी और 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने के इर्द-गिर्द केंद्रित है। इस विजन का लक्ष्य 2036 तक ओडिशा को 500 बिलियन डॉलर और 2047 तक 1।5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलना है। प्रधानमंत्री ने बारापुत्र ऐतिहासिक ग्राम योजना भी शुरू की, जो ओडिया हस्तियों के जन्मस्थानों को स्मारकों में बदलने की पहल है, जिसमें संग्रहालय, व्याख्या केंद्र, प्रतिमाएं और पुस्तकालय शामिल हैं, जिससे सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और विरासत को संरक्षित किया जा सकेगा। पीएम मोदी ने राज्य भर की कुछ सफल महिलाओं को भी सम्मानित किया, जिनमें कुछ लखपति दीदी भी शामिल थीं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, एक किसान घायल

चुराचांदपुर में गोलीबारी के बीच कुकी महिला की मौत, इलाके में तनाव जारी

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों और अज्ञात हमलावरों के बीच हुए एनकाउंटर में एक बुजुर्ग कुकी महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला क्रॉस फायर की चपेट में आ गई। घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बलों ने एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। यह ऑपरेशन उस वक्त शुरू किया गया, जब बिष्णुपुर जिले में खेतों में काम कर रहे एक मैतई किसान को गोली लगी। बताया गया कि गोली आसपास की पहाड़ियों से चलाई गई थीं।

दरअसल, मैतेई नेता अशेम कनन सिंह की 7 जून को को गिरफ्तारी के बाद राज्य में हिंसा भड़क गई थी। इंफाल के कई इलाकों में गाड़ियां जला दी गईं, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए थे। पुलिस से झड़प के अलावा प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की थी। अशेम को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। वह मणिपुर पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल था। आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की वजह से मार्च में उसे सस्पेंड कर दिया गया था। वह अरम्बई टेंगोल का सदस्य था और पुलिस में रहते बॉर्डर पार हथियारों की तस्करी करता था। मणिपुर में हिंसा के बाद हाईवे ब्लॉकेज और ट्रांसपोर्ट रूट्स प्रभावित होने से आम लोगों को महंगाई का सामना कर पड़ रहा है। खास तौर पर चुराचांदपुर और राजधानी इंफाल में खाने-पीने की चीजें और दवाइयों की भारी कमी हो गई है। जरूरी सामानों के दाम बढ़ गए हैं। हिंसा प्रभावित कई इलाकों में दवाइयां तक नहीं मिल रही हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया- अब सारी चीजें मिजोरम के रास्ते आ रही हैं, इसलिए महंगी हो गई हैं। पहले जैसी स्थिति नहीं रही है। चुराचांदपुर कुकी समुदाय का गढ़ माना जाता है। यह नेशनल 2 और 37 पर निर्भर है, जो असम और नगालैंड को मणिपुर से जोड़ते हैं।

किसी भी कीमत पर मुंबई को पुनः पाने का है इरादा

उद्धव ने फडणवीस और राज ठाकरे की मुलाकात पर उठाए सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र में मनसे प्रमुख राज ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन के बारे में एक और संकेत देकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा और महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला किया, 卐किसी भी कीमत पर मुंबई को पुनः पाने卐 के अपने इरादे की घोषणा की और विरोधियों पर मराठी एकता को रोकने के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ संभावित गठबंधन को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाया। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख और पूर्व सीएम ठाकरे ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह नगर निगम चुनावों से पहले उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ उनकी पार्टी के गठबंधन की संभावना को विफल करने में जुटी है। दिवंगत बाल ठाकरे द्वारा गठित अविभाजित शिवसेना के 59वें स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने 'ठाकरे ब्रांड' को नुकसान पहुंचाया, तब गंभीर परिणाम भुगतना होगा। उद्धव ने कहा कि मराठी दलों के गठबंधन की संभावना को विफल करने के लिए होटलों और अन्य जगहों पर बैठकें हो रही हैं। वह जाहिर तौर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

के साथ राज ठाकरे की हाल ही में हुई बैठक का जिक्र कर रहे थे। ठाकरे ने नाना पाटेकर अभिनीत फिल्म 'प्रहार' का संवाद कहकर कहा, "लोग जो चाहते हैं, वहीं होगा। भाजपा और एकनाथ शिंदे-नीत शिवसेना नहीं चाहती कि मराठी पार्टियां एकजुट हों। यदि आप ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिश करते हैं, तब बीजेपी को खत्म कर दिया जाएगा। मैं तैयार हूं। मैं भाजपा से कहना चाहता हूं.....जब आप मुझे लेने आएं.....अपने लिए एम्बुलेंस लेकर आएं।" इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हिंदी को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने मुंबई निकाय पर पार्टी का कब्जा बरकरार रहने का भरोसा जताकर कहा कि भाजपा निकाय चुनावों की पूर्व संध्या पर मराठी और हिंदी भाषी लोगों के बीच विभाजन पैदा करना चाहती है। उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि भाजपा के पास अपनी कोई विरासत नहीं है, और सरदार वल्लभभाई पटेल की एक विशाल प्रतिमा स्थापित करनी पड़ी, जिन्होंने देश का गृह मंत्री रहते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाया था।

राजनाथ शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने जाएंगे चीन

नई दिल्ली/बीजिंग। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की रक्षा मंत्रियों की

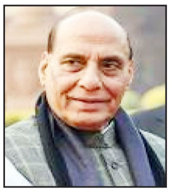

बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। यह किसी भी भारतीय मंत्री का 7 साल बाद चीन का दौरा होगा। इससे पहले अप्रैल 2018 में उस समय की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज गई थीं। यह दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है जब भारत और चीन के बीच रिश्ते सामान्य करने की कोशिशें चल रही हैं। व्यापार, यात्रा और संवाद फिर से शुरू हो चुके हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा चालू है और डेपसांग और डेमचोक में गश्त की जानकारी भी सामने आई है। राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच वीजा नीति, कैलाश यात्रा, जल आंकड़ों का साझा करना और हवाई संपर्क बहाल करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

देश में 24 घंटे में कोरोना से 4 मौतें एक्टिव केस घटकर 5608 हुए

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना से 4 मौतें हुई हैं। दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब में एक-एक मरीज ने जान गंवाई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 में अब तक नए वैरिएंट से 120 की मौत हुई है। देशभर में कोरोना के 5608 एक्टिव केस हैं। गुरुवार को 64 नए केस सामने आए हैं। वहीं 368 मरीज रिकवर हुए हैं। बीते एक हफ्ते से हर दिन कोरोना के 100 से कम नए केस दर्ज हो रहे हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1184 एक्टिव मामले हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. नवीन कुमार कहा कि सिंगापुर में फैल रहे निम्बस वैरिएंट के केस भारत में भी सामने आ रहे हैं। बीते 5-6 हफ्तों में इन केसों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हमने टेस्टिंग बढ़ा दी है। इस वैरिएंट में फिलहाल ओमिक्रॉन जैसे लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

बांके बिहारी कॉरिडोर बनाने का विरोध

मथुरा(ईएमएस)। मथुरा में बांके बिहारी कॉरिडोर और न्यास बनाए जाने का विरोध जारी है। मंदिर के गोस्वामी से लेकर व्यापारी तक एक साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा की पूर्व जिलाध्यक्ष मधु शर्मा ने हेमा मालिनी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ऐसी महिला सांसद पर धिक्कार है, जो महिलाओं की पीड़ा नहीं समझ रहीं। विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि हम लोग इस प्रयास को किसी भी कीमत पर नहीं सफल होने देंगे। भले ही हमें अपने प्राण न्यौछावर करने पड़ें। हम अपने बिहारी जी और वृंदावन को नहीं छोड़ेंगे। सरकार हमारे ठाकुर जी को ले रही है। इस दौरान विरोध कर रहे लोगों ने कॉरिडोर हाय-हाय, मंदिर का पैसा खाना है, कॉरिडोर बहाना है... प्रशासन तेरी तानाशाही नहीं चलेगी...कॉरिडोर बनाने वालों का नाश हो। जैसे नारे भी लगाए।

वर्तमान में दुनिया में मची उथल-पुथल, भारत के लिए सुनहरा मौका

केंद्रीय मंत्री शाह ने दो टूक कहा, जंग से भारत को कोई खतरा नहीं

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध से भारत को कितना खतरा? इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने करोड़ों देशवासियों को बड़ा संदेश दिया है। एक बातचीत के दौरान उन्होंने व्यापार, निवेश, अर्थव्यवस्था से लेकर दुनिया में चल रहे युद्ध पर दो टूक जबाव दिया है। उन्होंने कहा है कि दुनिया में जो उथल-पुथल मची है, उससे भारत को कोई खतरा नहीं होगा। उनके अनुसार, भारत दुनिया भर में निवेश करने के लिए सबसे सुरक्षित और बेहतरीन जगह है। उन्होंने कहा कि भारत में स्थिर लोकतंत्र है, इतना ही नहीं हमारी सरकार की नीतियां एकदम साफ हैं। दुनिया में अभी जो सुरक्षा को लेकर चिंता है, यह देखकर भारत सबसे अच्छी जगह है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में ग्राहक हैं। हमारे पास दिमाग और युवा हुनर की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, दुनिया में जो उथल-पुथल हो रही है, हमारी सरकार भारत के लिए एक सुनहरा मौके के रुप में देख रही हैं। बीजेपी के चाणक्य शाह ने माना कि कुछ परेशानियां जरूर हैं, लेकिन भारत उन परेशानियों से निपटने को तैयार है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश बिना मुश्किलों का सामना किए आगे नहीं बड़ा है। भारत भी तरक्की के रास्ते पर है और एक बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

शाह ने कहा कि अगर विकास दर 8 प्रतिशत तक नहीं पहुंचती है, तब भी भारत एक विकसित देश बनने का लक्ष्य हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि विकास दर को दुनिया की अर्थव्यवस्था के हिसाब से देखना चाहिए। आज के समय में भारत की विकास दर दुनिया की विकास दर से बहुत अलग नहीं हो सकती। भारत दुनिया की टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं के साथ सीधा मुकाबला कर रहा है, इसलिए विकास दर उसी के करीब रहेगी। शाह ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद हर देश की अर्थव्यवस्था धीमी पड़ी थी। लेकिन भारत ने न केवल अपनी विकास दर को बनाए रखा, बल्कि पिछले सात-आठ सालों में सबसे तेजी से बड़ने वाली अर्थव्यवस्था भी रहा। उन्होंने कहा कि जब 8 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया गया था, तब दुनिया की आर्थिक स्थिति कुछ और थी। कुछ लोगों का मानना है कि भारत से निवेश बाहर जा रहा है। इस पर शाह ने कहा कि यह अच्छी बात है कि भारतीय कंपनियां अपना कारोबार ब?ा रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 सालों में एफडीआर (फॉरेन डायरेक्ट निवेश) 143 प्रतिशत ब?कर 749 बिलियन डॉलर हो गया है। जबकि यूपीए सरकार के समय में यह आंकड़ा कम था। उन्होंने कहा कि हमें नकारात्मक माहौल नहीं बनाना चाहिए। हमें भारतीय कंपनियों के विस्तार की सराहना करनी चाहिए। एफडीआई का मतलब है जब कोई विदेशी कंपनी भारत में आकर पैसा लगाती है।

राहुल गांधी ने अमित शाह के बयान पर किया पलटवार, कहा

अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है...अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि लोग सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह के एक कथित बयान के एक दिन बाद की। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोडने् का औजार है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि लोग सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। राहुल गांधी ने कहा, आज की दुनिया में, अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है, जितनी आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी, आत्मविश्वास बढ़ाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे।

बारिश की पहली फुहार ने नपा की पानी निकासी की व्यवस्था की खोली पोल

शहर के चौक चौराहों में जमा हुआ पानी, गोंदिया रोड पर नाला निर्माण नहीं होने से नालियों की जगह रोड से बह रहा पानी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है । 19 जुलाई की दरमियानी रात्रि और 20 जून की प्रात: सुबह से ही जिले में रुक-रुक कर हो रही वर्षा से नगर पालिका द्वारा बनाई गई पानी निकासी की व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। शहर के प्रमुख चौक ,चौराहों पर बीती रात से हुई बारिश से जल भराव हो रहा है। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने की वजह से शहर के अंबेडकर चौक, हनुमान चौक सहित कुछ निचले क्षेत्र में पानी भी जमा हो गया है।

आपको बता दे की बीती रात से हो रही रुक-रुक कर खंड वर्षा से शहर के अलग-अलग चौक चौराहों में पानी निकासी नहीं होने के कारण पानी भर रहा है । जबकि नगर पालिका द्वारा बरसात के पहले पानी निकासी किए जाने की बात कहीं जा रही थी । बरसात की पहली फुहार ने नगर पालिका द्वारा की गई पानी निकासी की व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है । अंबेडकर चौक से हनुमान चौक तक बीते 6 वर्षों से बन रहे महज एक किलोमीटर के नाले का निर्माण इस वर्ष भी कंप्लीट नहीं हो पाया है। जिस कारण आज नालियों का गंदा पानी सड़कों से होता हुआ बह रहा है । निर्माण कार्य के चलते हनुमान चौक में व्यवसाय करने वाले व्यवसाईयों को भी अब बरसात के समय अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । जबकि बीते दिनों कहा जा रहा था कि इस बार हनुमान चौक में जल भराव की समस्या को खत्म की जाएगी किंतु अभी भी हनुमान चौक में जल भराव की समस्या जैसी की वैसी बनी हुई है । अब देखना होगा कि कुछ ही दिनों में नगर पालिका द्वारा जल भराव की समस्या के लिए किए जा रहे प्रयास कितने सफल हो पाते हैं। शहर के कुछ निचले क्षेत्र में भी पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से जल भराव की समस्या उत्पन्न हुई। जिसे नगर पालिका के कर्मी द्वारा पानी भर जाने वाले क्षेत्रों में पानी निकासी की व्यवस्था करते नजर आए ।

जिले में 3.5 मिलीमीटर वर्षा हुई दर्ज

जिले में बीते 24 घंटे में 3.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि यह बीते वर्ष की तुलना में काफी कम है, लेकिन हो रही बारिश से मौसम सुहावना और ठंडा हो गया है। वहीं तापमान का पारा भी नीचे आ गया है। जिले में 24 घंटे में सबसे ज्यादा वर्षा किरनापुर ब्लॉक में 16.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में मानसुन के सक्रिय होने से खेती-किसानी के काम भी प्रारंभ हो गए है। मौसम इकाई कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जिले में 22 जून तक हल्के से माध्यम वर्षा के साथ घने बादल छाए रहने की संभावना है। जिससे अधिकतम तापमान 30.1 से 34.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूयनतम तापमान 20.3 से 22.5 डिग्री सेल्सियस रहेगा और सुबह हवा में 72 से 83 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 63 प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा कि गति लगभग 9 से 11 किलो मीटर प्रति घंटे दक्षिण से पश्चिम दिशा की ओर चलेगी।

24 घंटे में किरनापुर में हुई सबसे ज्यादा वर्षा

भू-अभिलेख से मिली जानकारी अनुसार 1 जून से 20 जून तक जिले में 21 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। जिसमें बालाघाट में 48.4 मिमी, वारासिवनी में 32.2, बैहर में 27.4, लांजी में 21.1, कटंगी में 7.6, किरनापुर में 32.6, खैरलांजी में 6.6, लालबर्रा में 16.2, बिरसाव में 35.8, परसवाड़ा में 3.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तिरोडी में अब तक कोई बारिश नहीं हुई है। वहीं बीते 24 घंटे की बात करें तो कटंगी, खैरलांजी, परसवाड़ा और तिरोड़ी में बारिश नहीं हुई। जबकि बालाघाट में 6.2 मिलीमीटर, वारासिवनी में 6.3, बैहर में 6, लांजी 2, किरनापुर में 16.2, लालबर्रा में 2 और बिरसा में पाईंट 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

झामसिंग धुर्वे की पत्नी और बेटी ने मीडिया के माध्यम से मुआवजा को लेकर लगाई गुहार

कहां 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी सरकार ने नहीं दिया पूरा मुआवजा, मात्र एक लाख रुपए ही मिली है सहायता राशि

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीते कुछ वर्ष पहले मारे गए झामसिंग धुर्वे की पत्नी और बेटी ने जिला मुख्यालय पहुंचकर मीडिया के माध्यम से न्याय की गुहार लगाई और कहा कि बीते वर्ष पहले जो सरकार द्वारा मुआवजा राशि दिए जाने की बात कही गई थी, वह अभी तक पूरी नहीं दी गई है । उस समय मात्र

सहायता राशि के रूप में उन्हें एक लाख रूपये ही दिया गया था । 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी सरकार द्वारा उन्हें पूरे मुआवजे की राशि नहीं दी गई है । इस विषय पर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि संभवत उन्हें मुआवजा दिया जा चुका है। फिर भी यदि परिजन कह रहे हैं तो उनकी फाइल खुलवाकर देखी जाएगी। वह अभी शहर से बाहर है । उन्होंने पीड़ति परिवार से मिलकर पूरी वस्तु स्थिति जानने की बात कही है । आपको बता दे कि वर्ष 2020 में कथित नक्सली के नाम से एनकाउंटर में मारे गए झामसिंह धुर्वे की पत्नी लगनीबाई और बेटी हीना मरकाम ने पिता की मौत पर न्याय और मुआवजा, मांगा है। शुक्रवार को शाम, प्रेसवार्ता में बेटी हीना मरकाम ने बताया कि उसके निर्दोष पिता को नक्सली बताकर मारा गया था। जब, यह बात साफ हो गई कि उसके पिता नक्सली नहीं थे तो बच्चों को नौकरी और 50 लाख रूपए मुआवजा देने की बात कही गई थी, लेकिन एक लाख ही मुआवजा मिला है। हालांकि इस घटना के बाद, मृतक झामसिंह धुर्वे के पुत्र को वनविभाग में नौकरी दी गई है, लेकिन, घटना के पांच साल बाद, बेटी ने मीडिया के सामने आकर, कहा कि वह चाहती है कि पिता को न्याय मिले और सरकार उन्हें किए गए वादे अनुसार पूरा मुआवजा प्रदान करें। झामसिंह धुर्वे की पत्नी और बेटी के साथ, प्रेसवार्ता में मौजूद आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया कि यदि कोई आदिवासी सही में नक्सली है तो उसका एनकाउंटर करें लेकिन निर्दोष आदिवासी को नक्सली बताकर मारा जा रहा है तो यह अशोभनीय और समाज के लिए चिंतनीय है। युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष शुभम उईके ने बताया कि नक्सली के नाम से निर्दोष आदिवासी का एनकाउंटर, दुर्भाग्यपूर्ण और विचारणीय है।

परिजनों से मिलकर चर्चा करेंगे - आदित्य मिश्रा

जब हमारे द्वारा इस पूरे विषय को लेकर दूरभाष पर बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि संभवत झामसिंह धुर्वे को मुआवजा दिया जा चुका है और यदि उनके परिजन मुआवजा नहीं मिलने की बात कह रहे हैं, तो वह पुन: एक बार उनकी फाइल खुलवाकर देखेंगे। फिलहाल अभी वह शहर से बाहर हैं। जल्द ही वह परिजनों से मिलकर उनसे चर्चा करेंगे की वस्तु स्थिति क्या है ।

युवा कांग्रेस का सदस्यता और मतदान प्रारंभ, 19 जुलाई तक चलेगी प्रक्रिया

जिलाध्यक्ष के लिए पांच और महासचिव के लिए दो उम्मीदवार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष के लिए ऑन लाईन हो रहे चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के बाद, युवा कांग्रेस का सदस्यता और मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जो आगामी 19 जुलाई की सायंकाल तक चलेगी।बताया गया कि 20 जून से

19 जुलाई तक सदस्यता के साथ ही युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों के लिए मतदान प्रक्रिया भी साथ-साथ चलेगी। उक्त तमाम जानकारी शुक्रवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान जिला प्रभारी, जगदीश बोगा ने दी।

18 से 35 वर्ष के युवा इस अभियान में होंगें शामिल

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी जगदीश बोगा ने बताया कि युवा कांग्रेस सदस्यता अभियान में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा, इसमें शामिल हो सकते है। जिन्हें विथ आईवायसी ऐप डाउनलोड कर, उसमें ऑनलाईन, 50 रूपए शुल्क के साथ सदस्यता ले सकते है। जिसके लिए सदस्य बनने वाले युवक, युवतियों को वोटर आईडी कार्ड और ई-मतदान पहचान पत्र ऑनलाईन ही सम्मिट करना होगा। जिसके बाद वह प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष, जिला महासचिव, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष के लिए अपना मत दे सकता है। उन्होंने बताया कि सदस्यता और मतदान की जांच के उपरांत, पदाधिकारियों के चुनाव परिणाम की घोषणा की जाएगी।

जिलाध्यक्ष के लिए पांच प्रत्याशी

आपको बताए कि बालाघाट युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए 6 युवा प्रत्याशियों ने अपना नामांकन जमा किया था, लेकिन एक प्रत्याशी का क्राईम रिकॉर्ड होने से उसका नामांकन रद्ध कर दिया गया है। जिसके बाद अब जिलाध्यक्ष के लिए पांच प्रत्याशी आशुतोष डहरवाल, अमरकांत बिसेन, विवेक दुफारे, राजा कोरी और शिवम विश्वकर्मा ही मैदान में है, जबकि महासचिव के लिए दो प्रत्याशी कैलाश नगपुरे और आदित्य दीक्षित के बीच टक्कर है।

1 साल से फरार स्थाई वारंटी शंभू गिरफ्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा पुलिस ने 1 साल से फरार चल रहा है स्थाई वारंटी को उसके घर ग्राम में गिरफ्तार किया गिरफ्तार स्थाई वारंटी शंभू पिता साधु मरकाम 52 वर्ष ग्राम खुर्सीपार बिरसा निवासी है। जिसे 21 जून को न्यायालय में पेश किया जाएगा। बिरसा पुलिस के मुताबिक शंभू मरकाम

के विरुद्ध सन 2017 में वन अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया था और बैहर की न्यायालय में यह मामला चल रहा था। न्यायालय में इस मामले के चलते पिछले 1 साल से शंभू मरकाम न्यायालय में पेशी पर नहीं जा रहा था। जिसे गिरफ्तार करने के लिए स्थाई वारंट जारी किया गया था। बिरसा पुलिस पिछले 1 साल से इस स्थाई वारंटी शंभू मरकाम की तलाश कर रही थी। किंतु वह पिछले 1 साल से छत्तीसगढ़ राज्य में मजदूरी करने चला गया था। हाल ही में कृषि कार्य हेतु शंभू मरकाम अपने घर आया हुआ था। शम्भू मरकाम के घर आने की सूचना मिलने पर 20 जून को थाना प्रभारी रेवलसिह बरडे के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक शिवलाल परते ने अपनी टीम के साथ ग्राम खुर्सीपार में शंभू मरकाम को उसके घर में गिरफ्तार किये।

पानी में भीगते पुल निर्माण की मांग को लेकर लपटी के ग्रामीण पहुंचे कलेक्टर कार्यालय , सौंपा ज्ञापन

1 वर्ष बीत जाने के बाद भी संबंधित विभाग ने नहीं बनाया पुल, बीते वर्ष अधिक बरसात में टूटा था पुल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गढ़ी क्षेत्र के ग्राम लपटी के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण ग्राम पहुंच मार्ग पर पक्का पुल निर्माण किए जाने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे । यहाँ 20 जून से ही शहर में बारिश हो रही थी , उसके बावजूद भी ग्रामीणों ने पानी में भीगते हुये रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन दिया और बताया कि बीते एक वर्ष पहले अतिवृष्टि में उनके गांव का पहुंच मार्ग पर बना पुल टूट गया था। जिसे विभाग द्वारा पक्का नाला बनाए जाने का आश्वासन दिया गया था । किंतु एक वर्ष बीत जाने के बाद भी विभाग में ना ही नाला बनाया और ना ही ग्रामीणों की समस्या पर ध्यान दिया । इस बार भी अतिवृष्टि में आवागमन बंद ना हो जाए , इसी डर से ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया और जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था के साथ पक्का पुल निर्माण किए जाने की मांग की हैं । आपको बता दे की मुख्यालय से तकरीबन 140 किलोमीटर दूर, गढ़ी क्षेत्र के माना और लापटी के आधा सैकड़ा से ज्यादा आदिवासी ग्रामीण, शुक्रवार 20 जून को बारिश में भींगते हुए पुल की मांग करने कलेक्ट्रेट पहुंचे। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शुभम उईके के नेतृत्व में आदिवासी ग्रामीणों ने अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे को ज्ञापन सौंपा और बरसात में लोहे के पुल की वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की मांग की। जिले के आदिवासी बाहुल्य बैहर तहसील के गढ़ी अंतर्गत माना पंचायत में लपटी और माना के बीच बना पुल, 2024 की बारिश में बह गया था। पुल के टूट जाने से आवागमन बंद होने से परेशान, ग्रामीणों ने मिलकर लकड़ी का पुल बनाया था। जिससे ग्रामीण आवागमन कर रहे थे। जिसके बाद प्रशासन ने वैकल्पिक रूप से पुल तैयार किया था, लेकिन वह भी बारिश में बहने की कागार पर पहुंच चुका है। हालांकि, पुल को टूटे, साल बीत जाने के बावजूद, प्रशासन नवीन पुल नहीं बना सका है। ग्रामीणों को फिर, पुल के कारण आवागमन बंद होने का डर सता रहा है। इसी के चलते शुक्रवार को आदिवासी ग्रामीण, मुख्यालय पहुंचे और गिरते पानी में, रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां सबसे पहले सभी ग्रामीण स्थानीय अंबेडकर चौक के गार्डन में जमा हुए। उसके बाद सभी ग्रामीणों ने अंबेडकर चौक पर अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद एक पंक्ति में रैली निकाली और पुल बनाए जाने की मांग को लेकर नारे लगाते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे । यहां उन्होंने शांतिपूर्वक प्रदर्शन करते हुए अपनी बात प्रशासन के सामने रखी। जहां कुछ ग्रामीण महिलाओं का यह भी कहना था कि अतिवृष्टि के समय पुल के साथ-साथ उनके ग्राम में मकान भी धराशायी हो गए थे और उनका काफी नुकसान हुआ था, किंतु संबंधित विभाग ने किसी प्रकार का कोई मुआवजा उन्हें नहीं दिया है, इन्हीं सब समस्याओं को लेकर वह आज जिला मुख्यालय पहुंचे थे ।

एक वर्ष बीत जाने के बाद भी पुल नहीं बना - झामसिंह धुर्वे

लपटी से पहुंचे झामसिंह धुर्वे बताते हैं कि वह एक किसान है और उनकी प्रमुख समस्या ग्राम पहुंच मार्ग पर पुल को लेकर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष जो अतिवर्षा में उनके गांव का पुल टूट गया था और संबंधित विभाग द्वारा पुल बनाए जाने की बात कही गई थी, किंतु एक वर्ष बीत जाने के बावजूद भी पुल नहीं बना। इसलिए वह चाहते हैं की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए और ग्राम पहुंच मार्ग पर पक्का पुल बनाया जाए । उन्होंने यह भी बताया कि आज समस्या इतनी अधिक उनको हो रही है कि यदि बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी अधिक वर्षा होती है और पुल नहीं बनता तो वह अपने गांव में ही पुन: कैद हो जाएंगे। इसलिए आज वह पानी में भीगते हुए अपने स्वयं के खर्चे पर जिला मुख्यालय पहुंचे हैं।

गांव के कुछ मकान भी गिर गए थे - इतवारी बाई

लपटी से पहुंची महिला इतवारी बाई बताती है कि बीते वर्ष अधिक वर्षा होने से पुल के साथ-साथ उनके गांव के कुछ मकान भी गिर गए थे, जिससे उन्हें बहुत नुकसान हुआ था, किंतु संबंधित विभाग ने उन्हें किसी प्रकार का कोई मुआवजा नहीं दिया और ना ही किसी प्रकार का सर्वे गांव में हुआ ,उन्होंने यह भी बताया कि आज गांव में किसी की तबीयत बिगड़ जाएगी तो इमरजेंसी सुविधा के लिए गाड़ियां भी उनके गांव तक नहीं पहुंच पाएंगी । इसलिए वह चाहते हैं कि उनकी समस्या पर संबंधित विभाग ध्यान देते हुए उसका निराकरण करें।

पुलिया को लेकर कोई काम नहीं हुआ - शुभम उईके

युवा अध्यक्ष शुभम उईके ने कहा कि बड़ी चिंतनीय बात है कि एक साल बाद भी शासन और प्रशासन, पुलिया को लेकर कोई काम नहीं कर सका। ऐसे में यदि, इस बरसात में वैकल्पिक पुल बहने से किसी गर्भवती महिला या किसी को बीमारी के चलते, यदि कोई घटना घटित होती है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा। उन्होंने बताया कि बारिश में कई ग्रामीणों के घर गिर गए और उन्हें नुकसान उठाना पड़ा लेकिन अब तक कोई मुआवजा नहीं मिला है।

विकल्प के तौर पर लोहे का पुल तैयार कर दिया जाएगा - जी.एस. धुर्वे

अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे ने पीएमजीएसवाय के अधिकारी के माध्यम से ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि माना और लपटी के बीच पुल का काम स्वीकृत हो गया है। जिसका निर्माण बरसात के बाद किया जाएगा। इस बरसात में विकल्प के तौर पर लोहे का पुल तैयार कर दिया जाएगा। जिससे आवागमन की समस्या नहीं होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की लापरवाही चार कार्यकर्ताओं को हुआ शोकॉज नोटिस जारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में जनसामान्य को व्यापक सुरक्षित एवं जनकल्याणकारी सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पदस्थापना की गई थी। उप स्वास्थ्य केन्द्र घने जंगलों से घिरे एवं मुख्य मार्ग से दुरस्थ क्षेत्र में अत्यंत पिछड़े ग्रामीण अंचल में स्थापित होने के कारण यहाँ उपचार के लिये जनसामान्य को चौबीसों घंटे स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यक्ता होती है। ऐसे में नियुक्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की लापरवाही अक्षम्य की श्रेणी में आती है। सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप द्वारा 7 जून 25 को उप स्वास्थ्य केंद्रों के आकस्मिक निरीक्षण में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पदस्थापना मुख्यालय में अनुपस्थित पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। जिसमे आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहनपुर की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी बिजली नाग, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सोनेवानी की प्रीतिकला सुलाखे, उप स्वास्थ्य केंद्र सोनेवानी की महिला बहुउद्देश्यीय स्वास्थकर्ता सीमा चौहान तथा मोहनपुर की ताजबी खान को शोकॉज नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही 7 जून का चारों ही कार्यकर्ताओं का वेतन अवैतनिक घोषित किया गया है।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/3043/अति.कले/वि.अधि./2025

बालाघाट दिनांक 20/05/2025

सार्वजनिक सूचना

(नियम 6 के अन्तर्गत)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सोहेब खान उम्र 32 वर्ष पिता श्री युसुफ खान जाति मुसलमान निवासी वार्ड नं. 08 कटंगी थाना व तहसील कटंगी जिला बालाघाट (म.प्र.) एवं आवेदिका नम्रता मेश्राम आयु 29 वर्ष पिता स्व. श्री चंदनलाल मेश्राम जाति महार निवासी वार्ड नं. 08 बनेरा कटंगी थाना व तहसील कटंगी जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के अन्तर्गत द्वितीय अनुसूचि में उल्लेखित प्रारूप में आशयित विवाह की सूचना /आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त आशयित विवाह की सूचना की एक प्रति इस इस्तेहार के साथ संलग्न प्रेषित है। उक्त प्रकरण की नियत सुनवाई दिनांक 24/06/2025 नियत है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/जनसाधारण को आवेदकगण के विवाह में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति स्वयं व अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष नियत सुनवाई दिनांक 24/06/2025 को उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

आवश्यकता है

होटल सिटी प्राईड बालाघाट महाराष्ट्र बैंक के बाजू में कालीपुतली चौक, बालाघाट महिला एवं पुरूष कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन 4 अंकों में मो. - 9827116521

आवश्यकता है

हैदराबाद में रहने वाले लांजी के परिवार को पूर्णकालिक घरेलू काम और बच्चों की देखभाल के लिए एक महिला की आवश्यकता है। अवधि - 06 महीने नि:शुल्क आवास/भोजन आकर्षक वेतन संपर्क - 8087277467

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

गोदाम के ऊपर लगे मोबाइल टावर में हुआ ब्लास्ट

ब्लास्ट के साथ लगी भीषण आग, रिहायसी इलाके में मचा हड़कंप, 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू, कारण अज्ञात , नगर के वार्ड नंबर 20, दीनबंधु चौक समीप का मामला

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। शुक्रवार की देर शाम नगर के नगर के वार्ड नंबर 20, दीनबंधु चौक समीप स्थित रिहायशी इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया। जब वहां स्थित एक गोदाम के ऊपर लगे मोबाइल टावर में अचानक ब्लास्ट से हो गया।अज्ञात कारणों के चलते मोबाइल टावर में हुए इस ब्लास्ट के साथ टावर में भीषण आग लग गई। जहां आग की लपटें इतनी ऊंची और तेज थी कि पलक झपकते ही उस आग ने पूरे टावर को अपनी चपेट में ले लिया।जिसे देख वहां कुछ देर के लिए अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया। उधर चारों ओर मची चीज पुकार के बीच स्थानीय लोगों द्वारा उक्त आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। लेकिन वह आग पर काबू नहीं पा सके। इसी बीच किसी ने आगजनी के इस मामले की सूचना कोतवाली पुलिस और नगर पालिका फायर ब्रिगेड को दी। जहां सूचना मिलते ही मौके पर पहुची कोतवाली पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित किया तो वही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम ने मौके पर पहुंचते ही आग बुझाने का कार्य शुरू कर दिया।जिन्होंने करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उक्त आग पर काबू पा ला लिया। बताया जा रहा है कि यदि समय रहते उक्त आग पर काबू नहीं पाया गया होता, तो यह आग अपने आस पास के मकान को भी अपनी चपेट में ले लेती। जिससे भारी जान माल का नुकसान उठाना पड़ सकता था। लेकिन समय रहते ही इस आग पर काबू पा लिया गया।

मिर्ची एवं नारियल गोदाम के ऊपर लगा था टावर

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के नगर के वार्ड नंबर 20, दीनबंधु चौक समीप स्थित राजहंस भोजनालय के सामने मोहम्मद शकील कच्छी का एक गोदाम है।जिन्होंने मिर्ची एवं नारियल के उक्त गोदाम के ऊपर कई वर्ष पूर्व एयरटेल कंपनी का मोबाईल टावर लगावाया था।जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम करीब 6-30 बजे गोदाम के ऊपर लगे एयरटेल कंपनी के मोबाइल टावर में अचानक जोरदार ब्लास्ट हुआ और उस ब्लास्ट के साथ ही वहां आग लग गई।जहा आग की लपटें और उठता धुआं देखकर आसपास के

लोगों में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकलकर राहत एंव बचाव कार्य के लिए इधर उधर भागते नजर आए।

कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू

उधर मामले की सूचना मिलते ही नपा की फायर ब्रिगेड की टीम 2 गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि आग गोदाम तक नहीं पहुंची, वहीं उक्त आग ने आसपास के मकान और दुकानों को अपनी चपेट में नहीं लिया। यदि ऐसा होता तो भारी जान माल का नुकसान उठाना पड़ सकता था। वही समय रहते 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नगर पालिका की फायर ब्रिगेड टीम ने उक्त आग पर काबू पा लिया।

नेटवर्क हुआ प्रभावित, तो सकरी गली में फायर ब्रिगेड को घुसने में हुई परेशानी

मोबाइल टावर में अचानक ब्लास्ट के साथ लगी इस भीषण आग के चलते आसपास के इलाकों का मोबाइल नेटवर्क प्रभावित हो गया। तो वहीं सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत विभाग द्वारा इलाके की विद्युत गुल कर दी गई। उधर उक्त आगजनी की जानकारी मिलने पर आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। पहले तो मौका स्थल तक पहुंचाने के लिए फायर ब्रिगेड टीम को काफी परेशानी हुई। जहां सकरी गली होने के चलते गाड़ी को मौके स्थल से दूर खड़ा रखना पड़ा। तो वही तीसरी मंजिल के ऊपर मोबाइल टावर में आग लगी होने के चलते मौका स्थल तक पाइप को पहचाने और दमकल कर्मियों को मौके तक पहुंचने में भी काफी परेशानियां हुई। हालांकि इन कड़ी मशक्कत के बाद भी फायर ब्रिगेड टीम ने उक्त भीषण आगजनी पर काबू पा लिया।

कारणों का नही चल सका पता

हालांकि मोबाईल टावर में यहा आग कैसे लगी और क्यों लगी, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। कोई मोबाइल टावर में शॉर्ट सर्किट बता रहा है तो कोई इस आगजनी को लेकर अलग-अलग तर्क दे रहा है।उधर कारणों का पता लगाने में पुलिस और तकनीकी टीम जांच में जुटी हुई है।

आग कैसे लगी कुछ कहा नही जा सकता- शकील

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान गोदाम मालिक मोहम्मद शकील कच्छी ने बताया कि घटना के वक्त वे अपनी दुकान में बैठे थे ।तभी मोहल्ले वालों ने बताया कि उनके गोदाम के ऊपर लगे मोबाईल टावर के पास से धुआं निकल रहा है। जब वे ऊपर गए तो देखा कि टावर में भीषण आग लगी हुई थी।इसके तुरंत बाद उन्होंने एयरटेल कंपनी और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। यह आग कैसे लगी फिलहाल हमें इसकी कोई जानकारी नहीं है। टेक्निकल टीम जांच में जुटी हुई है वही बताएगी कि आग कैसे लगी है।

सावधान-बारिश के बीच बढ़ा जान का खतरा

सड़क किनारे लगे विघुत पोल में आया करंट

वार्ड नंबर-25, प्रेमनगर हाउसिंग बोर्ड कालोनी का मामला

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बरसाती सीजन में विद्युत करंट का खतरा बढ़ गया है ।जिससे हर किसी को सावधान रहने की जरूरत है।बरसात के दिनों मे होने वाली बारिश के चलते सड़क, विद्युत पोल सहित अन्य वस्तुएं गीली हो जाती हैं और इन गीली वस्तुओं में विद्युत करंट का प्रवाह तेजी से होता है। जिसके चलते कई बार इसकी चपेट में आने से मौत भी हो जाती है। एक ऐसा ही मामला नगर के वार्ड नंबर 25 प्रेम नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सामने आया है। जहां शुक्रवार की दोपहर भरी बरसात के बीच चंद्रशेखर गार्डन के कॉर्नर तिगड्डे में रोड साइड लगे इलेक्ट्रिक पोल में अचानक विद्युत करंट प्रभावित हो गया।बताया जा रहा है कि यह पोल क्रमांक एचबी /3 डी में पिछले कई दिनों से फुल करेंट आ रहा है।जहा निवासी एक नागरिक के घर में काम करने वाली बाई को भी शुक्रवार को विघुत करेंट का झटका महसूस हुआ। जिस पर स्थानीय लोगों ने करंट चेक किया तो पाया कि विद्युत पोल में करंट आ रहा है।जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत दूरभाष के माध्यम विघुत विभाग को दी। जहां विद्युत विभाग से कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य किया। तब जाकर तब कहीं जाकर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली ।

बरसात में विद्युत पोल के समीप जाने से हो सकता है खतरा

स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि जिस विद्युत पोल में करंट आ रहा था उसके पास में ही गार्डन है गार्ड में दिनभर कालोनी के बच्चों खेलते हैं और आमजन पालतू जानवरों की पूरा दिन आवाजाही बनी रहती है। सड़क किनारे विघुत पोल होने की वजह से खतरा बना हुआ है।स्थानीय वार्डवासियों द्वारा इस समस्या का स्थाई समाधान किए जाने की मांग की है। ताकि इस बारिश के मौसम मे

किसी अनहोनी दुर्घटना से बचाव हो सके।

मानदेय के लिए दर दर भटक रहीं है रसोइया

स्कूल प्रभारी और बीएसी ने रसोइया की मानदेय की राशि की पार, पीड़ित ने दोषियों पर कार्रवाई की करी मांग, जिम्मेदार बिले चल रही जांच

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। मध्यान भोजन भारत सरकार की एक अहम योजना है जिसके अंतर्गत पूरे देश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को दोपहर का भोजन प्रदान किया जाता है इस योजना में रसोइया अपनी अहम भूमिका निभाती है। लेकिन जवाबदारों की लापरवाही के चलते रसोइया कों अपनी मेहनत की मानदेय के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।मामल बालाघाट जिले के जनपद शिक्षा केन्द्र परसवाडा के अंतर्गत आने वाली शासकीय प्राथमिक शाला दलवाडा का है, जहां नियुक्त रसोइया सीता बाई तेकाम को पिछले साल का मानदेय नही दिया गया है, जिसकी शिकायत के बाद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

मानदेय मांगने पर काम से निकाला

पीड़ित रसोइया सीता बाई ने बताया कि पिछले साल खाना बनाने का मानदेय उन्हें आज तक नही मिला है।जब स्कूल की प्रभारी प्रधानाध्यापिका से मानदेय के संबंध में जानकारी चाहीं तो उनके द्वारा अधिकारी का भोपाल से फोन आने का हवाला देते हुए उन्हें कार्य में आने से मना कर दिया गया एवं अन्य रसोईया मथुरा बाई मर्सकोले को कार्य पर रखा गया है। जब उन्हें उक्त फोन नम्बर(भोपाल अधिकारी) की जानकारी ली तो पता चला कि जनपद शिक्षा केन्द्र परसवाडा के नरेन्द्र शरणागत (बीएसी) एमडीएम प्रभारी का पाया गया।

रिश्तेदार के खाते में डाली गई रसोईया के मानदेय की राशि

बताया गया कि जांच में पता चला कि प्रधान अध्यापिका ने अपने रिश्तेदार के ही सुनिता बाई पति दोहाराम राहंगडाले के नाम से फर्जी प्रस्ताव से मानदेय भुगतान कर राशि डाली है।पीडित रसोइया ने बताया कि इसमें प्रधान अध्यापिका क्षीरसागर मैडम और (बीएसी) नरेन्द्र शरणागत दोनो के आपसी साठगांठ से 44 हजार रूपये की शासकीय राशि का गबन किया गया है। जो कि महिला सुनिता बाई के नाम से उनकी राशि डालीं गई है, वहां महिला दलवाडा ग्राम की नहीं है। इससे साफ़ जाहिर होता है कि प्रधानाध्यापिका और बीएसी नरेन्द्र शरणागत द्वारा शासन की राशि का स्वार्थ साधने की नियत से प्रधानाध्यापिका द्वारा अपनी बहन के खाते में राशि डलवाया गया।जों एक जांच का विषय है।

शिकायत के बाद भी नहीं मिला मानदेय, ना ही दोषियों पर हुई कार्रवाई

रसोइया सीता बाई तेकाम ने बताया कि मानदेय और प्रधानाध्यापिका और बीएसी नरेन्द्र शरणागत के द्वारा किए गए रसोइया के नाम से राशि के हेराफेरी और मानदेय के संबंध में संबंधित विभाग, जिला पंचायत सीईओ,जनपद सीईओ,सहायक आयुक्त जन जाति कार्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, सहित जन सुनवाई में शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई गई है, लेकिन साल गुजरने लगा उनकी शिकायत पर संबंधितों पर कोई कार्रवाई नहीं की,ना ही उन्हें मानदेय दिया गया, उन्होंने मानदेय और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जांच की रिपोर्ट बीआरसी को भेजी गई है - मसराम

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जन शिक्षक की एस मसराम ने बताया कि रसोइया सीता बाई तेकाम की शिकायत पर हम दो जन शिक्षकों द्वारा जांच कि गई है। जांच पर पाया कि स्कूल की प्रधान पाठिका क्षीरसागर और एमडीएम प्रभारी शरणागत द्वारा रसोइया की मानदेय की राशि को प्रधान पाठिका ने अपने बहन के खाते में डाला गया था। जिसकी रिपोर्ट बीआरसी कों दिया गया है।

मामले की जांच जारी है- अरूण बिठले

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बीआरसी जनपद शिक्षा केन्द्र परसवाडा अरूण बिठले ने बताया कि रसोइया की शिकायत के संबंध में जांच जारी है, जांच अनुविभागीय अधिकारी परसवाडा द्वारा किया जा रहा है, मैं प्राथमिक शाला दलवाडा जांच के लिए गया था जिसकी जांच प्रतिवेदन उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया जाएगा।

मोटरसाइकिल सहित तीन युवक पुल से नदी में गिरे

दो युवक की मौत- एक घायल युवक बैहर थाने की बुदबुदा नदी की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना अंतर्गत बुदबुदा नदी पुल में तीन युवक मोटरसाइकिल सहित गिर गए जिनमें गंभीर रूप से घायल दो युवक की मौत हो गई। मृतक दोनों युवक जिनमे महेंद्र सिंह पिता सेव कुमार मरकाम 35 वर्ष और जगत सिंह पिता सन्तुसिह उइके 32 वर्ष दोनों ग्राम कलेगांव थाना बैहर निवासी है। 19 जून की शाम 6:30 बजे करीब यह घटना उसे समय हुई जब तीनों युवक अपने गांव कलेगांव से कुमादेही निकले थे। इस घटना में घायल युवक सुब्बू पुसाम11 वर्ष कलगाव निवासी को बैहर के अस्पताल से जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र सिंह मरकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जो तीन भाई मैं बड़ा था। 19 जून की शाम 6-30 बजे करीब महेंद्रसिंह मरकाम अपने गांव के जगत सिंह उइके और सुब्बू पुसाम के साथ अपनी मोटरसाइकिल अपने गांव कलगांव से ग्राम सरेखा जाने निकले थे। मोटरसाइकिल महेंद्र सिंह मरकाम चला रहा था।कलगाव से सरेखा जाते समय मोटरसाइकिल की तेज रफ्तार तेज थी। यह तेज रफ्तार मोटरसाइकिल बुदबुदा नदी पुलिया के मोड पर अनियंत्रित हो गई और तीनों युवक मोटरसाइकिल सहित पुल से नदी में गिर गए। तीनों युवक घायल हो गए जिनमे युवक महेंद्र सिंह मरकाम और जगत सिंह उइके युवक गंभीर रूप से घायल बेहोश हो चुके थे। खबर मिलती ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों घायल को बैहर के अस्पताल में लाकर भर्ती किये। जहां महेंद्रसिह मरकाम की मौत हो गई। दो घायल जगतसिंह उइके और सुब्बू पुसाम को बैहर के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था किंतु में जगत सिंह उइके की बालाघाट लाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। जिसका शव वापस बैहर अस्पताल लाया गया। घायल युवक सब्बू पुसाम को बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस घटना की रिपोर्ट मृतक युवक महेंद्र सिंह मरकाम के पिता सेव् कुमार मरकाम ने बैहर पुलिस थाना में की थी। प्रधान आरक्षक पन्नालाल मरठे ने बैहर अस्पताल पहुंचकर मौके की कार्रवाई की और दोनों युवक का शव अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिए। 20 जून को प्रधान आरक्षक पन्नालाल मराठे ने दोनों मृतक महेंद्र सिंह मरकाम और जगत सिंह उइके शव का पंचनामा कार्यवाही करने के बाद पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

एक महिला को उसके पति ने सिर में पटिया मार कर किया घायल

भरवेली थाने के ग्राम पाथरवाड़ा की घटना, घायल महिला रंजीता जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पाथरवाड़ा में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को सिर में पाटिया से वार कर घायल कर दिया। 19 जून की रात्रि 10:00 यह वारदात घरेलू विवाद के चलते हुई। घायल महिला रंजीता पति लोकेश लिल्हारे 28 वर्ष पाथरवाड़ा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रंजीता का मायका ग्राम भटेरा का है। जिसकी शादी सन 2019 में लोकेश लिल्हारे ग्राम पाथरवाड़ा के साथ हुई है। जिसके दो बच्चे हैं।। जिन्हें बेटी शिवन्या 5 वर्ष और बेटा लवांश 4 वर्ष का है। शादी के बाद से रंजीता घरेलू कार्य के अलावा खेती किसानी में भी हाथ बटाती थी और लोकेश लिल्हारे ड्राइविंग का काम करता था। बताया गया है कि शादी के कुछ साल बाद ही लोकेश लिल्हारे घरेलू बातों को लेकर अपनी पत्नी रंजीता को शराब पीकर आए दिन परेशान करते रहता था। 2 माह से लोकेश लिल्हारे काम पर नहीं जा रहा था और घर पर रहता था और शराब पीते रहता था। 19 जून की रात्रि में लोकेश लिल्हारे शराब पीकर घर आया। जिसे उसकी पत्नी रंजीता ने बोली की काम धंधा नहीं करते शराब पीते रहते हो ऐसे कैसे चलेगा पैसा कोड़ी घर में नहीं है । रंजीता के यह कहते ही लोकेश लिल्हारे आवेश में आ गया और वह रंजीता को अश्लील गालियां देते हुए घर में रखी लकड़ी की पटिया से उसके सिर में वार कर दिया। लकड़ी की पटिया का वार सिर में पढ़ने से पटिया के दो टुकड़े हो गए वहीं रंजीता का सर फट गया। इस घटना को देख लोकेश लिल्हारे को उसके परिवार वालों ने मारपीट किया। वहीं रंजीता ने फोन करके घटना के संबंध में अपने मायके में बताई ।जहां से उसका मौसी भाई विजय दमाहे पहुंचा और घायल रंजीता को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जिला अस्पताल पुलिस ने रंजीता लिल्हारे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

किरनापुर पुलिस की अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही- रेत से भरी ट्राली जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर पुलिस ने क्षेत्र में चल रहे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के चलते बैनगंगा नदी के बोदून्दा घाट में रेत से भरी ट्रैक्टर की ट्रॉली जप्त की , पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को लेकर वहां से फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है। किरनापुर पुलिस के मुताबिक 19 जून को थाना प्रभारी अशोक ननामा को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि बैनगंगा नदी के अस्वीकृत बोडूंदा घाट पर एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। मुखबिर की इस सूचना को गंभीरता को देखते हुए थाना किरनापुर एवं चौकी रजेगांव की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा त्वरित रूप से बैनगंगा नदी के बोडुदा घाट में दबिश दी गई। पुलिस टीम से घिरते देख आरोपी ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को लेकर वहां से भाग निकला, पुलिस टीम ने मौके पर पलटी हुई रेत से भरी ट्रैक्टर की ट्रॉली जप्त की गई । पुलिस टीम के द्वारा अन्य ट्रैक्टर और जेसीबी के सहयोग से रेत भरी ट्राली को नदी से सुरक्षित निकाल कर पुलिस चौकी रजेगांव में रखा गया है ।इस संबंध में अपराध क्रमांक 224/2025 पंजीबद्ध कर धारा 303(2), 317(5) (BNS) तथा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम एवं 53(1) म.प्र. गौण खनिज नियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। नदी मैं रेत से भरी ट्रैक्टर की ट्राली छोड़कर ट्रैक्टर लेकर फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

सहकारी समिति खुरमुडी के निर्वाचन के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सहकारी समिति मर्या. खुरमुडी के लिए वनपाल को नरेन्द्र कुमार धुर्वे के स्थान पर वनपाल श्री नरेन्द्र कुमार मर्सकोले को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी श्री ओझा द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार प्रारंभिक समितियों में सदस्यता सूची प्रकाशित करने की तारीख 3 जुलाई , प्रकाशित सदस्यता सूची पर आपत्ति प्राप्त करने की अंतिम तारीख 10 जुलाई , सदस्यता सूची पर प्राप्त आपत्तियों के निराकरण की तारीख व अंतिम सदस्यता सूची के प्रकाशन की तारीख 11 जुलाई , रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरुद्ध अपीलीय अधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करने की तारीख 14 जुलाई से 16 जुलाई, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरुद्ध अपील प्राप्त होने की स्थिति में अपील के निराकरण की अंतिम तारीख 23 जुलाई , राज्य सहकारी निर्वाचन अधिकारी को अंतिम सूची प्राप्त करने की तारीख 28 जुलाई को सम्पन्न किया जाएगा।

मजार से लेकर सर्राटी नदी पुल के बीच सड़क में जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढे

लोग गड्ढों में गिरकर हो रहे चोटिल, बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, जिम्मेदार मौन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से गुजरी बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग के लालबर्रा मजार से लेकर सर्राटी नदी पुल के बीच में जगह-जगह से सड़क के बीच में जानलेवा गड्डे बन गये है। जिसके कारण आने-जाने वाले राहगीर एवं स्थानीयजनों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और गड्डों में पानी जमा होने के कारण गड्डे दिखाई नही देने से लोग गिरकर घायल भी हो रहे है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे आने-जाने वाले राहगीरों एवं स्थानीयजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग का लंबे समय से मरम्मत कार्य नही करवाया गया है जिसके कारण कुछ स्थानों से सड़क खराब हो चुकी है। लेकिन लालबर्रा मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित माँ सतबहनी मंदिर प्रवेश गेट के सामने, सैन्ट्रल बैंक, बस स्टैण्ड, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के आगे रोड़ के बीच एवं किनारे में बड़े-बड़े गड्डे बन गये है। जिसके कारण सभी को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि मजार से लेकर सर्राटी नदी मानपुर पुल तक ट्राफिक अधिक रहता है और यह एक व्यस्तम मार्ग भी है। लेकिन मार्ग में जगह-जगह बने गड्डों में बारिश होने पर पानी जमा होने एवं पटरी किनारे कीचड़ होने से आने-जाने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जबकि लंबे समय से मजार के पास, सैंट्रल बैंक के सामने, लालबर्रा बस स्टैण्ड के सामने सहित अन्य स्थानों पर बने गड्डों का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे राहगीर एवं स्थानीयजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। राहगीर एवं स्थानीयजनों ने शासन-प्रशासन से मार्ग के बीच में बने जानलेवा गड्डों का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

जानलेवा गड्डों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन - रेकचंद

रेकचंद बिसेन ने बताया कि लालबर्रा मुख्यालय से बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग गुजरी है और इस मार्ग पर स्थित मजार से लेकर सर्राटी नदी पुल के बीच में कुछ स्थानों पर सड़क के बीच में बड़े-ब़ड़े गड्डे बन गये है। जिसमें बारिश होने पर पानी जमा हो गया है जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री बिसेन ने बताया कि हाईवे मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और मार्ग में बने गड्डों में गिरकर लोग चोटिल भी हो रहे है और लालबर्रा मुख्यालय में सड़क चौड़ीकरण के नाम पर कई बार अतिक्रमण की कार्यवाही कर दुकानों को तोड़ा गया है। लेकिन अब तक किसी प्रकार का निर्माण कार्य नही करवाया गया है, न ही सड़क का मरम्मत कार्य करवाया गया है। जिसके कारण सड़क पूरी तरह से खराब हो चुकी है और बारिश के दिनों में लालबर्रा मजार से लेकर बस स्टैण्ड तक जाने में काफी परेशानी होती है और सबसे अधिक परेशानी स्कूली ब' चों को होती है क्योंकि मार्ग में बने गड्डों के कारण एवं पानी जमा रहने से कई बार उनकी ड्रेस गंदी हो जाती है और कई बार गिर जाते है । इसलिए सड़क विभाग से मांग है कि मार्ग के बीच में बने जानलेवा गड्डों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग के लालबर्रा मजार से लेकर सर्राटी नदी पुल के बीच में जगह-जगह एवं अन्य स्थानों पर सड़क के बीच में गड्डे बन गये है। जल्द ही स्थल का निरीक्षण कर गड्डों का मरम्मत कार्य करवा दिया जायेगा।

दीपक आड़े
महाप्रबंधक
एमपीआरडीसी बालाघाट।

आज लालबर्रा एवं खमरिया पावर हाउस के ग्रामीण फीडरों में रहेगी विद्युत आपूर्ति सेवा बंद

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा विद्युत विभाग के 33 केव्ही सबस्टेशन में मेंटेनेस कार्य 21 जून को किया जायेगा। जिसके लिए लालबर्रा पावर हाउस एवं खमरिया पावर हाउस से निकलने वाले ग्रामीण फीडर में प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली प्रवाह सेवा बंद रहेगी। चर्चा में विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी ने बताया कि 21 जून को 33 केव्ही सबस्टेशन में मेंटेनेंस कार्य किया जाना है जिसके लिए लालबर्रा पावर हाउस एवं खमरिया पॉवर हाउस से निकलने वाले ग्रामीण फीडर में प्रात' 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली प्रवाह सेवा बंद रहेगी। जिससे बघोली डीएल, बघोली एजी, समनापुर डीएल, समनापुर एजी, अमोली एजी, खमरिया डीएल, नेवरगांव डीएल फीडर के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में बिजली बंद रहेगी। साथ ही इस मेंटेनेंस कार्य में उपभोक्ताओं से सहयोग करने की अपील श्री कुरैशी ने की है।

रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग खराब

आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, सड़क निर्माण की मांग

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है एवं शुक्रवार को हुई बारिश के कारण पुरा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो चुका है। साथ ही सड़क में जगह-जगह गड्डे बन जाने के कारण इस मार्ग से आने-जाने वाले ग्रामीणजन, स्कूल के बच्चों एवं राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही लंबे समय से सड़क का पक्का निर्माण करवाने की मांग ग्रामीणजन एवं राहगीर शासन-प्रशासन से कर रहे है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी को प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग सीधे बालाघाट की ओर जाती है और इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीर आना-जाना करते है। साथ ही पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं भी इसी मार्ग से कालेज व स्कूल में पढ़ाई करने जाते है। लेकिन सड़क का खस्ताहाल होने एवं जगह-जगह बने गड्डों के कारण सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है। लेकिन सड़क की इस समस्या की ओर जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जबकि यह मार्ग कच्चा है और तेज बारिश होने पर कीचड़ में तब्दील हो जाती है। ऐसी स्थिति में आने-जाने वालों को बेहद परेशानी होती है, साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित होते रहती है। जबकि इस मार्ग से स्थानीय जनप्रतिनिधि भी आवागमन करते है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा भी इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान ही दिया जा रहा है जिससे सभी में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने रटेगांव से पुजारीटोला पहुंच मार्ग का जल्द डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

दिनभर हुई रिमझिम बारिश, उमस भरी गर्मी से मिली राहत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विगत दिवस से तेज धूप लगने से लोग परेशान थे। इसी के बीच शुक्रवार को सुबह से ही अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही दिनभर रिमझिम बारिश हुई है। जिसके चलते मौसम में ठंडक घुल चुकी है एवं मौसम सुहाना हो गया है। जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत भी मिली है। वहीं दिनभर रिमझिम बारिश होने से किसानों को कृषि कार्य करने में कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ा है किन्तु यह रिमझिम बारिश जिन किसानों ने पूर्व में धान बीज की बुआई कर दिये थे उनके लिए यह बारिश वारदान साबित हुई है। जमीन में नमी आने से बीज में अंकुर आ जायेगें और इसी तरह की बारिश होते रही तो धान बीज के लिए यह बारिश लाभदायक साबित होगी। वहीं तेज बारिश होती है तो जिन किसानों ने धान बीज की बुआई नही किये है एवं तुअर नही लगाये है उन्हे परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपकों बता दे कि विगत दिनों से लगातार तापमान में वृध्दि होने व तेज धूप के कारण लोग गर्मी से परेशान थे। शुक्रवार को प्रात: 6 बजे तक आसमान पूरी तरह से साफ था जिसके बाद अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ की बदलीनुमा मौसम बन गया एवं दिनभर आसमान में बादल छाया रहा और दिनभर रूक-रूक कर रिमझिम बारिश भी हुई है और दोपहर में करीब आधे घंटे तक तेज बारिश भी हुई है। जिससे लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं बारिश होने से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। साथ ही बारिश होने के कारण बाजार क्षेत्र में रौनक कम थी, लेकिन बारिश बंद होने के बाद बाजार क्षेत्र में खासी रौनक रही। साथ ही यह रिमझिम बारिश के कारण जिस स्थान पर सड़क खराब है एवं क' चा मार्ग है वह कीचड़ होने से आवागमन करने वालों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा है। वहीं किसानों का कहना है कि किसानों के द्वारा खरीफ सीजन की फसल के लिए धान बीज बोने एवं तुअर लगाने का कार्य किया जा रहा है और इसी तरह बारिश होती है तो जिन किसानों ने पूर्व में धान बीज बुआई कर दिये है ऐसे किसान बहुत जल्द रोपाई कार्य प्रारंभ कर देगें। साथ ही क्षेत्र में विगत दिवस हुई बारिश के बाद किसान कृषि कार्य में युध्द स्तर पर जुट गये है। लेकिन शुक्रवार को सुबह से लेकर शाम तक हुई रिमझिम बारिश के कारण किसानों को कृषि कार्य करने में कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा है।

खबर प्रकाशन के बाद मोहगांव (बोरी) में करवाई गई नालियों की सफाई

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) के अंतर्गत आने वाले वार्डों में स्थित नालियों की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने से नाली चोक हो चुकी थी। जिसके कारण पानी की निकासी नही होने से ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही गंदगी होने के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहे थे जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर ग्रामीणजनों को सता रहा था। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद पंचायत के जिम्मेदार सरपंच-सचिव हरकत में आये और पंचायत क्षेत्र के वार्डों की नाली की साफ-सफाई करवाई गई है एवं कुछ वार्ड में सफाई का कार्य जारी है। नाली की सफाई होने से जो नाली चोक हो चुकी थी वह खुल चुकी है जिससे अब पानी की निकासी सुचारू रूप से हो रही है जिससे पूर्व में पानी की निकासी नही होने की जो समस्या बनी हुई थी वह दुर हो चुकी है। वहीं ग्रामीणजनों ने पंचायत से नालियों की समय-समय पर साफ-सफाई करवाने की मांग की है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) में पानी निकासी के लिए सभी वार्डों में पक्की नाली का निर्माण पूर्व में करवाया गया है। लेकिन लंबे समय से नाली की सफाई नही होने से कुछ वार्डों की नाली चोक हो चुकी थी। जिसके कारण निवासरत लोगों के घरों का गंदा पानी के साथ ही बारिश के पानी की निकासी नही होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था एवं गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा था। जिससे सभी परेशान थे और लंबे समय से पंचायत से नालियों की सफाई करवाने की मांग कर रहे थे लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। नाली की सफाई नही होने से हो रही परेशानियों की समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिम्मेदार लोग हरकत में आये और गत दिवस नालियों की साफ-सफाई करवाये है एवं चोक नाली को खुलवाया गया। वहीं नाली की सफाई हो जाने से अब पानी की निकासी सुचारू रूप से हो रही है। वहीं ग्रामीणजनों ने बताया कि लंबे समय नाली की सफाई नही होने से कुछ स्थानों से नाली चोक हो गई थी जिसके कारण गंदे पानी की निकासी नही होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद पंचायत के द्वारा नाली की साफ-सफाई करवाई गई है, हमारी मांग है कि समय-समय पर नालियों की साफ-सफाई होते रहना चाहिए।

लालबर्रा सीएम राइज स्कूल में सामूहिक योग कार्यक्रम आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सीएम राइज उमावि. लालबर्रा में 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रात: 5.45 बजे से सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चर्चा में सीएम राइज स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि 11 वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रात: 5.45 बजे से 7.45 बजे तक सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य नागरिकों से समय पर स्कूल पहुंचकर सामूहिक योग कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने की है।

चलती ट्रेन से उतरते समय एक व्यक्ति गिरने से घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट रेलवे स्टेशन में चलती ट्रेन से एक व्यक्ति प्लेटफार्म के ऊपर गिरने से घायल हो गया घायल व्यक्ति बलराम पिता जगत राम दुर्याम38 वर्ष ग्राम डोरली थाना वारासिवनी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बलराम दुर्याम अपने परिवार के साथ मजदूरी करता है। जिसके परिवार ने पत्नी और तीन बच्चे हैं। बताया गया है कि 20 जून को सुबह 6:00 बजे बलराम दुर्याम अपने साथी राजपाल शेंडे के साथ नागपुर जाने के लिए कोचेवाही रेल्वे स्टेशन से ट्रेन में बैठकर गोंदिया जा रहे थे। 8:30 बजे करीब यह ट्रेन वारासिवनी से बालाघाट स्टेशन पहुंच रही थी । बालाघाट स्टेशन के पास ही बलराम दुर्याम चलती ट्रेन से उतर रहा था तभी चलती ट्रेन से उतरते समय बलराम दुर्याम असंतुलित होकर प्लेटफार्म के ऊपर ही गिर गया। सिर मस्तक में चोट लगने बलराम दुर्याम घायल बेहोश हो गया था ।जिसे उसके साथी जयपाल शेंडे ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जिला अस्पताल पुलिस ने जयपाल शेंडे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दी।

वारासिवनी से मोवाड़ मार्ग में उखड़ रही डामर की परत

कई स्थानों पर जानलेवा गड्ढों से बनी हुई है दुर्घटना की संभावना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी से मोवाड़ मार्ग में जगह जगह डामर की परत उखड़ने लगी है। तो वहीं कई स्थानों पर जानलेवा गड्ढे भी निर्मित हो गए हैं सड़क कई स्थानों पर फटने लगी है। ऐसे में बारिश का भी मौसम प्रारंभ हो चुका है जहां आवागमन कर रहे लोगों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बताया जा रहा है कि यह मार्ग नेशनल हाईवे को दे दिया गया है किंतु मार्ग की अथॉरिटी पर भी संशय की स्थिति बनी हुई है। जिसको लेकर बीते १ वर्ष से अधिक का समय हो जाने से मरम्मत कार्य नहीं हो पाया है जिस कारण से मार्ग की दुर्दशा बनी हुई है। जबकि यह मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र को जोड़ने वाला मार्ग है जहां मरम्मत नही होने से दुर्घटना होने की संभावनाएं बनी हुई है तो वहीं लोग चोटिल भी हो रहे हैं। राहगीरों एवं ग्रामीणों के द्वारा मार्ग की मरम्मत किए जाने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

वारासिवनी से मोवाड़ मार्ग का २०१८ के बाद से नही किया गया मरम्मत कार्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी से मोवाड़ मार्ग का निर्माण वर्ष २०१८ में किया गया था। यह मार्ग एमपीआरडीसी के द्वारा बनवाया गया था जहां पर बीते करीब १ वर्ष से अधिक समय बीत जाने पर भी मार्ग का पेंच वर्क या मरम्मत कार्य नहीं किया गया है। जिसके कारण मार्ग कई स्थानों पर फटने लगा है जहां पर स्पष्ट दरारे देखने को मिल रही है तो वहीं डामर की परत भी अब जगह जगह से उखड़ने लगी है। जिसके कारण गड्ढे के निर्माण प्रारंभ हो गए हैं तो वहीं कुछ स्थानों पर जानलेवा गड्ढे बने हुए हैं। जहां पर मोटरसाइकिल या किसी भी प्रकार के वाहन जाने से अनियंत्रित होने का खतरा बना रहता है। मार्ग में कई स्थानों पर बारिश का पानी भी जमा हो रहा है क्योंकि रोड़ बैठने से कुछ स्थानों पर ढलान नहीं है जहां पर दिन के समय लोग सुरक्षित आवागमन कर पा रहे हैं। परंतु रात्रि के अंधेरे में दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है क्योंकि रात्रि में गड्ढे स्पष्ट समझ नहीं आते हैं वैसे भी बरसात का मौसम प्रारंभ हो गया है। जिससे गड्ढे में पानी भरा रहने से गड्ढे की स्थिति पता नहीं हो पाती है। यह आगे सीधा मध्य प्रदेश को महाराष्ट्र से जोड़ता है जहां से बड़ी संख्या में लोग मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों के लिए रोजाना आवागमन करते हैं। यहाँ यात्री वाहन ट्रक ट्रैक्टर डंपर कार जैसे सभी प्रकार के छोटे बड़े वाहन चलते रहते हैं यह मार्ग २४ घंटे चालू रहता है। जहां पर यातायात का काफी दबाव बना हुआ है तो वहीं दर्जनों ग्रामीण क्षेत्र के लोग प्रतिदिन वारासिवनी मुख्यालय के लिए सफ र करते हैं। ऐसे में दुर्घटना की काफी संभावना मार्ग की खस्ता हालत के कारण बनी हुई है कई लोग चोटिल भी हो रहे हैं। हालांकि बताया जा रहा है कि यह मार्ग नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया को दे दिया गया है किंतु वर्तमान तक कोई स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसी के चलते मार्ग की मरम्मत भी नहीं किया जाना बताया जा रहा है । ऐसे में आम नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर शासन प्रशासन किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है जहां ग्रामीणों सहित राहगीरो के द्वारा मार्ग में सुधार कार्य करने की मांग की जा रही है।

बीते १ वर्ष से मार्ग की स्थिति जर्जर बनी हुई है- सीताराम बिठले

ग्रामीण सीताराम बिठले ने बताया कि मैं अंसेरा का रहने वाला हूं इसी मार्ग से प्रतिदिन आना जाना करता हूं। यह वारासिवनी से खैरलांजी मार्ग है जहां पर जगह जगह गड्ढे हो गए हैं बीते १ वर्ष से यही स्थिति मार्ग की बनी हुई है। किसी के द्वारा मार्ग का मेंटेनेंस नहीं किया गया है और इसकी कोई जानकारी भी हमारे पास है नहीं गड्ढे वैसे ही बने हुए हैं। उनमें पानी भर रहा है आने जाने वालों के ऊपर पानी उड़ रहे हैं जबकि बरसात का मौसम चालू हो गया है। गड्ढे के कारण दुर्घटना होने की संभावनाएं ज्यादा होती है इसलिए बरसात में अच्छा रोड़ होना चाहिए इस पर शासन प्रशासन को ध्यान देकर कार्य करना चाहिए।

रोड़ काफी क्षतिग्रस्त हो गई है दरारें आ गई रोड़ फटने लगी है-जानाजी गौतम

कौलीवाड़ा के पूर्व सरपंच जानाजी गौतम ने बताया कि यह सड़क में बहुत गड्ढे हो गए हैं रोड़ इस बारिश में काफी क्षतिग्रस्त हो जायेगी क्योंकि दरारें आ गई है रोड़ फटने लगी है। यह जो गड्ढे है इनको भरना चाहिए ताकि यात्रियों को सुविधा हो करीब ९ महीना हो गया है यही स्थिति मार्ग की बनी हुई है मेंटेनेंस आज तक नहीं हुआ। चुनाव के बाद वर्ष २०१९-२० में यह शायद रोड़ बना है उसके बाद से मरम्मत नहीं हुई है जबकि यह मार्ग सीधे नागपुर ,गोंदिया ,तुमसर से जोड़ता है। जिसका सुधार कार्य किया जाना अति आवश्यक है वरना लोगों को जान का खतरा बना हुआ है। काफी परेशानियों से लोग आना जाना कर रहे हैं मार्ग की दुर्दशा देखकर ऐसा लगता है कि यह हाईवे मार्ग है या ग्रामीण क्षेत्र का मार्ग हैं।

मार्ग बनाते समय मजबूती और गुणवत्ता का ठेकेदार ने नही रखा ध्यान-संतोष देशमुख

ग्रामीण संतोष देशमुख ने बताया कि यह हाईवे मार्ग है यहां पर आए दिन कई लोग सड़क दुर्घटना में घायल होते रहते हैं। रोड़ में बहुत ज्यादा गड्ढे है जगह जगह स्थिति खराब है दयनीय स्थिति मार्ग की है नए गड्ढे भी हो रहे हैं। कुछ समय पहले यहां पर पैच वर्क किया गया था वह अब उखड़ गया है वह जो कार्य किया गया था वह मजबूती और गुणवत्ता में कमजोर था। इसके अलावा पूरे मार्ग पर गड्ढे बने हुए हैं सबसे ज्यादा स्थिति खराब साइड शोल्डर की बनी हुई है जहां कीचड़ और गड्ढा हो गया है छोटे वाहन नीचे नहीं उतर पाते हैं। कहा जाता है कि नेशनल हाईवे को यह मार्ग चल गया है परंतु अभी स्पष्ट कुछ नहीं है । बीच में सुनने में आ रहा था कि बाईपास निकालेंगे अब क्या सही है यह समय पर पता चलेगा किंतु मार्ग को व्यवस्थित करना चाहिए।

सुनील अरोरा सहित अन्य तीन लोगों पर अपराध कायम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस के द्वारा निहार पिता नंगोलाल पटले की शिकायत पर सुनील अरोरा, पवन मोहबे ,राहुल धुर्वे पर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का अपराध दर्ज कर

जांच में लिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी निहार पटले पिता नागोलाल पटले उम्र २६ वर्ष निवासी वार्ड नं. १४ वारासिवनी ने लिखित आवेदन पत्र पेश किया है कि मैं अपने साथी गुरुवेश भद्रवंशी पिता गिरवर भद्रवंशी निवासी वार्ड नं. २ वारासिवनी ,मुनेश्वर बोपचे, अंकित पारधी के साथ मिलकर प्रापर्टी का काम करते है। प्रापर्टी के संबंध में चर्चा करने के लिये १८ जून को मैं एवं मेरे उक्त तीनो साथी अपने ऑफि स में बैठे थे। तभी सुनील अरोरा,पवन मोहबे, राहुल धुर्वे तीनो निवासी वारासिवनी हमारे ऑफि स के सामने आकर हम चारो को गालियाँ देकर जान से मारने की धमकी देने लगे। हम चारो उनकी गालियों एवं धमकियों से डर गये और वहाँ से भाग गये। तो सुनील अरोरा, पवन मोहबे, राहुल धुर्वे तीनो हमारे घर के सामने आकर गालियाँ देने लगे और बोलने लगे कि तुम लोग हमारे प्रापर्टी के धंधे को बिगाड रहे हो। अगर तुमने प्रापर्टी की धंधा बंद नहीं किया तो जान से मार देंगे और जातिगत मामले में फ साँ देने की धमकी दिये। इन तीनो लोगो से हमे जान का खतरा है हमारा ऑफि स वार्ड नं.२ हनुमान मंदिर के पास है एवं यह घटना १८ जून के शाम करीबन ६ बजे की है। मामले में पुलिस ने सुनील अरोरा, पवन मोहबे, राहुल धुर्वे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६, ३५१, (३) ३/५ के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया है।

केंद्र सरकार की नीतियों ने देश के साथ साथ वारासिवनी क्षेत्र के लोगों का भी जीवन बेहतर बनाया -प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भाजपा कार्यालय वारासिवनी में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल की अध्यक्षता में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय ,डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ,भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रचलित माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि और आयुष्मान योजना के हितग्राहीयों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इन हितग्राहियों ने अपनी कहानियाँ साझा करते हुए बताया कि कैसे इन योजनाओं ने उनके जीवन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव लाए हैं। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले घर से एक परिवार को पक्की छत नसीब हुई। जिससे उन्हे सुरक्षित आश्रय मिला। जबकि किसान सम्मान निधि ने किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई और कृषि कार्य में सहायता मिली। आयुष्मान योजना ने कई परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज में बड़ी राहत दी जिससे उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा मिली और बड़े चिकित्सा खर्चो का बोझ कम हुआ। साथ ही सरकार के ११ वर्षों में जमीनी स्तर पर हुए महत्वपूर्ण परिवर्तन का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जयसवाल ने बताया कि कैसे केंद्र सरकार की नीतियों ने देश के साथ साथ वारासिवनी क्षेत्र के लोगों के जीवन को भी बेहतर बनाया है। उन्होंने कार्यकर्ता से आह्वान किया कि वह सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएं और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर डॉ.नीरज अरोरा ,शैलेंद्र तिवारी ,श्रीमती रेखा गोखले, आशुतोष कोहाड़ ,श्रीमती टिकेश्वरी रांहगडाले, महिला मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष निर्मला पटले, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्मिता जायसवाल ,नपाध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे ,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा सहित समस्त नगर मंडल के पदाधिकारी सदस्य हितग्राही मौजूद रहे।

राहत की बारिश से किसानों के खिले चेहरे : सुबह से हो रही हल्की बारिश में पूरे वातावरण में घोली ठण्ड

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शुक्रवार की सुबह से चालू हुई हल्की बारिश पूरे दिन चलती रही जिसने क्षेत्र के वातावरण को ठंडक से भर दिया। यह बारिश के कारण क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल उठे जिन्होंने खेती कार्य प्रारंभ करने का निर्णय ले लिया हैं। यह बारिश खेतों में लगातार बरसती रही ऐसा मानो कि किसानों की प्रार्थना को भगवान इंद्रदेव ने स्वीकार कर लिया हो। पूरे दिन आसमान में बदली छाई रही इस दौरान होने वाली बारिश का लोगों ने जमकर आनंद लिया । वहीं इस बारिश में हर किसी को बरसात के प्रारंभ होने का संकेत दे दिया है। ऐसे में हर कोई अब बरसात के मौसम प्रारंभ होने की पुष्टि करता हुआ दिखाई दे रहा है। यह बारिश के कारण लोगों को बीते दिनों से सूर्य देवता के द्वारा बरसायें जा रहे अपने कहर तेज धूप और होने वाली उम्मस से राहत मिली हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों पूर्व रात्रि में बारिश का दौरा चला उसके बाद सूर्य देवता आसमान में चमक बिखरे हुए थे। जिसकी भीषण गर्मी से आमजन परेशान हो रहा था हर कोई १५ जून निकलने के बाद बारिश की संभावना व्यक्त करते हुए इंतजार में था कि कब यह बारिश का मौसम प्रारंभ होगा। ऐसे में शुक्रवार २० जून की सुबह ने उन लोगों का इंतजार खत्म कर दिया। जहाँ १९ जून की सुबह सूर्य देवता आसमान से गर्मी बरसा रहे थे ऐसे में शाम होते ही बारिश का मौसम बना और ८ बजे झमाझम बारिश हुई। इसके बाद यह दौर थम गया था परंतु शुक्रवार की सुबह सूर्य देवता बदली में छिपे रहे और हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश होती रही। जो सुबह ११ बजे रुकी किसानों के लिए वरदान के रूप में देखी जा रही है और आशा व्यक्त की जा रही है कि अब यह बारिश का मौसम प्रारंभ हो गया है। इस हल्की बारिश में पूरे खेतों में नमी असर देखते ही प्रफुल्लित हो उठे। ऐसे में वह अच्छी बारिश होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि निश्चिंत होकर वह खेती किसानी कार्य प्रारंभ कर सके। सुबह से शाम

जिसके बाद दोपहर १ बजे के बाद फिर यह बारिश का दौर प्रारंभ हो गया और शाम तक चलता रहा। इस प्रकार दो खंड में पांच घंटे से अधिक समय तक हुई बारिश में पूरे नगर सहित क्षेत्र में ठंडक व्याप्त कर दी। तो वहीं को स्थापित कर दिया है जहां पर सुबह से किसानों के द्वारा खेतों को तैयार करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। तो वहीं कई किसानों के द्वारा जिन्होंने पहले खेत तैयार कर लिया था वह खेतों का भ्रमण कर बारिश का तक होने वाली यह बारिश ने नगर सहित क्षेत्र के सड़कों के गड्ढों में पानी भर दिया । तो वहीं कच्ची सड़कों में भी कीचड़ जैसी स्थिति निर्मित कर दी है जिससे लोगों को बारिश के मौसम की याद ताजा होने लगी है।

वर्ष 2025-26 से केंद्रीय विद्यालय प्रारम्भ होगा तिरोड़ी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने नागरिक क्षेत्र के अंतर्गत 85 नए केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करने के लिए भारत सरकार का अनुमोदन प्राप्त किया है। जिसमें से एक केन्द्रीय विद्यालय तिरोडी, जिला बालाघाट, मध्य प्रदेश है। प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा विद्यालय के लिए भूमि का हस्तांतरण और उपयुक्त अस्थाई भवन उपलब्ध कराने के बाद, केन्द्रीय विद्यालय तिरोडी में शैक्षिक सत्र 2025-26 से कक्षाएं शुरू करने की संस्वीकृति प्रदान की गई है। केन्द्रीय विद्यालय तिरोडी वार्ड क्रमांक-15, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पुराना भवन, ग्राम तिरोडी, तहसील तिरोडी, में स्थित है।

शैक्षिक सत्र 2025-26 में कक्षाएं

विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 के दौरान प्रारंभ में कक्षा 1 से 5 तक प्रत्येक कक्षा में एक सेक्शन संचालित होगा। इसके बाद, साध्यता और अनुमोदन के आधार पर कक्षाओं में वृद्धि होगी। विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, भूमि हस्तांतरण और अस्थाई भवन से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद 30 दिनों के भीतर पूरी कर ली जाएंगी। केन्द्रीय विद्यालय तिरोडी शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 से कक्षाएं शुरू करने की संस्वीकृति प्रदान की गई है। विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 के दौरान प्रारंभ में कक्षा 1 से 5 तक प्रत्येक कक्षा में एक सेक्शन संचालित होगा। इसके बाद, साध्यता और अनुमोदन के आधार पर कक्षाओं में वृद्धि होगी। विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया, भूमि हस्तांतरण और अस्थाई भवन से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद 30 दिनों के भीतर पूरी कर ली जाएंगी।

मानवता के लिए अमूल्य उपहार है योग

योग एक ऐसी दिव्य अवस्था है जब चेतना और परम चेतना का मिलन होता है। इस अवस्था को प्राप्त करने का अवसर हर जीव के पास है। योग सनातन हिन्दू धर्म और संस्कृति का सम्पूर्ण मानवता के लिए अमूल्य उपहार है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। साथ ही इस बात का समर्थन किया कि योग जीवन के सभी पहलुओं के बीच संतुलन स्थापित करने के साथ स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने पूरी दुनिया में समग्र स्वास्थ्य क्रांति के नये युग का सूत्रपात किया। उपचार की जगह रोकथाम पर अब अधिक ध्यान दिया जा रहा है। आज पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त कर रहा है। हम 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। यह एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय को समर्पित है। इसका उद्देश्य मानव कल्याण और एक स्वस्थ ग्रह के बीच संबंध को बढ़ावा देना है। सीधा अर्थ है कि जब शरीर और मन स्वस्थ होता है, तो हम अपने समुदाय और पर्यावरण से बेहतर सामंजस्य रख पाते हैं, उनकी सही देख-रेख कर पाते हैं। आज पूरे विश्व में एक अदभुत वातावरण बना है। पूरा विश्व आज योग कर रहा है। योग ने विश्व में असंख्य लोगों को सहारा दिया है। हमारे लिये यह गौरव का क्षण है। योग का विधिवत विज्ञान यहाँ सुरक्षित है। योग दर्शन की विरासत से आज पूरा विश्व समाज लाभान्वित हो रहा है। हम इस अलौकिक समय के साक्षी बन रहे हैं। हम आज गौरव और आनंद से भरे हैं। योग, धर्म, जाति और रंग की सीमाओं से परे है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत का गौरव बढ़ाने वाला दिवस है साथ ही पूरे विश्व को परम चेतना के प्रति जागृत करने का क्रांतिकारी कदम भी है। अक्सर सवाल किया जाता है कि योग से क्या मिलता है? इसका सीधा सरल जवाब है योग से मिलती है शांति। मन और तन को सबसे ज्यादा जरूरत है शांति की। अशांत मन और अनियंत्रित तन पूरे समाज को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। योग एक ऐसा दिव्य द्वार है जो शांति की ओर खुलता है। शांति से उपजती है एकाग्रता। धर्म संसद में वेदांत दर्शन पर कालजयी व्याख्यान देने के बाद स्वामी विवेकानंद को अमेरिका में जगह जगह दर्शन पर व्याख्यान देने आमंत्रित किया गया। जब वे अमेरिकन विदयार्थियों के बीच पहुंचे तो विदयार्थियों ने सवाल किया कि पढ़ाई में मन नहीं लगता। स्वामी जी का जवाब था इसका एकमात्र उपाय है एकाग्रता। यह एकाग्रता उपजती है शांत मन से। शांत मन होता है ध्यान से। शांत मन दूषित विचारों से मुक्त होता है। शांति से निर्मित होती है सकारात्मक ऊर्जा। यह ऊर्जा सभी जीवों के लिये कल्याणकारी और हितकारी होती है। शांत चित्त वाला मनुष्य कभी गलत निर्णय नहीं ले सकता। जब शरीर, मन और आत्मा एकाकार हो जायें तो अहित और अशुद्धि का सवाल कहां रह जाता है। कथा उपनिषद में योग को इंन्द्रियों पर नियंत्रण करने की विद्या कहा गया है। श्रीमद्भगवद् गीता में योग को दुख से वियोग होना कहा गया है। महर्षि पतंजलि ने योग सूत्र में योग को मन के विचलन पर नियंत्रण की विधा बताया है। महर्षि अरविंद ने तो यहां तक कहा है कि संपूर्ण मानव जीवन ही एक योग है क्योंकि मनुष्य से कई चीजों का जोड़ है। योग का उद्देश्य परम चेतना में प्रवेश पाना है। यह परम चेतना क्या है जो योग से मिलती है? यह अवस्था ऐसी अवस्था है जब मन केवल न्याय और धर्म के साथ होता है। सिर्फ दया, करूणा, मैत्री और शांति जैसे मूल्य प्रखर होते है। यह अवस्था हर मनुष्य के लिये अनिवार्य है चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय का हो या विश्व के किसी भी कोने में रहता हो।

आइंस्टीन ने इजराइल को पड़ोसी अरब राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने का दिया था संदेश

आज इजरायल और ईरान में भारी जंग चल रहा है जिसमें दोंनो का नुकसान हो रहा है लेकिन बहुत पहले आइंस्टीन ने इजराइल को पड़ोसी अरब राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने का संदेश दिया था अल्बर्ट आइंस्टीन भौतिकी से संबंधित सभी सिद्धांतों को मिलाकर एक सिद्धांत बनाना चाहते थे, जिसे एकीकृत सिद्धांत कहा जाता है। लेकिन उनका सपना अभी भी अधूरा है। एक ओर जर्मनी के बाकी दुनिया के साथ संबंधों पर पुनर्विचार हो रहा था और दूसरी ओर यहूदियों के लिए एक अलग राष्ट्र बनाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा था। कैथरीन के मन में एक यहूदी राष्ट्र का विचार था जो अपने पड़ोसी अरब राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखेगा। उसे सशस्त्र सेना की आवश्यकता नहीं थी और वह उदार होगा। वह राष्ट्रवाद के सिद्धांत के खिलाफ था। उस समय पूरी दुनिया में आजादी की लहर चल पड़ी थी। ब्रिटिश साम्राज्य के उपनिवेश एक-एक करके आजाद हो रहे थे। फिलिस्तीन में नए बदलाव हो रहे थे, लेकिन तनाव भी बढ़ रहा था। आइंस्टीन का अपने यहूदी भाइयों के प्रति प्रेम और भक्ति बढ़ रही थी। जब उनसे भविष्य के राष्ट्र के लिए धन जुटाने में मदद करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने तुरंत हामी भर दी। उन्होंने एक पत्र जारी किया जिसकी नीलामी की गई और 5,000 डॉलर जुटाए गए।आखिरकार, मई 1948 में इजरायल का जन्म हुआ। वीज़मैन पहले राष्ट्रपति बने लेकिन कुछ ही समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। आइंस्टीन की उम्र अस्सी के आसपास थी। उनका शरीर बहुत कमजोर हो गया था, लेकिन लोगों को उनसे अभी भी बड़ी उम्मीदें थीं। 1952 में उनसे इजराइल के राष्ट्रपति का पद संभालने का अनुरोध किया गया। यह पद बहुत सम्मानजनक था और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था। दुनिया भर के लोग इसके जरिए आइंस्टीन द्वारा इजराइल के गौरव के लिए दिए गए योगदान के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहते थे। यह प्रस्ताव तेल अवीव के अखबारों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ। इजराइल के तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड बेन गुरियन ने गवर्नर से कहा कि आइंस्टीन से बड़ा आदर्श यहूदी दुनिया में कोई नहीं है। अगर उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया तो चुनाव महज औपचारिकता रह जाएंगे। लेकिन आइंस्टीन ने प्रस्ताव को गंभीरता से नहीं लिया। जब न्यूयॉर्क टाइम्स ने प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेकिन अमेरिका में इजराइल के राजदूत अब्बा इबान ने टस्कनी में उनसे संपर्क किया। अब आइंस्टीन के पास कोई विकल्प नहीं था और उन्होंने दृढ़ता से प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस समय काशी स्थित उनके आवास पर पत्रकारों की भारी भीड़ थी 18 नवम्बर 1952 को इजराइल के मंत्री डेविड गोयटन का पत्र आया जिसमें उनसे पद स्वीकार कर इजराइल जाने को कहा गया था। सरकार उनके भावी वैज्ञानिक कार्यों की सारी व्यवस्था करेगी। आइंस्टीन अभिभूत हो गए। उन्होंने कहा, मैं इस प्रस्ताव के लिए कृतज्ञ हूं; पर मुझे बड़ा दुख है कि मैं इसे स्वीकार न कर सकूंगा। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी उत्तरदायित्व निभाने के लिए आवश्यक गुण और अनुभव मुझमें नहीं है। यद्यपि यहूदी भाइयों से मेरा घनिष्ट लगाव है, पर यह उत्तरदायित्व निभाना मेरे बस की बात नहीं है। उनके मना करने पर अनेक प्रकार की टिप्पणियां की गईं। किसी ने कहा कि एक वैज्ञानिक का राष्ट्रपति बन पाना कठिन है। पर वाइसमैन भी मूलत: जीव-रसायनज्ञ थे। फिर एक भौतिकशास्त्री राष्ट्रपति नहीं बन सकता। आइंस्टीन की पहली पत्नी मिल्वा, दूसरी पत्नी एसा और छोटी बहन माजा की मृत्यु आइंस्टीन की मृत्यु से पहले ही हो चुकी थी। आइंस्टीन के पहले बेटे हंस का जीवन अपेक्षाकृत सफल रहा। उन्हें बकी में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में काम करने का अवसर मिला। उन्होंने हिस्टीरिया बीमारी पर काम किया। आइंस्टीन का विरोध उनकी मृत्यु के बाद भी नहीं रुका। लेकिन अल्बर्ट आइंस्टीन ने इस छोटे से अंतर का उपयोग करके दुनिया के कई रहस्यों को कैसे सुलझाया, यह आज तक एक रहस्य बना हुआ है। सन 1999 में, लोकप्रिय पत्रिका टाइम ने आइंस्टीन को 20वीं सदी के महानतम व्यक्तियों में से एक चुना आइंस्टीन की मृत्यु पहले हो चुकी थी। आइंस्टीन का दूसरा पुत्र एडवर्ड जो मानसिक रूप से बीमार था; उन्हें 1933 से एक मानसिक अस्पताल में रखा गया था। वहां से उन्हें रिहा नहीं किया जा सका और 1965 में उनकी भी मृत्यु हो गई। आइंस्टीन की मृत्यु के बाद, उनके शरीर को बाहर निकाला गया और सुरक्षित रखा गया। वैज्ञानिक लगातार उनकी जांच करते रहे, लेकिन उन्हें लगा कि वह किसी भी अन्य सामान्य व्यक्ति की तरह ही थे। 1996 में, वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि इसका एक हिस्सा सामान्य से थोड़ा बड़ा है। लेकिन अल्बर्ट आइंस्टीन ने इस छोटे से अंतर का उपयोग करके दुनिया के कई रहस्यों को कैसे सुलझाया, यह आज तक एक रहस्य बना हुआ है। डिगल नामक वैज्ञानिक ने सापेक्षतावाद के विशेष सिद्धांत को गलत साबित करने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हुए। इसी तरह, जब उनके शोधपत्रों को एक साथ लाकर प्रकाशित किया गया, तो उनमें भी विरोधाभास दिखाई दिए, लेकिन विरोधाभास का कारण ठीक से सामने नहीं आ सका। अल्बर्ट आइंस्टीन भौतिकी से संबंधित सभी सिद्धांतों को मिलाकर एक सिद्धांत बनाना चाहते थे, जिसे एकीकृत सिद्धांत कहा जाता। लेकिन उनका सपना अभी भी अधूरा है। लेकिन वैज्ञानिक स्ट्रिंग थ्योरी पर सहमत होने लगे। इस सिद्धांत के तहत, स्ट्रिंग थ्योरी के सिद्धांतों को एक साथ रखा गया था।क्वांटम ऑब्जेक्ट कण नहीं बल्कि तार होते हैं जिनमें केवल लंबाई होती है और मोटाई नहीं होती। इनके सिरे खुले हो सकते हैं। दो वलय मिलकर एक वलय बना सकते हैं। समय-समय परआइंस्टीन की ने इस पर बहुत पहले ही काम करना शुरू कर दिया था और उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा चौथे आयाम की खोज में बिताया। वे पांचवें आयाम की भी खोज में थे। आज क्वांटम सिद्धांत के अंतर्गत ग्यारह आयाम खोजे जा चुके हैं। यह सिद्धांत अभी भी पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है और इस पर अभी भी शोध जारी है।आयोनाइट की खोज के बाद ब्लैक होल सिद्धांत पर काम जारी रहा। तारों के अंदर ऊर्जा के लुप्त होने के सिद्धांत पर भी शोध जारी रहा।समय के सिद्धांत, समय की वापसी के बारे में भी शोध जारी है। कई बार इन शोधों को देखकरयह कहना पड़ता है कि ब्रह्मांड में अभी भी इतनी जटिलताएँ और इतने रहस्य बचे हुए हैं कि उन्हें सुलझाने के लिए अल्बर्ट आइंस्टीन को एक बार फिर दुनिया में आना कई बार इन शोधों को देखकर यह कहना पड़ता है कि ब्रह्मांड में अभी भी इतनी जटिलताएँ और इतने रहस्य बचे हुए हैं कि उन्हें सुलझाने के लिए अल्बर्ट आइंस्टीन को एक बार फिर दुनिया में आना पड़ेगा।1979 में अल्बर्ट आइंस्टीन की जन्म शताब्दी मनाई गई। उनके सम्मान में पूरी दुनिया में सम्मेलन और सेमिनार आयोजित किए गए। बर्न्स, येरुशलम, पश्चिम जर्मनी, बोस्टन, न्यूयॉर्क, मैथेसोनियन इंस्टीट्यूट - हर जगह लंबी चर्चाएं हुईं और सभी का ध्यान इसी मुद्दे पर था। इस अवसर पर वाशिंगटन में एक बड़ी प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी। इस दुनिया से चले जाने के बाद भी वैज्ञानिकों के बीच न केवल पहचान पत्र चर्चा का विषय बना रहा, बल्कि उनके जीवन के अन्य योगदानों पर भी चर्चाएं और विवाद होते रहे। परमाणु बम के विकास में उनके योगदान और विश्व शांति के लिए रसेल के साथ उनके द्वारा जारी घोषणा पर चर्चाएं जारी रहीं। हालांकि इस प्रस्ताव की आलोचना भी हुई, लेकिन इस घोषणा के कारण दुनिया के दो मुख्य खेमों के वैज्ञानिक एक-दूसरे के करीब आ गए। जर्मनी को माफ न करने के उनके विचार को दुनिया ने पूरी तरह सही नहीं माना। लोग आश्चर्य करते रहे कि जर्मनी में आइंस्टीन को जर्मनी से इतनी नफरत क्यों थी? दूसरी ओर, आइंस्टीन 1920 से ही मानते थे कि भावी इजरायल को अरबों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने चाहिए, लेकिन यह संभव नहीं हुआ और आइंस्टीन की मृत्यु के बाद अरब जगत और इजरायल के बीच भीषण झड़पें हुईं और कभी-कभी भीषण युद्ध भी हुए।

-संजय गोस्वामी

भारत भविष्य में जी-7 का सदस्य बन सकता है,क्योंकि भारत की आर्थिक,राजनीतिक, वैश्विक ताकत तेजी से बढ़ रही है

वैश्विक स्तरपर भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का डंका पूरी दुनियाँ में बज रहा है,जिसका सटीक उदाहरण अभी 17 जून 2025 को माननीय भारतीय पीएम द्वारा जी-7शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन कनाडा पहुंचे व सम्मेलन अटेंड किया, हालांकि भारत इसका सदस्य नहीं है, फिर भी 2019 से लगातार एक विशिष्टता से आमंत्रित हो रहे हैं।सम्मेलन में भाग लेकर वैश्विक विकसित देशों से चर्चा कर विश्व को अपने अनुभव साझा कर रहा हैं,ताकि पूरी दुनियाँ की बेहतरीन के लिए बेहतर योगदान दिया जा सके।

आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि हमारे पीएम को जी-7 में आमंत्रित किया गया जिससे हम उन सटीक अंदाज लगा सकते हैं कि, भारत की प्रतिष्ठा में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हुई है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से आज दिन भर इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर माननीय पीएम के कनाडा पहुंचने से लेकर अंत तक नजर गड़ाए रखी। सम्मेलन के दौरान हर विकसित देश माननीय पीएम से मिलना चाहता था,भारत से नजदीकियां बनाए रखने के भाव बड़े-बड़े नेताओं में देखे जो रेखांकित करने वाली बात है। चूँकि भारत का 51 वें जी-7 शिखर सम्मेलन 15-17 जून 2025 कनाडा में भारत का आगाज हुआ इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत भविष्य में जी-7 का सदस्य बन सकता है,क्योंकि भारत आर्थिक, राजनीतिक, वैश्विक ताकत बनकर तेजी से बढ़ता चला जा रहा है। साथियों बात अगर हम जी-7 सम्मेलन 2025 कनाडा के प्रमुख बिंदुओं और उद्देश्यों को समझने की करें तो, जी-7 देश भारत को एक ऐसे शक्तिशाली साझेदार के रूप में देखते हैं, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का जवाब दे सकता है. भारत क्वाड समूह (भारत, अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया) का हिस्सा है, जो चीन के प्रभाव को संतुलित करने में महत्वपूर्णहै,दरअसल 2019 से भारत के पीएम को दुनिया के अमीर देश अपनी बैठक में हर साल बुलाते हैं, यह भारत की वैश्विक स्थिति और रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। अमेरिका के हडसन इंस्टीट्यूट द्वारा 14 मई, 2023 को प्रकाशित लेख, जिसका शीर्षक है इंडिया is ऑलवेज इन्विटेड टू जी-7. व्हाई इज डैट सो इम्पोर्टेन्ट? ने भी भारत की दुनिया में बढ़ती ताकत और प्रासंगिकता को महसूस किया था,लेख में अनुमान लगाया गया है कि भारत भविष्य में जी-7 का औपचारिक सदस्य बन सकता है, क्योंकि उसका आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव बढ़ रहा है। हालांकि, भारत की ओर से कुछ हिचकिचाहट हो सकती है। जी-7 2025 के एजेंडा के प्रमुख बिंदु-(1) वैश्विक आर्थिक स्थिरता और वृद्धि मुद्रास्फीति, आर्थिक मंदी की आशंका, वैश्विक व्यापार में असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा (2) ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल संक्रमणआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्रिटिकल मिनरल्स, नेट-ज़ीरो लक्ष्यऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए नवीकरणीय स्रोतों और हरित हाइड्रोजन पर बल (3) शांति और सुरक्षा, इज़राइल - ईरान संघर्ष, यूक्रेनक्रूस युद्ध, आतंकवाद उन्मूलन, साइबर सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता और शरणार्थियों के संरक्षण पर चर्चा, जी-7 देश भारत को एक ऐसे शक्तिशाली साझेदार के रूप में देखते हैं, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का जवाब दे सकता है। जी-7 के प्रमुख उद्देश्य- (1) वैश्विक आर्थिक स्थिरता और वृद्धि को बढ़ावा देना (2) वित्तीय पारदर्शिता और सहयोग (3) जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय मुद्दों पर नेतृत्व(5)वैश्विक स्वास्थ्य (जैसे कोविड -19) के संकट में सहयोग (6) लोकतंत्र और मानवाधिकारों का समर्थन, कनाडा के अल्बर्टा राज्य के कैननास्किस में जी7 समिट का आज आखिरी दिन है। पीएम मोदी अब तक 6 वर्ल्ड नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम पार्डो, ऑस्ट्रेलिया पीएम एंथनी अल्बनीज, द. अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, साउथ कोरिया राष्ट्रपति लीजे म्युंग शामिल हैं। साथियों बात अगर हम भारत की बढ़ती भूमिका उपस्थित प्रतिष्ठा को समझने की करें तो,(1)भारत इस साल ही दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना हैतमाम वैश्विक संस्थाओं का मानना है कि भारत एक साल के अंदर ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का खिताब पा सकता है, जी 7 देश, जो विश्व की सबसे उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का समूह हैं, भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी मानते हैं, कनाडाई पीएम ने शिखर सम्मेलन में भारत को आमंत्रित करते हुए कहा कि भारत का होना आर्थिक और रणनीतिक चर्चाओं के लिए जरूरी है क्योंकि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में है (2)-जिओ पोलिटिकल महत्व, भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश और एक उभरती हुई शक्ति है, जी-7 देश भारत को एक लोकतांत्रिक और जिम्मेदार शक्ति के रूप में देखते हैं, जो चीन और रूस जैसे अधिनायकवादी देशों के प्रभाव को संतुलित करने में मदद कर सकता है,भारत का इंडो- पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक महत्व, खासकर चीन के बढ़ते प्रभाव के संदर्भ में, जी-7 के लिए महत्वपूर्ण है (3)-ग्लोबल साउथ का प्रतिनिधित्व-भारत को ग्लोबल साउथ का एक प्रमुख आवाज माना जाता है,जी 7 देश, जो मुख्य रूप से विकसित देश हैं, भारत जैसे उभरते देशों को शामिल करके वैश्विक मुद्दों पर व्यापक सहमति बनाना चाहते हैं,भारत की जी-20 अध्यक्षता (2023) ने इसे और मजबूत किया, जिससे जी7 को भारत की राय को नजरअंदाज करना मुश्किल हो गया, हडसन इंस्टिट्यूट के लेख में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के 2022 के बयान का हवाला देते हुए लिखा गया कि यूरोप को यह मानसिकता छोड़नी होगी कि यूरोप की समस्याएँ विश्व की समस्याएं हैं, लेकिन विश्व की समस्याए यूरोप कीसमस्याएं नहीं हैं. भारत की जी-20 अध्यक्षता और वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन (2023) ने इसे ग्लोबल साउथ के हितों को जी-7 जैसे मंचों पर उठाने में सक्षम बनाया है। (4) वैश्विक चुनौतियों में योगदान--जी-7 शिखर सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन, डिजिटल परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, और अंतरराष्ट्रीय शांति जैसे मुद्दों पर चर्चा होती हैय भारत इन क्षेत्रों में अपनी नीतियों और तकनीकी प्रगति (जैसे नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल अर्थव्यवस्था) के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे सकता हैइसके साथ ही भारत, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते, जी-7 के लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ मैच करता है. यह इसे उन देशों से अलग करता है जो जी-7 के लिए रणनीतिक चुनौतियां पेश करते हैं, जैसे कि चीन।(5) मोदी की व्यक्तिगत छवि--2019 से हर जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत को आमंत्रित किया गया है (2020 को छोड़कर, जब कोविड-19 के कारण शिखर सम्मेलन रद्द हुआ था). यह भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत और मोदी के नेतृत्व में भारत की सक्रिय विदेश नीति को दर्शाता है।पीएम की वैश्विक मंचों पर सक्रियता और उनकी कूटनीतिक पहल (जैसे जी-20 में भारत की भूमिका) ने उन्हें एक प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित किया है. जी-7 देश भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मोदी के साथ सीधे संवाद को महत्व देते हैं(6) चीन के मुकाबले भारत की रणनीतिक भूमिका--आज अमेरिका सहित पूरे पश्चिम की सबसे बड़ी चिंता चीन है. इसका कारण चीन की नीतियां तो अफेंसिव हैं हीं , चीन में लोकतंत्र का न होना भी एक बहुत बड़ा कारण है, हडसन इंस्टिट्यूट के लेख में तर्क दिया गया है कि भारत एक जिम्मेदार और लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, जो चीन जैसे अधिनायकवादी देशों के प्रभाव को संतुलित कर सकता है, उदाहरण के लिए, दक्षिण चीन सागर में चीन के क्षेत्रीय दावों को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने 2016 में खारिज कर दिया था, लेकिन चीन ने इसे नजरअंदाज किया. इसके विपरीत, भारत ने नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन किया है,जी-7 देश भारत को एक ऐसे शक्तिशाली साझेदार के रूप में देखते हैं, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का जवाब दे सकता है,(7) भारत जैसे देश ही बचा सकेंगे जी-7 की प्रासंगिकता, हडसन इंस्टिट्यूट की लेख की मानें तो जी-7 का प्रभाव घट रहा है, और भारत जैसे देशों को शामिल करना इसे फिर से प्रासंगिक बनाने का एक तरीका हो सकता है।जी-7 देश भारत को एक लोकतांत्रिक और जिम्मेदार शक्ति के रूप में देखते हैं, जो रूस और चीन जैसे देशों के विपरीत है,लेख में भारत कीहिचकिचाहट को भी रेखांकित किया गया था. भारत एक तटस्थ और स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता है, और जी-7 जैसे पश्चिमी-केंद्रित समूह में शामिल होने से उसकी नॉन -अलीज्ड मूवमेंट की नीति प्रभावित हो सकती है, इसके अलावा, चीन के साथ तनाव बढ़ने का जोखिम भी है।

अत: अगर हम पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 51वें जी-7 शिखर सम्मेलन 15-17 जून 2025 कनाडा में भारत का आगाज भारत भविष्य में जी-7 का सदस्य बन सकता है,क्योंकि भारत की आर्थिक, राजनीतिक, वैश्विक ताकत तेजी से बढ़ रही है।भारत की वैश्विक भूमिका- चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों में योगदान, जियो पोलिटिकल महत्व सहित अनेको वैश्विक उपलब्धियों से प्रतिष्ठा बढ़ी।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

न थल सुरक्षित न नभ, दावे परिवहन क्रांति के ?

भारत सरकार के परिवहन सम्बन्धी सभी मंत्रालय अपने अपने क्षेत्रों में उठाये गये कदमों को परिवहन क्रांति के रूप में प्रचारित करते हैं। सड़क, रेल, जलमार्ग, और हवाई यातायात आदि का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं जिसमें सरकार अपनी पीठ थपथपाने से बाढ़ आती हो। कभी रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण की बातें होती हैं तो कभी जलमार्ग और हवाई यातायात नेटवर्क को बढ़ाने के लिए नई नीतियां बनाये जाने की खबरें प्रकाश में आती हैं। हवाई क्षेत्र में भारत को दुनिया के सबसे तेढ़ी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के मकसद से सरकार द्वारा राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के अंतर्गत लॉजिस्टिक्स लागत को 16प्रतिशत से घटाकर 2025 तक 9त्न करने का लक्ष्य भी रखा गया है। सरकार द्वारा इन उपलब्धियों को पी आई बी इण्डिया में इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। तो क्या सरकार ऐसे प्रचार की आड़ में वास्तविक चुनौतियों को छुपाने व जनसाधारण से जुड़ी अनेक समस्याओं व सुरक्षा चुनौतियों पर पर्दा डालने का काम करती है ? यदि हम सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या की ही बात करें तो यह औसतन लगभग 1.5 लाख प्रतिवर्ष है । जहाँ तक निर्माण की गुणवत्ता का प्रश्न है तो यह किसी से छुपा नहीं है। घटिया व कमजोर सड़क निर्माण को लेकर तो पूरे विश्व में गोया भारत का डंकाबजता है। सड़कों पर गड्ढे,उद्घाटन से पहले या उद्घाटन के कुछ ही समय बाद देश में कहीं सड़क टूट रही है तो कहीं बड़े बड़े पुल धराशायी हो जाते हैं। जबकि परियोजनाओं में देरी और लागत बढ़ने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच अभी भी जरूरत के अनुसार नहीं है। सरकार निश्चित रूप से परिवहन क्षेत्र में प्रगति की बात करती है और इसे अपनी उपलब्धि के रूप में विज्ञापनों व मंत्रियों अथवा पार्टी नेताओं के आलेखों के माध्यम से पेश करती है, लेकिन यह पीठ थपथपाना पूरी तरह से संतुलित नहीं हो सकता। प्रगति तो हुई है, पर कई क्षेत्रों में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता है खास तौर पर सड़क यात्रियों की सुरक्षा को लेकर। सड़कों पर खुले आम घूमते आवारा पशु और गड्ढेदार सड़कें मौत को दावत देती हैं। बेशक सरकार की नीतियां और निवेश के चलते परिवहन क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है, लेकिन भ्रष्टाचार से डूबा निर्माण और इसी के परिणाम स्वरूप सड़क परिवहन में असुरक्षा जैसी चुनौती भी बनी हुई हैं। केवल सड़क मार्ग ही नहीं बल्कि रेल मार्ग परिवहन व्यवस्था में भी यात्रियों की सुरक्षा की कोई गारंटी दिखाई नहीं देती। अभी कुछ दिन पहले ही 9 जून 2025 को मुंबई के ठाणे में मुंब्रा और दीवा रेलवे स्टेशनों के बीच एक लोकल ट्रेन में अत्यधिक भीड़ होने के कारण कई यात्री ट्रेन के दरवाजों पर लटक कर यात्रा कर रहे थे। वैसे भी लोकल ट्रेन यात्रा का यह आम दृश्य है। इस दौरान, कुछ यात्रियों के पीठ पर लटके बैग दूसरी दिशा से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकराए, जिसके कारण कई यात्री ट्रेन से गिर गए। इस हादसे में 5 यात्रियों की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि 4 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हुए। खबरों के अनुसार रेलवे बोर्ड ने इस हादसे के बाद मुंबई की सभी लोकल ट्रेनों में ऑटोमैटिक डोर क्लोजर सिस्टम लगाने का फैसला किया ताकि भविष्य में यात्रियों का दरवाजों पर लटकना रोका जा सके। सवाल यह है कि क्या हादसों के बाद ही सरकार को ऐसे सुरक्षा उपाय करने की चेतना जागृत होती है ? इसी तरह 22 जनवरी 2025 को महाराष्ट्र के जलगांव जिले में परधाडे गाँव के पास माहेजी रेलवे स्टेशन पर लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में ट्रेन में आग लगने की अफवाह के कारण एक दुखद हादसा हुआ। यह अफवाह इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों में दहशत मच गई, और कई यात्री चलती ट्रेन से कूद गए। दुर्भाग्यवश, उसी समय साथ के दूसरे ट्रैक से कर्नाटक एक्सप्रेस तेज गति से गुजर रही थी, जिसने पटरियों पर कूदे हुए यात्रियों को कुचल दिया। इस हादसे में 14 यात्रियों के मरने की खबर आई थी। इसी तरह 2023 में ओडिशा के बालासोर में हुए हादसे में 290 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। आये दिन होने वाले ऐसे अनेक ट्रेन हादसे रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हैं। यह तो रही थलीय परिवहन की बातें। इसी तरह नभ परिवहन अर्थात हवाई यातायात के क्षेत्र में भी यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंताजनक स्थिति के दृश्य पिछले दिनों देखने को मिले। सबसे दर्दनाक हादसा 12 जून 2025 को गुजरात के अहमदाबाद में हुआ। यहाँ एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान जो अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रहा था, टेकऑफ के कुछ ही सेकेंडों बाद क्रैश हो गया। इसे भारतीय विमानन इतिहास के सबसे भयावह हादसों में से एक माना जा रहा है। इस में 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्यों सहित कुल 242 लोग सवार थे। जिनमें एक यात्री के अतिरिक्त शेष सभी की मौत हो गई। चूँकि यह विमान हवाई अड्डे के साथ लगते बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर जा गिरा इस वजह से कॉलेज की इमारत का भी काफी बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। यहाँ भी कम से कम 5 एमबीबीएस छात्र, एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर, और एक सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी की मृत्यु हुई। इसके अलावा 60 से अधिक मेडिकल छात्र घायल भी हुए। अभी यह खबर चर्चा में ही थी कि 15 जून 2025 को उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के पास गौरीकुंड क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना भी हो गयी। इसमें पायलट सहित सात लोगों की मृत्यु हो गई। आर्यन एविएशन कंपनी का यह हेलीकॉप्टर केदारनाथ मंदिर से श्रद्धालुओं को लेकर गुप्तकाशी बेस की तरफ वापस आ रहा था। प्रारंभिक जांच में खराब मौसम और कम दृश्यता को हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है। यह एक 7-सीटर बेल (Bell-VT-QXF) हेलीकॉप्टर था जिसे अहमदाबाद,गुजरात की एरोटांस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी संचालित कर रही थी। इस हेलीकॉप्टर दुर्घटना ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में भय पैदा किया है, और हेलीकॉप्टर सेवाओं पर लोगों का भरोसा कम हुआ है। कहने को तो हवाई यातायात सबसे सुरक्षित परिवहन सेवाओं में माने जाते हैं परन्तु हाल के दिनों में हुये हादसे इन धारणाओं पर सवाल खड़ा करते हैं। लिहाजा कहना गलत नहीं होगा कि सरकार द्वारा लाख परिवहन क्रांति के दावे क्यों न किये जा रहे हों परन्तु हकीकत तो यही है कि आज न तो थल परिवहन सुरक्षित है न ही नभ परिवहन।

-निर्मल रानी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। निचले भावों पर माँग से शुक्रवार को अनाज मंडी में चना ऊँचाइयों पर रहा। मसूर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में बाजार सुस्त-सुस्त रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में निचले भावों पर माँग से बाजार ऊँचाइयों पर रहे। मसूर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में सुस्ती कायम रही। तिलहनों में टिकाव देखा गया। उधर, किराना जिंसों में व्यापार की मात्रा कम ही देखी गयी। शक्कर में सुर्खी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4140, खोपरा गोला 245-280, खोपरा बूरा 4200-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारी?क 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3450-3500, (200) 4000-4050, (250) 4000-4050

तेल- सींगदाना 1370-1390, मुम्बई 1410, राजकोट तेलिया 2220-2225, सोया साल्वेंट 1110-1120, सोया रिफाइंड 1170-1180, कपास्या 1200-1205, धूलिया 1210, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1370, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1190-1195,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5700-5800, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5100-5200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 6800-6900, पाला 6900-7000, चमकी 7000-7100, नायलोन 7200-7300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 104000, चॉंदी (99) 103900, टंच 103100, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98200,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 86.63 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.60 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.65 पर खुला। बाद में पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 86.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को 30 पैसे टूटकर दो महीने के निचले स्तर 86.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। पिछले तीन सत्र में यह कुल 69 पैसे टूटा था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने समय और धन दोनों को ध्यान में रखकर कामों को करें, इसलिए आप किसी को धन उधार देने से बचें। यदि आप विदेश जाने की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी हो सकती है। कोई कानूनी मामला आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

वृष- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी मेहमान की दस्तक हो सकती है। आप अपने डेली रूटीन को बेहतर करने की कोशिश करें। संतान के मनमानी व्यवहार के कारण आप थोड़ा परेशान रहेंगे। आप जीवनसाथी को कहीं शॉपिंग आदि पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए जनकल्याण के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आप किसी प्रकार का कोई जोखिम लेने से बचें। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अकस्मात धन लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपको काम को लेकर नए-नए आइडिया आएंगे। आपका कोई मित्र आपकी किसी बात को लेकर नाराज हो सकता है। आपको किसी काम में उसके नीति और नियमों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। जनकल्याण के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप अपनी सेहत में लापरवाही करेंगे, तो आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए पार्टनरशिप में कोई काम करने के लिए रहेगा। आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। मित्रों का साथ आप पर बना रहेगा। आप किसी प्रॉपर्टी से संबंधित कोई डील को फाइनल करेंगे, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। आप परिवार के सदस्यों को लेकर किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपको अपने किसी पुराने मित्र की याद सता सकती हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी सबको साथ लेकर चलने की कोशिश कामयाब रहेगी। आपको किसी पारिवारिक मामले को भी मिल बैठकर निपटाने की आवश्यकता है। यदि आपने कोई कोई बात छुपा रखी थी, तो वह परिवार के सदस्यों के सामने उजागर हो सकती हैं आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी अजनबी से काम को लेकर कोई सलाह लेने से बचें। लेन-देन से संबंधित मामलों में आप अपनी आंख और कान खुले रखें। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपके ऊपर कोई नई जिम्मेदारी डाल सकते हैं। आपको मन मुताबिक काम न मिलने से भी मन परेशान रहेगा। आपकी संतान किसी नए कोर्स में दाखिला ले सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सेहत पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। यदि आप किसी काम को लेकर परेशान चल रहे थे, तो वह पूरा हो सकता है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपको अपने जीवन में पारिवारिक रिश्तों को प्राथमिकता देनी होगी। आप किसी से कोई बात सोच समझकर बोले। आपको सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिलेगा। आप अपने धन को लेकर किसी योजना में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। राजनीति में आपकी अच्छी पकड़ रहेगी। आपके सहयोगी भी कामों में पूरा साथ देंगे। आप अपने पिताजी से काम को लेकर कोई बातचीत कर सकते हैं। संतान को तरक्की करते देख आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने जीवनसाथी से किसी बात को लेकर यदि नाराज चल थे, तो आपकी वह समस्या भी दूर होगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए आवश्यक कामों को पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने किसी मित्र के लिए कुछ रूपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं। आपका जल्दबाजी के कारण कोई काम बिगड़ सकता है। बिजनेस कर रहे लोग अपने साथी से काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती रहेगी। आपको बड़ों की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके धनधान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपके घर किसी मांगलिक उत्सव की तैयारी शुरू हो सकती हैं। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने आर्थिक मामलों को ध्यान देकर निपटाने की आवश्यकता है। आप अपनी जिम्मेदारियों से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। माता-पिता आपके काम में पूरा साथ देंगे। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिल सकता है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप अपना एक लक्ष्य लेकर चलेंगे, तो ही आप अपने कामों को समय से पूरा कर सकेंगे। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले, नहीं तो वह कानूनी हो सकता है। आप अपने खानपान पर पूरा ध्यान देंगे और अपने खर्चों को भी आप नियंत्रण में करने की कोशिश करेगे, तभी आप भविष्य को लेकर कुछ धन संचय कर पाएंगे।

शब्दजाल - 7936

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ता	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 7935 का हल

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डि
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	टा	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6880

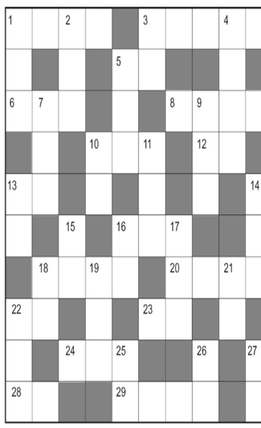

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6879

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	श		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		द	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		ख	की
श	मीं	ली		सो	च		श		श
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	श	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8404

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित,संरक्षित-4
4.उत्सुकता,जिज्ञासा-3
6.पिता के पिता-2
7.नमस्कार,प्रणाम-3
9.आखेट मंच-3
11.आत्मबलिदानी-5
12.प्लेट,तश्तरी-3
15.रहस्य,भेद-2
16.जी,चित्त-2
18.जुड़वा-3
20.मन का मिलना-5
22.नल,टोंटी-3
24.देवर्षि,देवमुनि-3
26.गुप्तचर,जासूस-2
27.गमन,विदा होना-3
28.ईश्वर,रब-4

ऊपर से नीचे

1.सद्चरित्रता-3
2.इच्छा,मर्जी-2
3.अंधकार,अंधेरा-3
5.धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6.मोल,कीमत,दर-2
8.नरक के समान-5
10.बेकार,अयोग्य-3
13.बुआई करना-2,3
14.विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17.प्रणाम,नमस्कार-3
19.जल में रहने वाला-4
21.स्वर्ग का विलोम-3
23.छोटी सवारी गाड़ी-2
25.कीमत,भाव-2

शब्द पहेली -8403 का हल

श	ब	न	म			आ	का	श
रा			स्त	र	ही	न		म
रा	त			सी	ना			शी
	र	ग		ला		क	बी	र
	का	ज	ल		अ	स	र	
क	री	ब		मि		र	ब	
रा			चा	रा			ल	ब
मा		रा	ह	ज	नी			हा
त	र	ह			म	ज	बू	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	मेष में
मंगल	सिंह में
बुध	मिथुन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	04.51 बजे से
कर्क	07.08 बजे से
सिंह	09.24 बजे से
कन्या	11.36 बजे से
तुला	13.47 बजे से
वृश्चिक	16.01 ब.से
धनु	18.17 बजे से
मकर	20.23 बजे से
कुंभ	22.09 बजे से
मीन	23.42 बजे से
मेष	01.12 बजे से
वृष	02.53 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 172 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 07.19 बजे तदनन्तर एकादशी 04.28 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 19.50 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 20.29 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 07.19 बजे, बव 17.56 बजे तदनन्तर बालव 04.28 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 26' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872382 **जूलियन दिन** 2460847.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 24 **विशेष** योगिनी एकादशी, वर्ष का सबसे बड़ा दिन, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51 से	10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46 से	01.14	बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42	बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10	बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10 से	05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सबसे बड़ी बाधा

एक बार राजा चंद्रगुप्त ने विद्वानों की सभा बुलाई। दूर-दूर से विद्वान आए। कई दिनों तक शास्त्रार्थ चला। इसमें भारवि को विजेता घोषित किया गया। राजा चंद्रगुप्त ने उनका यथोचित सम्मान किया और परंपरा के अनुसार उन्हें हाथी पर बिठाकर चंवर डोलाते हुए घर छोड़ने गए। उन्हें देखकर उनके माता-पिता की खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन भारवि ने अपनी मां का तो अभिवादन किया पर पिता के प्रति ठंडा रवैया अपनाया। पिता ने सभा के बारे में कुछ जानना चाहा तो उन्होंने अनमने तरीके से बात की। उनके इस व्यवहार से उनके माता-पिता को दुख पहुंचा। भारवि को अपनी विद्वता का घमंड हो गया था। राजा ने उन्हें जो सम्मान दिया, उससे वह अपने आप को विशिष्ट समझने लगे थे। उन्हें लगने लगा कि उनके सामने उनके पिता भी कुछ नहीं हैं। लेकिन उनका यह नशा कुछ दिनों बाद टूट गया। तब उन्होंने पिता से सामान्य दिनों की तरह संवाद करना चाहा पर उनके व्यवहार से आहत पिता ने उन पर विशेष ध्यान नहीं दिया। भारवि ने अपने को उपेक्षित महसूस किया। फिर उन्होंने अपनी मां से कारण जानना चाहा तो मां ने उत्तर दिया, 'पुत्र तुमने अपने व्यवहार से अपने पिता को दुख पहुंचाया है तुम यह कैसे भूल गए कि आज तुम जहां तक पहुंचे हो, वहां पहुंचने में उनकी कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है। जब तुम शास्त्रार्थ के लिए गए थे तो उन दिनों तुम्हारी विजय के लिए तुम्हारे पिताजी ने विशेष साधना की। उन दिनों वह केवल जल पीकर रहे। आज जिस ज्ञान के बल पर तुम सर्वश्रेष्ठ घोषित हुए हो, वह उन्हीं का दिया हुआ हैं। क्या तुम उनका ऋण कभी चुका सकते हो?' भारवि अत्यंत लज्जित हुए। वह दौड़कर अपने पिता के पास गए और चरणों में गिर पड़े। पिताजी ने उन्हें उठाकर गले से लगा लिया और कहा, 'पुत्र भारवि, ज्ञान की प्राप्ति में अहंकार सबसे बड़ी बाधा है। अच्छा है तुमने समय रहते इस बाधा को पहचान लिया और इसे दूर भी कर लिया।'

सूडोकु नवताल- 7189

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7188 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी के साथ ही पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट भी रुक गयी। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1046.30 अंक बढ़कर 82,408.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 319.15 अंकों के उछाल के साथ ही साथ 25,112.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान भारती एयरटेल के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। सेंसेक्स की 30 में से 27 कंपनियों के शेयर आज बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि केवल 3 कंपनियों के शेयर ही टूटकर लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी की 50 में से 44 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए , वहीं 6 कंपनियों के शेयर नीचे आने के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में केवल भारती एयरटेल के शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि एक्सिस बैंक के शेयरों में आज सबसे ज्यादा 0.16 फीसदी की गिरावट रही। इनके अलावा नेस्ले इंडिया के शेयर 2.98 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.86फीसदी, पावरग्रिड 2.18फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.08फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.54फीसदी, एनटीपीसी 1.43फीसदी, एसबीआई 1.40फीसदी, एचसीएल टेक 1.37फीसदी, सनफार्मा 1.24त्न, अडाणी पोर्ट्स 1.08फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.02फीसदी तेजी के साथ बंद हुए। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 0.07 फीसदीऔर मारुति सुजुकी के शेयर 0.02 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं आज सुबह सकारात्मक एशियाई संकेतों की वजह से बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत की। पीएसयू बैंक, आईटी और ऑटो सेक्टर में खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स 228.15 अंक बढ़कर 81,590.02 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 55.10 अंक बढ़कर 24,848.35 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 102.35 अंक बढ़कर 55,679.80 पर कारोबार कर रहा था।

खाद्य तेल की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में खाने के तेल की कमी और कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी होने की वजह से यह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और कई व्यापारिक संगठनों ने सरकार को चेताया है कि यदि पोर्ट की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो देशभर में सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और तेल महंगा हो सकता है। एसईए के अनुसार, नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच भारत का खाद्य तेल आयात 9 फीसदी गिरकर 78.8 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 86.7 लाख टन था। भारत हर महीने लगभग 7.5 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है और यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है। कांडला पोर्ट पर फिलहाल 157,000 टन तेल लादे 8 जहाज बर्थिंग का इंतजार कर रहे हैं। सिर्फ 2 जहाजों से 45,000 टन तेल की अनलोडिंग हो रही है। अगले कुछ दिनों में 159,000 टन तेल के साथ 5 और जहाज पहुंचने वाले हैं। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 6 खाद्य तेल और 6 रसायन वाले जहाज एंकर पर हैं। शुल्क कटौती बनी आयात बढ़ने की वजह से कांडला पोर्ट अथॉरिटी के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार मई में आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल की आवक में अचानक तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि औसतन 8 से 10 दिन की प्रतीक्षा हो रही है लेकिन संचालन प्रक्रियाओं को सख्त किया गया है और समाधान की कोशिशें जारी हैं।

कोर्ट ने नीरव मोदी की करोड़ों की संपत्तियों को रिलीज करने की दी अनुमति

नई दिल्ली। मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और उसकी बहन पूर्वी मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई 66.33 करोड़ की संपत्तियों को रिलीज करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया, जिसमें कहा गया था कि इन संपत्तियों को बेचकर या नीलामी के माध्यम से बैंक को हुए नुकसान की आंशिक भरपाई की जा सके। विशेष न्यायाधीश एवी गुजराती ने 17 जून को यह आदेश पारित किया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पीएनबी को यह अंडरटेकिंग देनी होगी कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी, तो इन संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि को फिर से वसूला जा सकेगा। रिलीज की गई संपत्तियों में नीरव मोदी के मुंबई के वर्ली इलाके स्थित समुद्र महल आवास से बरामद ज्वेलरी, सिक्के, घड़ियां और नकदी शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 40.83 करोड़ है। इसके अलावा, पूर्वी मोदी के नाम पर 19.50 करोड़ का एक फ्लैट और अन्य चल संपत्तियां भी इसी पते से जब्त की गई थीं। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट को बताया है कि उसे जब्त संपत्तियों को वापस देने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी की जाएं। इसके बाद कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक की अर्जी को मंजूरी देते हुए नीरव मोदी की संपत्तियां उसे लौटाने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नीरव मोदी अब भी भगोड़ा है और भारत लौटने को तैयार नहीं है। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी 13,500 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। मेहुल चोकसी इस समय बेल्जियम में कानूनी प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं, जबकि नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद हैं।

अव्यवस्था की जद में लांजी नगर परिषद : 3 राज्यों को जोड़ता है लांजी, फिर भी व्यवस्थित बस स्टैंड नहीं

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर परिषद के गठन को 15 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज भी यहां एक व्यवस्थित और सुविधायुक्त बस स्टैंड का अभाव है। यह नगर परिषद क्षेत्रीय यातायात का महत्वपूर्ण केंद्र होने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। स्थानीय निवासियों और यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग है कि लांजी में एक सुंदर, स्वच्छ, और आधुनिक बस स्टैंड का निर्माण किया जाए, ताकि यात्रियों को होने वाली परेशानियों से निजात मिल सके। दिनभर में सैकड़ों बसों का आवागमन लांजी का बस स्टैंड क्षेत्रीय और अंतरराज्यीय यातायात का एक महत्वपूर्ण गढ़ है। यहां से प्रतिदिन सैकड़ों बसें विभिन्न गंतव्यों के लिए संचालित होती हैं। इनमें आमगांव, गोंदिया (महाराष्ट्र), दुर्ग (छत्तीसगढ़), सालेटेकरी, बैहर, और बालाघाट जैसे नजदीकी क्षेत्रों के साथ-साथ हैदराबाद जैसे दूरस्थ शहरों के लिए भी बस सेवाएँ उपलब्ध हैं। इतनी बड़ी संख्या में बसों और यात्रियों के आवागमन के बावजूद, बस स्टैंड की स्थिति दयनीय बनी हुई है। बस स्टैंड की बदहाल स्थिति वर्तमान में लांजी का बस स्टैंड अव्यवस्थित और असुविधाजनक है। यहाँ न तो यात्रियों के लिए

पर्याप्त बैठने की व्यवस्था है, न ही शौचालय, पेयजल, या छायादार प्रतीक्षालय जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हैं। बारिश के मौसम में बस स्टैंड पर कीचड़ और जलभराव की स्थिति यात्रियों के लिए और भी कष्टकारी हो जाती है। इसके अलावा, स्टैंड पर स्वच्छता का भी अभाव है, जिसके कारण कचरा और गंदगी का ढेर लगा रहता है।स्थानीय निवासी जो रोजाना इस बस स्टैंड से यात्रा करते हैं, कहते हैं, यहाँ न तो बैठने की जगह है, न ही साफ-सफाई। बारिश में तो हालत और खराब हो जाती है। इतने सालों बाद भी नगर परिषद ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।यात्रियों की परेशानियां बस स्टैंड पर सुविधाओं के अभाव के कारण यात्रियों, खासकर महिलाओं, बच्चों, और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी होती है। रात के समय बस स्टैंड पर पर्याप्त रोशनी न होने से सुरक्षा का भी सवाल उठता है। इसके अलावा, टिकट काउंटर और बसों की समय-सारिणी की जानकारी के लिए भी कोई व्यवस्थित प्रणाली नहीं है। यात्रियों को अक्सर बसों के इंतजार में घंटों खड़े रहना पड़ता है। स्वच्छ और आधुनिक बस स्टैंड की मांग लांजी के नागरिकों और यात्रियों ने नगर परिषद और जिला प्रशासन से बार-बार मांग की है कि बस स्टैंड का आधुनिकीकरण किया जाए।

ना कचरा प्रबंधन, ना ही सुरक्षा, रात में असामाजिक तत्वों का अड्डा है बस स्टैंड

लांजी बस स्टैंड में स्वच्छता और कचरा प्रबंधन का नामोनिशान तक नहीं है। यहां नियमित सफाई और कचरा निपटान नाम मात्र की होती है। मूलभूत सुविधाएं जिसमें साफ शौचालय, पेयजल, और प्रतीक्षालय तक नहीं। इतना ही नहीं यहां सुरक्षा का बंदोबस्त तक नहीं। रात में पर्याप्त रोशनी और सीसीटीवी कैमरे भी यहां नहीं है। इसके साथ ही रात में बस स्टैंड असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है। रोजाना शाम में यहां शराबियों की जमावट लग जाती है। इसके अलावा यात्री सुविधाएं, टिकट काउंटर, बस समय-सारिणी डिस्प्ले, और डिजिटल सूचना प्रणाली नहीं है।

अव्यवस्था दूर करने ठोस कदम उठाने की जरूरत- गौरीशंकर सातपुते

स्थानीय व्यापारी संघ के अध्यक्ष गौरीशंकर सातपुते का कहना है कि लांजी एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और यातायात केंद्र है। एक आधुनिक बस स्टैंड न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। नगर परिषद की उदासीनता लांजी नगर परिषद की ओर से बस स्टैंड के विकास के लिए कोई ठोस पहल न होने से स्थानीय लोग निराश हैं। हाल ही में नगर परिषद द्वारा कचरा निपटान और स्वच्छता को लेकर उठाए गए कदमों पर भी सवाल उठे हैं। नागरिकों का कहना है कि जब नगर परिषद कचरा प्रबंधन जैसे बुनियादी मुद्दों को हल करने में असमर्थ है, तो बस स्टैंड जैसे बड़े प्रोजेक्ट पर भरोसा करना मुश्किल है। 15 वर्षों से चली आ रही अव्यवस्था को दूर करने के लिए अब ठोस कदम उठाने की जरूरत है। एक स्वच्छ, सुंदर, और आधुनिक बस स्टैंड न केवल लांजी की शान बढ़ाएगा, बल्कि हजारों यात्रियों की यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाएगा। स्थानीय प्रशासन और सरकार से अपेक्षा है कि वे इस मांग को प्राथमिकता देकर लांजी के विकास में एक नया अध्याय जोड़ें।

लांजी में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में धूमधाम से मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, लांजी में 21 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय के प्राचार्य ने सभी से उपस्थित होने की अपील की है।

कार्यक्रम का विवरण

आयोजन की शुरुआत प्रात: 6:00 बजे से होगी, जिसमें सहभागी समूहों की उपस्थिति दर्ज की जाएगी। इसके पश्चात प्रात: 6:00 से 6:30 बजे तक जनप्रतिनिधियों द्वारा उद्बोधन दिया जाएगा। इस दौरान स्थानीय नेतृत्व और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा योग के महत्व और इसके दैनिक जीवन में लाभों पर प्रकाश डाला जाएगा।प्रात: 6:30 से 6:40 बजे तक माननीय मुख्यमंत्री का उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिसमें वे योग के प्रति जागरूकता और इसके वैश्विक महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे। इसके बाद, प्रात: 6:40 से 7:00 बजे तक विशाखापट्टनम से माननीय प्रधानमंत्री का उद्बोधन प्रसारित होगा, जो इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण होगा।कार्यक्रम का समापन सामान्य योगाभ्यास सत्र के साथ होगा, जो प्रात: 7:00 बजे से 7:45 बजे तक चलेगा। इस सत्र में योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागी सामूहिक रूप से विभिन्न योगासनों का अभ्यास करेंगे। यह सत्र सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए खुला होगा, जिसमें योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।

प्राचार्य की अपील

विद्यालय के प्राचार्य ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि यह हमें मानसिक शांति और आत्म-अनुशासन की ओर भी ले जाता है। इस आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता से हम योग के प्रति जागरूकता को और अधिक फैला सकते हैं।

योग का महत्व

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्वभर में मनाया जाता है। यह दिन योग की प्राचीन भारतीय परंपरा को वैश्विक मंच पर प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि यह तनाव प्रबंधन, मानसिक शांति और आत्मिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लांजी में आयोजित यह कार्यक्रम स्थानीय समुदाय को एकजुट करने और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, लांजी की ओर से सभी नागरिकों को इस आयोजन में शामिल होने के लिए हार्दिक आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन न केवल योग के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि सामुदायिक एकता और सहभागिता को भी मजबूत करेगा। सभी से अनुरोध है कि वे प्रात: 6:00 बजे से पहले विद्यालय परिसर में उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण आयोजन का हिस्सा बनें।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में जिला प्रशासन ने आयोजित किया चौथा जनकल्याण शिविर

एसपी श्री मिश्रा ने नक्सली संपत और संगीता को उनके ही गांव से दिया वापसी का संदेश, कलेक्टर श्री मीना ने वन पट्टों के सम्बंध में सरपंचों से किया संवाद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र शासन की आत्मसमर्पण नीति और विकास नीति को लेकर शुक्रवार को नक्सल प्रभावित गांव राशिमेटा में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नवागत पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने ग्रामीणों से कहा कि समय बदल रहा है, बदलते समय में आपके क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए है। अब आप लोग घर से अपने रिश्तेदारों से मोबाइल पर बात कर पा रहे है। गांव तक सड़क पहुँची है। शासन और प्रशासन आपकी सुरक्षा के साथ ही विकास करना चाहता है। जो भटक गए है उनके भहकावे न आएं। तुम्हारा गांव तुम्हारी जमीन है जो करना चाहते है वो करें। किसी के बहकावे न आये। आपके ही गांव के संपत और संगीता ने जो रास्ता अपनाया है, वो रास्ता ठीक नही है। अगर वो वास्तविक विकास चाहते है तो सरपंच का चुनाव लड़े और विकास का रास्ता अपनाए। मप्र की आत्मसमर्पण नीति-2023 में कई तरह के प्रावधान किए गए है। जो आत्मसमर्पण करेंगे उनको कई व्यवस्थाएं और सुविधाएं दी जाएगी। वास्तविक अर्थों में नक्सली आपका भला चाहते है तो विकास से जुड़े। शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने सरपंचों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि वन पट्टे के निराकरण पूरे नियमानुसार किया जाएगा। पात्र होगा उन्हें पट्टे दिए जाएंगे। साथ ही सचिव,वन विभाग और जनपद पंचायत

को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि जो भी वन पट्टो के आवेदन प्राप्त हुए है। वन मित्र पोर्टल पर दर्ज कराए, साथ ही जिनके आवेदन में कोई दस्तावेज नही है तो पूर्ण भी कराने की जिम्मेदारी उनकी ही होगी। सरपंच ने कोदो-कुटकी के प्राप्त नही होने की बात रखी। कलेक्टर श्री मीना ने बीज वितरण के सम्बंध में कृषि विभाग एसएडीओ से वितरण के जानकारी ली। वहीं कृषि उपसंचालक से सीधे बात कर कल ही वितरण कराने के निर्देश दिए है। इसके अलावा सोनगुद्दा क्षेत्र ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। शिविर में प्राप्त आवेदनों के सम्बंध में विभागों को निराकरण की टाइमलाइन भी तय की। शिविर के दौरान आईजी संजय कुमार, एसडीएम अर्पित गुप्ता, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल सहित विभागों अधिकारी मौजूद रहे।

प्रशासन आपके पास आपकी समस्या जानने पहुँचा

शिविर के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने यह भी कहा कि प्रशासन आपके पास आपकी समस्याओ को जानने समझने के लिए पहुँचा है। साथ ही जो शिकायतें प्रशासन के संज्ञान में लायी गयी है, उन सभी शिकायतों को दूर करना ही हमारा लक्ष्य है। आप सभी की समस्याओं के निराकरण ही हमारा दायित्व है। सभी योजनाओँ में सेच्युरेशन लाना है। इस सेच्युरेशन में सभी लाभांवित होंगे। कलेक्टर श्री मीना ने राशिमेटा में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों का डेटा भी रखा।

शिविर में लाभांवित हितग्राहियों की जानकारी

शिविर के दौरान सिक्लिंग 86,मलेरिया टेस्ट 100,ओपीडी 262, चेस्ट एक्सरे 19, आंखो की जांच 20, टीबी स्क्रीनिंग- 74, टीबी मरीजों हेतु पोषण कीट वितरण 02, स्क्रीनिंग 10, पीएम जनमन एमएमयू 25, आभा कार्ड 36, हिमों ग्लोबिन टेस्ट 25, सिकिल टेस्ट 22, सुगर टेस्ट - 4, आधार अपडेशन 52, पीएम एपीवाय 20, आयुष्मान कार्ड 24, पीएम जेजेवाय 05, पीएम जेएसवाय 10, पीएम मातृवंदना 01, लाडली लक्ष्मी 01, सुकन्या समृद्धि योजना 01, पेंशन स्वीकृति 08, समग्र परिवार विभाजन 19, राशन पर्ची- 120, जाति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन प्राप्त 145, बीपीएल हेतु आवेदन प्राप्त 137, विवाह / मृत्यु/जन्म पंजीयन 38, वन अधिकार पट्टे हेतु आवेदन 31, आहार अनुदान हेतु प्राप्त आवेदन 39, समग्र ई-केवायसी - 05, कृषि विभाग द्वारा मक्का बिज वितरण 02 हितग्राही, कलेक्टर महोदय को दिये गए आवेदन की संख्या 369, शिविर में भाग लेने वाली ग्राम पंचायतें दुल्हापुर, डाबरी, दड़कसा, सोनगुड्डा, अडोरी, धुनधुनवार्धा, घुम्मुर लगभग 400 से अधिक हितग्राही शामिल हुए।

नगर वन बनेगा शहर के लिए ऑक्सीजन का केंद्र

कल कल बहते पानी को देख पाएंगे नगरवासी, 101 पौधे का किया गया वृक्षारोपण, ग्रीन इंडिया मिशन अंतर्गत नगर वन की स्थापना का किया गया शुभारंभ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वन विभाग द्वारा शुक्रवार को ग्रीन इंडिया मिशन के अंतर्गत बॉटनिकल गार्डन वनस्पति उद्यान गर्रा में नगर वन की स्थापना का शुभारंभ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि कोरोना काल में हमने पौधों की महता को समझा। ऑक्सीजन की असली महत्ता क्या है। उन्होंने कहा बालाघाट का यह बॉटनिकल गार्डन आज नगर वन के रूप में स्थापित स्थापना किया जा रहा है। जिससे बालाघाट वासी कल कल बहते ,पानी को देख पाएंगे। मां वैनगंगा के दोनों छोर पर वन का जो स्वरूप है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना, ग्रीन इंडिया मिशन और एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से पूरी हो रही है। उन्होंने युवा पीढ़ी से विशेष रूप से कहा कि शिक्षा के साथ-साथ पौधे लगाकर उसका संरक्षण भी करना अनिवार्य है। हमें पर्यावरण के लिए बच्चों को भी प्रेरित करना होगा, कि वह अपने जन्म दिवस या कोई भी अवसरों पर एक पेड़ अवश्य लगाए और इस पर्यावरण संरक्षण के अभियान में अपना योगदान दे। यह हरियाली के लिए एक बहुत अच्छा कदम है। इस वनस्पति उद्यान में औषधि वनस्पति उपलब्ध है और यहां अलग-अलग पर्यावरण संबंधी गतिविधियों के साथ शहर जुड़ेगा। इसके लिए उन्होंने वन विभाग को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया कि यह मनोरंजन दृष्टिकोण और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक बेहतर कदम है। इसमें वर्ल्ड वाचिंग, नेचर ट्रेल और चिल्ड्रन पार्क, योगा स्पेस और सेल्फी प्वाइंट के साथ लोग जुड़ेंगे। जीवन और पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी की एक महत्वपूर्ण कदम है।

शहर के लिए ऑक्सीजन का केंद्र बनेगा नगर वन

कार्यक्रम में विशेष अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ने इस आयोजन के लिए खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नगर वन की स्थापना पर्यावरण की दिशा में एक बेहतर कारगर कदम है। हम खुशनसीब है कि हमारा जिला जो वन संपदाओं से घिरा हुआ है पर्यावरण । हमारे जिले में ऐसे बहुत सारे प्राकृतिक स्पॉट है जिसके भी संरक्षण के लिए ऐसे कदम उठाने की आवश्यकता है पर्यटन की काफी संभावना है और वैनगंगा जी के किनारे यह बालाघाट शहर के लिए एक ऑक्सीजन का केंद्र बनेगा। जिपं अध्यक्ष श्री सरस्वार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि नगर वन की स्थापना पर्यावरण की दिशा में एक बेहतर कारगर कदम है। हम खुशनसीब है कि हमारा जिला जो वन संपदाओं से घिरा हुआ है पर्यावरण। हमारे जिले में ऐसे बहुत सारे प्राकृतिक स्पॉट है जिसके भी संरक्षण के लिए ऐसे कदम उठाने की आवश्यकता है पर्यटन की काफी संभावना है और वैनगंगा जी के किनारे यह बालाघाट शहर के लिए एक ऑक्सीजन का केंद्र बनेगा।

प्रकृति से जुड़ने का अभिनव पहल वृक्षारोपण

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि बालाघाट शहर के लिए यह नगर वन के अभिनव पहल होगी और हर हर आयोजन का कोई ना कोई उद्देश्य होता है। हर ऐसे आयोजनों से सरकार लोगों को जोड़ने का कार्य करती है। हर मौसम में जो आयोजन होते हैं वह कहीं ना कहीं प्रकृति जनमानस लाभ पहुंचाने के लिए और प्रकृति से जोड़ने के लिए अभिनव पहल होती है और शासन भी इस दिशा में अलग-अलग जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों तक जानकारी पहुंचती हैं लोग भी ऐसे अभियान में शामिल जोड़कर और कहीं ऐसे यादगार पलों में उन्होंने कहा उन्होंने कहा कि कोई भी यादगार पलों में हम उपहार के तौर पर निर्जीव चीज ना देते हुए प्रकृति का उपहार देकर पर्यावरण से जुड़े रहने का हम माध्यम बने। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक श्री सुरजीत सिंह ठाकुर जी ने भी उपस्थित जनों को योग किया और योग दिवस में भाग लेने की अपील की।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में रामेश्वर बिसेन अध्यक्ष जिला लघु वन उपज संघ दक्षिण सामान्य बालाघाट, अध्यक्ष जनपद पंचायत कटंगी अर्जुन देशमुख, ग्राम वन समिति ग्राम अध्यक्ष मंसूर खान, सीसीएफ गौरव चौधरी, भारतीय वन सेवा के अधिकारी अधर गुप्ता,श्री अभिनव पल्लव, श्रीमती नेहा श्रीवास्तव, एसडीएम श्री आर . आर. पांडे, सीएमओ नगर पालिका श्री कतरनिया,सहित राज्य वन सेवा एवं वन विभाग के अधिकारी, सहित स्कूली छात्र ,छात्राएं,उपस्थित थे।

पॉली अकादमिक संस्थान की छात्रा नमिका डोंगरे का नवोदय विद्यालय के लिए हुआ चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ। इस परीक्षा में बालाघाट जिले के सरकारी और निजी स्कूलों के कक्षा 8वीं के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। पॉली अकादमिक संस्थान, बिसोनी की कक्षा 8वीं की छात्रा कु. नमिका डोंगरे का चयन इस परीक्षा में हुआ है। नमिका, जो कालीमाटी ग्राम

की निवासी हैं, बचपन से ही मेधावी रही हैं और पहले भी अपनी कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनके पिता संतलाल डोंगरे शासकीय शिक्षक हैं, जबकि माता गृहणी हैं।नमिका के चयन पर पॉली अकादमिक संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि नमिका भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करेंगी। संस्थान के प्रबंधक संजय चौरे, प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भी नमिका को शुभकामनाएं दीं।पॉली अकादमिक संस्थान, जिसे अप्रैल 2025 में सीबीएसई की मान्यता प्राप्त हुई, शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। गत वर्ष 2024-25 में भी संस्थान की छात्रा कु. हुनर भीमटे का नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में कक्षा 9वीं के लिए चयन हुआ था। इस वर्ष नमिका डोंगरे के चयन के साथ यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब संस्थान की छात्रा ने यह उपलब्धि हासिल की है।

रिसेवाड़ा से जामूनटोला मार्ग में गुणवत्ताहीन निर्माण का आरोप

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग, आरईएस, पीएमजीएसवॉय सहित अन्य निर्माण एजेंसी के द्वारा निर्माण कार्य करवाये जा रहे इन्ही निर्माण कार्यो पर गुणवत्ताहीन निर्माण के आरोप ग्रामीण जनों के द्वारा लगाये जा रहे। लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रिसेवाड़ा से जामूनटोला मार्ग लगभग 2 किमी लंबाई जिसकी लागत लगभग 215.69 लाख की लागत से निर्माण कार्य मेसर्स अर्जीव कन्स्ट्रक्शन के द्वारा किया जा रहा है। जिसका कार्य प्रारंभ दिनांक 20 जुलाई 2024 तथा कार्य पूर्णता दिनांक 19 जुलाई 2025 है। निविदाकार के द्वारा उक्त निर्माण कार्य किसी पेटी कान्ट्रेक्टर को दिया गया है जिनके द्वारा कार्य प्रारंभ किया गया है। लेकिन ग्रामीण जनों ने उक्त निर्माण कार्य को लेकर गुणवत्ताहिन निर्माण किये जाने के आरोप लगाये गये है। ठेकेदार के द्वारा जो निर्माण कार्य को लेकर सूचना बोर्ड लगाया गया है उसमें यह अंकित नही किया गया है कि कौनसी रोड़ बन रही है डामरी करण या सीसी रोड़ का निर्माण किया जा रहा है। इसी मार्ग के गुणवत्ता को लेकर ग्रामीण जनों ने सवाल उठाये है। ग्रामीणें को 181 पर शिकायत करनी पड़ी तब जाकर ठेकेदार के द्वारा कुछ हद तक कार्य दुरूस्त किया गया। कुछ दुरी तक जो सीसी रोड़ का निर्माण कार्य नही कि गई है। सीसी रोड़ के निर्माण में भसवा रेत का उपयोग किया गया है जिसके चलते भी ठेकेदार ने किया है उसमें जगह जगह दरारे दिखाई दे रही है। इसके अतिरिक्त तराई भी ठीक तरह से मार्ग जल्द खराब होने की आशंका व्यक्त कि जा रही। दुसरी ओर जिन सड़को को उक्त सड़क जोडती है उन सड़को पर जाने के लिये रैंप नुमा नही बनाया गया है जिसके कारण राहगिरों को तक लिफो का सामना करना पड़ रहा है। कई बार ग्रामीणो ने ठेकेदार को बोला गया है कि मार्ग में चढने के लिये परेशानी होती है इसे जल्द पुरा करे, गाडियॉ दुर्घटना ग्रस्त हो रही है। लेकिन ठेकेदार के

द्वारा साथों साथों काम नही किया जा रहा है। इसके सहित जहां गिट्टी चूरा डारा गया है उसमे रोलर नही चलाये जाने को लेकर भी शिकायत की जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इंजीनियर भी मार्ग निर्माण कार्य को आकर नही देख रहे है। ग्रामीण जन जब शिकायत करते है तब विभाग के अधिकारी आते है। ग्रामीणों ने उक्त निर्माण कार्य कि शिकायत विधायक लांजी से भी की है।

लांजी में ''पद्मेश''

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

25 जून 2025 तक भारत भवन में होंगे वैचारिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम

गौशालाओं को 90 करोड़ देंगे सीएम, शाम को करेंगे सदानीरा समागम का शुभारंभ

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को प्रदेश के गौपालकों एवं गौशाला संचालकों से संवाद करेंगे। वे गौशाला संचालकों के बैंक खातों में लगभग 90 करोड़ रुपए की राशि भी डालेंगे। वहीं शाम को मुख्यमंत्री सदानीरा समागम का शुभारंभ करेंगे। इस आयोजन में जलसंरचनाओं को संरक्षण देने के लिए देशभर से पहली बाद दो सौ से अधिक जानी मानी हस्तियां एकजुट होंगी। सदानीरा में भारत भवन में वैचारिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

गौ-पालक एवं गौ-शाला संचालकों से करेंगे संवाद

मुख्यमंत्री निवास पर गौ-शाला सम्मेलन दोपहर में शुरु होगा। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री लखन पटेल भी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में प्रदेश के सभी जिलों से शासकीय एवं अशासकीय गौ-शाला संचालक एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे.

प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी उमाकांत उमराव ने बताया कि प्रदेश में पंजीकृत गौ-शालाओं में गौवंश के उचित व्यवस्थापन के लिए आर्थिक अनुदान राशि सरकार ने 20 प्रति गौ वंश प्रति दिवस से बढाकर रू. 40 प्रति गौ वंश प्रति दिवस कर दी है। इसके अनुसार गौ-शालाओं में पाले रहे गौ वंश के लिए माह अप्रैल व मई 2025 की अनुदान राशि लगभग 90 करोड़ की किश्त सम्मेलन में जारी की जाएगी। सम्मेलन में आचार्य विद्यासागर जीव दया गौ-सेवा सम्मान योजना के अंतर्गत चयनित गौ-शालाओं एवं संस्थाओं को गौ-सेवा पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे। प्रथम पुरस्कार रुपए 5 लाख, द्वितीय पुरस्कार रुपए 3 लाख, तृतीय पुरस्कार रुपए 02 लाख तथा सांत्वना पुरस्कार 50-50 हजार रुपए के प्रदान किए जाएंगे। गौसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार रुपए 01 लाख, द्वितीय पुरस्कार रुपए 50 हजार एवं तृतीय पुरस्कार रुपए 20 हजार का दिया जाएगा। कामधेनु योजना में डेयरी व्यवसाय के लिए 25 दुधारू पशुओं से लेकर 200 दुधारू पशुओं तक की योजनाएं स्वीकृत हो सकेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए जाएंगे. सम्मेलन में नवीन गौ-शालाओं को पंजीयन प्रमाण पत्र तथा म.प्र.गौ-संवर्धन बोर्ड एवं दयोदय महासंघ के सहयोग से हितग्राहियों को ट्रेक्टर, ट्राली वितरण भी किया जाएगा।

भोपाल में जुटेंगी देशभर की 200 से अधिक प्रमुख हस्तियां

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को शाम 6 बजे भारत भवन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सदानीरा समागम का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। समागम का आरंभ ऋषिकेश पांडे द्वारा निर्देशित लघु फिल्म ह्यसदानीराह्न के लोकार्पण से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीर भारत न्यास, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा मध्यप्रदेश जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों सदानीरा, पृथ्वी पानी का देश है, अमृत जलधारा (चार खंड) व ह्यजल धराह्न का विमोचन भी करेंगे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन, संस्कृति और पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने बताया कि सदानीरा समागम देश में ऐसा अकेला समारोह है जो नदियों, जलस्त्रोतों, जल संरचनाओं को संवर्धित एवं संरक्षित करने के लिए विविध गतिविधियों से भरा है। ऐसा पहली बार हो रहा है जब साहित्य, कला व विज्ञान सहित अनेक माध्यमों के लगभग 200 से अधिक वैज्ञानिक, पुरातत्वविद, साहित्यकार, लेखक, पत्रकार, सिने अभिनेता व नाट्य कलाकार सहभागी बनेंगे। आयोजन में प्रदर्शनी, संगीत, नृत्य, संवाद और साहित्य के माध्यम से नदी और जल जीवन का भाव जागृत किया गया है।

संगठन सृजन अभियान: पीसीसी से बने पर्यवेक्षक भी देंगे रिपोर्ट

प्रभारी हरीश चौधरी ने विभिन्न पैरामीटर्स पर मांगी जानकारी, दिल्ली भेजी जाएगी रिपोर्ट

भोपाल

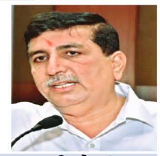

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान में प्रदेश कांग्रेस की ओर से बनाए गए पर्यवेक्षकों को भी अपनी अलग-अलग रिपोर्ट देना होगी। एआईसीसी द्वारा नियुक्त जिलों के पर्यवेक्षकों के अलावा पीसीसी ने हर जिले के लिए तीन पर्यवेक्षक बनाए हैं। इन तीनों को अपनी रिपोर्ट अलग-अलग देना है। यह रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी के जरिए दिल्ली तक जाएगी। कुछ ऑब्जर्वर ने जिलों में जाकर अपना काम पूरा कर लिया है, उन्हें जब जल्द ही यह रिपोर्ट देना है। तीस जून से पहले तक सभी को हर हाल में अपनी विस्तृत रिपोर्ट देना है।

पीसीसी द्वारा बनाए गए पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट में अपने को बेहतर बताने के चलते जिलों के नेता उन्हें साधने में लग गए हैं। जिन्हें जिला अध्यक्ष बनना है, वे अपनी योग्यता इस रिपोर्ट में चाहते हैं और अपना जातिगत समीकरण, साधन-सम्पन्नता, संगठन में प्रभाव दिखाना चाहते हैं, ताकि उन्हें जिले में पार्टी की कमान दिए जाने में दिल्ली को दिक्कत न हो। हालांकि सबसे अहम रिपोर्ट एआईसीसी द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर की मानी जाएगी, इसके बाद भी पीसीसी द्वारा बनाए गए पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट को भी नजर अंदाज नहीं किया जाएगा।

गुटबाजी और हंगामा

संगठन सृजन के तहत जिलों और ब्लॉकों में हो रही बैठकों में हंगामा होने की खबरे लगातार सामने आ रही है। भोपाल में इस बैठक के दौरान जमकर लात घूंसे चले। वहीं सागर जिले के देवरी में हुई बैठक में भी जमकर हंगामा हुआ था। यहां पूर्व विधायक के खिलाफ जमकर नारे लगाए गए। इसके अलावा शिवपुरी जिले की एक बैठक में भी हंगामा हुआ था। इन सब की रिपोर्ट भी एआईसीसी ने चाही है।

दूसरे राउंड पर आएंगे पर्यवेक्षक

अधिकांश पर्यवेक्षकों ने पहले राउंड का काम अपने-अपने जिलों में कर लिया है। अब दूसरा राउंड शुरू होने जा रहा है। दूसरा राउंड पूरा करने के बाद तीस जून तक सभी को लिखित रूप से विस्तारपूर्वक पूरी रिपोर्ट देना हैं।

पुलिस में पिछले 6 महीने में 205 अनुकंपा नियुक्तियां, डीजीपी खुद कर रहे मॉनिटरिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के मुखिया कैलाश मकवाना इन दिनों महकमे के सिस्टम को सुधारने में लगे हुए हैं। इसके साथ ही वे ऐसे पीड़ितों की भी मदद कर रहे हैं, जो लंबे समय से अनुकंपा नियुक्ति चाहते थे। ऐसे ही 205 लोगों को पिछले 6 महीने में अनुकंपा नियुक्ति दी गई। अनुकंपा नियुक्ति की मॉनिटरिंग स्वयं डीजीपी कर रहे हैं।

मकवाना ने डीजीपी बनने के बाद निर्देश दिए थे कि मृतक पुलिसकर्मियों के रिश्तेदारों को यदि वे पात्र हों तो अनुकंपा के आधार पर उनसे नियुक्ति के लिए आवेदन लिया जाए। आवेदन को भी ऐसा लिया जाए, जिसमें कोई गलती न हो। इसके बाद पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर सभी औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया। औपचारिकताएं पूरी होने पर एएसआई, आरक्षक और बाल आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्तियां की गई हैं। दरअसल डीजीपी बनने के बाद मकवाना के पास इस तरह के कई पीड़ित पहुंचे जो अनुकंपा नियुक्ति चाहते थे, लेकिन उन्हें नियुक्ति नहीं मिल पा रही थी। इसके बाद उन्होंने यह सुनिश्चित करवाया कि अनुकंपा नियुक्ति के लिए किसी को भटकना न पड़े। इसके बाद उन्होंने पुराने सभी मामलों की फाइल निकलवाई और देखा कि कौन-कौन इसके लिए पात्र हैं। इसके बाद एक-एक कर 205 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति अब तक दी जा चुकी है।

साभार प्रदेश टूडे

रिश्वत मामले में एसडीओ के खिलाफ लोकायुक्त को नहीं मिल रही अभियोजन की स्वीकृति

भोपाल । सीहोर वन मंडल में पदस्थ एसडीओ एल्विन बर्मन के खिलाफ रिश्वत के जुर्म में विशेष न्यायलय में मुकदमा चलाने की तैयारी लोकायुक्त ने कर ली है। लेकिन वन विभाग के एसीएस अशोक वर्णवाल ने डेढ़ महीने बाद भी अभियोजन की स्वीकृति नहीं दी। चर्चा है कि चूंकि एसडीओ बर्मन की आईएफएस पद के लिए डीपीसी होनी है, इसलिए उसके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। महानिदेशक विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त योगेश देशमुख ने एसीएस वन अशोक वर्णवाल को 2 मई 25 को पत्र लिखा है। लेकिन वन विभाग ने अभी तक अभियोजन की स्वीकृति नहीं भेजी है। सूत्रों का कहना है कि शीर्ष पदस्थ अफसर बर्मन को बचाने की मंशा से अभियोजन की अनुमति देने का मामला लंबित रखना चाहते हैं। यह मामला 2019 का है और तब एल्विन बर्मन इंदौर में एसडीओ के पद पर पदस्थ थे। पांच साल तक जांच किए के बाद ही 12 लाख की रिश्वत मांगने के आरोपी एल्विन बर्मन, तत्कालीन एसडीओ इंदौर एंव अन्य के विरूद्ध अपराध प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाये गये है।

सीएम सख्त, कांग्रेस पार्षद कादरी के ठिकानों पर चलेगा बुल्डोजर!

इंदौर । लव जिहाद के लिए फंडिंग के आरोपों से घिरे कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जानलेवा हमला, डकैती, बलवा, अवैध हथियार, जमीन कब्जा और मारपीट जैसे 19 से ज्यादा संगीन मामलों से कादरी का नाम जुड़ा है। सरकार ने इस मामले में पुलिस को सख्त कार्रवाई की खुली छूट दे रखी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर प्रवास के दौरान यह साफ कहा था कि डकैत हो या डकैत का बाप, हम सभी से निपटना जानते हैं। हमने प्रशासन को निर्देश दिया है कि ऐसे लोगों को खोजिए और जहां मिले, वहीं पकड़िए। अगर हाथ न आए तो फिर जैसे जरूरी हो, वैसी कार्रवाई कीजिए। मुख्यमंत्री डॉ यादव के सख्त तेवर के बाद यह माना जा रहा कि अनवर कादरी के खिलाफ प्रशासन बुल्डोजर एक्शन भी ले सकता है। फिलहाल कादरी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

सड़क-पुल निर्माण सामग्री घटिया या अच्छी, एक साल बाद भी देख सकेंगे

भोपाल

मध्यप्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा बनवाए जाने वाले पुल और बांध के निर्माण में उपयोग की गई सामग्री घटिया है या अच्छी गुणवत्ता की है। सामग्री एक साल तक टिकाऊ है या नहीं है यह देखना अब आसान होगा। सड़क-पुल के निरीक्षण के दौरान लिए गए सड़क और पुल की निर्माण सामग्री के नमूने अब कार्यपालन यंत्री की अभिरक्षा में एक वर्ष के लिए सुरक्षित रखे जाएंगे ताकि सड़क और पुल के घटिया निर्माण के कारण होंने वाले नुकसान के समय यह देखा जा सकेगा कि निर्माण सामग्री कैसी है। वहीं लैब की जांच पर ठेकेदार सवाल खड़े करता है तो दूसरी लैब में भी उसे जांचा जा सकेगा।

एक साल तक सुरक्षित रहेंगे सड़क और पुलों की निर्माण सामग्री के नमूने

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता केपीएस राणा ने लोक निर्माण विभाग के सड़क और पुल से जुड़े सभी मुख्य अभियंता, सभी अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्रियों को निर्देश जारी कर प्रदेशभर में सड़कों और पुलों के रेंडम निरीक्षण करने और निरीक्षण के दौरान सड़कों और पुलों में उपयोग की गई सामग्री के दो-दो नमूने लेने के निर्देश दिए है। निरीक्षण के दौरान लिए गए निर्माण सामग्री के नमूनों में से एक नमूने को लैब में भेजकर तत्काल परीक्षण किया जाएगा और दूसरे नमूने को लैब में भेजकर तत्काल परीक्षण कराने के निर्देश दिए है ताकि उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता का तत्काल परीक्षण किया जा सके। निरीक्षण के दौरान लिए गए दूसरे नमूने को कार्यपालन यंत्री की अभिरक्षा में में एक वर्ष के लिए सुरक्षित रखा जाएगा ताकि यदि किसी सड़क या पुल के एक साल की अवधि में क्षतिग्रस्त होने पर दोबारा उस निर्माण सामग्री के टिकाऊपन की जांच करना हो तो उस निर्माण को करने वाले ठेकेदार की उपस्थिति में ही पुनः परीक्षपण या लैब परीक्षण की गुणवत्ता जांचने के लिए रेंडम आधार पर अन्य प्रयोगशाला में भेजा जा सकेगा।

युवा कांग्रेस: आज से वोटिंग शुरू, एक सदस्य दे सकेगा 6 पद के लिए वोट

भोपाल। प्रदेश युवा कांग्रेस के लिए वोटिंग शुक्रवार से शुरू हो गई है। सदस्यता अभियान के साथ ही वोटिंग भी होगी। युवा कांग्रेस का सदस्य बनते ही उसे 6 वोट भी देना होंगे। ब्लॉक अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक के लिए वोट दिए जाएंगे। वोटिंग और सदस्यता 19 जुलाई तक सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतिदिन चलेगी। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के लिए 18 उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं महासचिव के 48 पदों के लिए 182 उम्मीदवार मैदान में हैं। हर सदस्य अपने ब्लॉक के अध्यक्ष के अलावा, विधानसभा अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महासचिव के लिए वोट कर सकेगा।

चुनाव आयुक्त के सामने हंगामा

चुनाव प्रक्रिया शुरू होते ही युवा कांग्रेस के चुनाव आयुक्त सैयद नासिर हुसैन और प्रदेश चुनाव अधिकारी मुकुल गुप्ता के प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचते ही यहां पर हंगामा हो गया। दोनों नेता शुक्रवार को पत्रकार वार्ता करने के लिए पीसीसी पहुंचे थे। इस दौरान भोपाल जिला अध्यक्ष के लिए आवेदन कर चुके एक युवा नेता ने कहा कि उनके नाम पर आपत्ति की गई थी, लेकिन उस आपत्ति का अब तक निराकरण नहीं किया गया। इस पर चुनाव आयुक्त ने दो दिन का आश्वासन दिया, जिस पर युवा नेता और उनके समर्थकों ने हंगामा कर दिया, उनका आरोप था कि चुनाव में उनके समर्थकों को वोटिंग के लिए दो दिन कम मिलेंगे, ऐसे में निष्पक्ष चुनाव कैसे हो सकते हैं।

डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी का 33वां दीक्षांत समारोह

स्वामी रामभद्राचार्य को डी लिट की उपाधि, मंत्री गडकरी वर्चुअली शामिल

सागर

सागर के डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 33वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर समारोह में संपन्न हुआ। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित दीक्षांत समारोह में पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्रा चार्य को मानद डी लिट् की उपाधि प्रदान की गई। स्वामी रामभद्राचार्य को यह उपाधि उनके शिक्षा, साहित्य और आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दी गई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। पहले दीक्षांत समारोह में मंत्री नितिन गडकरी को शामिल होना था लेकिन खराब मौसम के कारण उनके सागर दौरे में बदलाव हुआ है। इसके बाद वे कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में स्वामी रामभद्राचार्य के अलावा 957 छात्र-छात्राओं को भी उपाधि की गई। इनमें पीजी के 426, यूजी के 482 और पीएचडी के 49 विद्यार्थी शामिल हैं। समारोह में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल ने समारोह की अध्यक्षता की जबकि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

तीन भवनों का लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के मौके पर विश्वविद्यालय के तीन नवीन भवन आचार्य सुश्रुत भवन, आचार्य पीसीरे भवन और स्वदेशी भवन का लोकार्पण किया गया। दीक्षांत समारोह के आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए विवि सुरक्षा विभाग और जिला पुलिस प्रशासन को भी दिशा-निर्देश दिए गए थे।

बुंदेली संस्कृति की दिखी झलक

आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि कि 1225 विद्यार्थियों ने समारोह के लिए पंजीयन कराया है। जिनमें से 957 छात्र-छात्राएं उपाधि प्रदान की गई। सभी विद्यार्थी बुंदेली सतरंगी पगड़ी, स्टोल और निर्धारित ड्रेस कोड (छात्र-सफेद कुर्ता और पायजामा, छात्राएं-सफेद सलवार और कुर्ता) में अपनी उपाधि ग्रहण करने पहुंचे।

आर्थिक तौर पर कमजोर परिवार के बच्चों को दे रहे स्विमिंग की ट्रेनिंग

उज्जैन में तैराकी सीख रहे बच्चे सिंहस्थ में बनेंगे रक्षक

उज्जैन

उज्जैन के दत्त अखाड़ा घाट पर मां शिप्रा तैराक दल 50 से ज्यादा बच्चों को तैराकी के गुर सिखा रहा हैं। इन बच्चों की पीठ पर डिब्बा बांधकर उन्हें तैराकी के साथ-साथ डूबती जिंदगियों को बचाने की कला भी सिखाई जा रही है। ये बच्चे आगामी सिंहस्थ कुम्भ में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं को शिप्रा नदी में डुबकी लगाते समय सुरक्षा देंगे। पिछले नौ सालों से शिप्रा तैराक दल रामघाट स्थित शिप्रा नदी में ग्रीष्मकालीन तैराकी शिविर आयोजित किया कर रहा है। यहां 7 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को तैराकी सिखाई जाती है, खासकर उन बच्चों को जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है और जो स्विमिंग पूल की फीस नहीं दे सकते।

शिप्रा नदी के किनारे स्थित दत्त अखाड़ा घाट पर हर दिन सुबह 7 से 9 बजे तक शिप्रा तैराक दल के संतोष सोलंकी बच्चों को देसी स्विमिंग पूल यानी शिप्रा नदी में तैराकी का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वे बच्चों की पीठ पर डिब्बा बांधकर देशी तकनीक से उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हैं और नदी के बीच में तैरने के साथ-साथ डूबते लोगों को बचाने का कौशल भी सिखाते हैं।

सिंहस्थ कुम्भ में बनेंगे रक्षक

अब तक सैकड़ों लोगों की डूबती जान बचा चुके संतोष सोलंकी का मानना है कि हर साल कई बच्चों को तैराकी का प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाता है। लेकिन इस बार जिन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वे सभी बच्चे आगामी सिंहस्थ कुम्भ के दौरान घाटों पर तैनात रहकर लोगों की जान बचाने का कार्य करेंगे।

गिल-जायसवाल ने हेडिंग्ले टेस्ट के पहले दिन शतक लगाए

पंत फिफ्टी बनाकर नाबाद लौटे, पहली पारी में भारत का स्कोर 351/3

लंदन। भारतीय टीम ने तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत शुरुआत की है। टीम ने शुक्रवार को मुकाबले के पहले दिन पहली पारी में 3 विकेट पर 351 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल 127 और ऋषभ पंत 57 रन पर नाबाद लौटे। दोनों 138 रन की नाबाद साझेदारी कर चुके हैं। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 91 रन की साझेदारी करके भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स ने लंच ब्रेक से पहले दो विकेट लेकर सेशन में इंग्लैंड की वापसी कराई। यहां केएल राहुल 42 और डेब्यू मैच खेल रहे साई सुदर्शन शून्य पर आउट हुए। यहां से जायसवाल और गिल ने दूसरे सेशन में 123 रन बनाए और विकेट भी नहीं गंवाया। दिन के आखिरी सेशन में यशस्वी जायसवाल 101 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें बेन स्टोक्स ने बोल्ड किया। जायसवाल ने इंग्लैंड में अपने पहले टेस्ट में शतक लगाया। वे ऐसा करने वाले 5वें भारतीय बैटर बने। यहां से कप्तान गिल ने ऋषभ पंत के साथ शतकीय साझेदारी करके भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। गिल ने बतौर कप्तान पहले मैच में शतक लगाया। वे ऐसा करने वाले 5वें भारतीय बैटर बने।

इंग्लैंड में पहले टेस्ट में शतक बनाने वाले भारतीय बैटर्स

रन	बैटर्स	मैदान	साल
146	मुरली विजय	ट्रेंटब्रिज	2014
133	विजय मांजरेक	हेडिंग्ले	1952
131	सौरव गांगुली	लॉर्ड्स	1996
129*	संदीप पाटिल	ओल्ड ट्रेफर्ड	1982
100*	यशस्वी जायसवाल	हेडिंग्ले	2025

बतौर कप्तान अपने पहले मैच में शतक लगाने वाले भारतीय

प्लेयर	स्कोर	खिलाफ	जगह	साल
विजय हजारे	164*	इंग्लैंड	दिल्ली	1951
सुनील गावस्कर	116	न्यूजीलैंड	ऑकलैंड	1976
दिलीप वेंगसरकर	102	वेस्टइंडीज	दिल्ली	1987
विराट कोहली	115	ऑस्ट्रेलिया	एडिलेड	2014
शुभमन गिल	127*	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	2025

वापसी से खुश करुण बोले, राष्ट्रीय टीम से खेलने के जुनून से प्रेरित रहा

राहुल और कृष्णा की मौजूदगी से सहज रहने में सहायता मिली

लीड्स। आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी पर बल्लेबाज करुण नायर बेहद खुश हैं। करुण ने कहा कि राष्ट्रीय टीम से खेलने क लिए प्रतिबद्ध होने के कारण ही वह वापसी करने में सफल रहे हैं। साथ ही कहा कि ड्रेसिंग रूम में बचपन के साथी केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा की मौजूदगी से उन्हें सहज रहने में सहायता मिली। अब वह आठ साल बाद मिले अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहते हैं।

इस बल्लेबाज ने एक वीडियो में कहा, "मैं चीजों को बहुत सरल बनाए रखने की कोशिश करता हूं, हमेशा सकारात्मक चीजों के बारे में सोचता हूं, मन में कुछ लक्ष्य रखता हूं, चीजों की कल्पना करता हूं और जो कल्पना करता हूं उस पर पूरा विश्वास रखता हूं।" उन्होंने कहा, "राहुल और कृष्णा के साथ खेलना भी बहुत सुकून देने वाला है। हम बचपन से एक दूसरे के साथ खेलते रहे हैं।" करुण और राहुल दोनों की उम्र 33 साल है। वे एक साथ आयु वर्ग क्रिकेट खेल चुके हैं और तब से घनिष्ठ मित्र हैं। उन्होंने कहा, "जीवन अपना एक चक्र पूरा कर चुका है, क्योंकि मैं इंग्लैंड में टीम से बाहर हो गया था और अब मैं इंग्लैंड में टीम में वापसी कर रहा हूं। मैं लंबे समय तक टीम से बाहर रहा और इसे मैं स्वीकार करता हूं।" उन्हें 2017 में भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। नायर ने कहा, "टीम से बाहर होने के बाद जब मैं अगली सुबह उठा तो मेरे मन में पहला विचार यही आया कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं। शायद यही बात मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही। मुझमें भूख बनी रही और यही बात मुझे प्रतिदिन अभ्यास करने के लिए प्रेरित करती रही।"

हेडन और स्मिथ बोले, भारतीय टीम के लिए संघर्षपूर्ण रहेगी सीरीज

लीड्स। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का मानना ?है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी भारतीय टीम को

खलेगी। इन दोनो का ही मानना है कि नये बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। हेडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ेगा। शुभमन एक युवा कप्तान हैं जिनकी टीम पूरी तरह से विपरीत माहौल में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और उछाल वाली पिचों पर खेल रही है। यह एक असल चुनौती होगी। भारतीय टीम के लिए यह दौरा एक प्रकार से बेहद कठिन परीक्षा होगा। वह इसलिए क्योंकि जब भी कोई टीम इंग्लैंड के दौरे पर आती है तो उसके लिए हालात अलग होते हैं। । इसलिए मेरा माना है सीरीज में इंग्लैंड की टीम जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के हालातों में बुमराह पर अधिक बोझ पड़ेगा। स्मिथ ने कहा, 'इंग्लैंड अपने घरेलू मैदानों पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करता है। वे हालातों को समझते हैं और उसका सर्वश्रेष्ठ लाभ उठाते हैं। मुझे लगता है कि शुभमन और उनकी टीम के लिए यह दौरा एक कठिन चुनौती साबित होगा, क्योंकि भारतीय टीम के पास अनुभव की कमी है।

टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल से अधिक महत्वपूर्व-शुभमन

लीड्स । भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल खिताब जीतने से कहीं बड़ी उपलब्धि है। इसलिए उनके टीम का लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट सीरीज में जीत के लिए अधिक अवसर नहीं मिलते हैं क्योंकि अधिक दौरे नहीं होते हैं। वहीं आईपीएल हर साल होता है और जीत हासिल करने का अवसर रहता है , इसलिए टेस्ट सीरीज सबसे महित्वपूर्व है और वह भी इइंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में हो तो उससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्हें इंग्लैंड में लाल गेंद से खेलने का अनुभवी अधिक नहीं है पर वह चिन्तित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कई लोग कहते हैं कि आपकी टीम के पास उतना अनुभव नहीं है पर अच्छी बात यह है कि हम पर अपेक्षाओं का उतना बोझ नहीं होगा क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी इंग्लैंड में खेले नहीं है। इससे वह निडर होकर खेलेंगे । गिल ने कहा, 'पिछले पांच से दस साल में हमारे सीनियर्स से हमें जो हासिल हुआ है वह यही है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं। हम उसी आत्मविश्वास के साथ खेलने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका और मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि कोहली के संन्यास के बाद उन्हें ही चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। कप्तान ने कहा है कि वह सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं जिससे खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो टेस्ट सीरीजऔर डब्ल्यूटीसी चक्र में हम सफल रहेंगे। उन्होंने का कि खिलाड़ियों से सीधे संवाद की जरूरत है कि जिससे पता चले कि क्या चाहते हैं । उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए। गिल ने यह भी कहा कि आईपीएल के दौरान उन्होंने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए विराट और रोहित से सलाह ली थी। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल के दौरान दोनों से मिला और उन्होंने इंग्लैंड के अपने अनुभवों के बारे में बताया था।

मेसी के गोल से इंटर मियामी जीती

अटलांटा। लियोनेल मेसी के गोल से इंटर मियामी ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में यूरोपीय चैंपियन पोर्टो को 2-1 से हरा दिया। इस मैच में मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्री किक पर गोल किया। वहीं पोर्टो क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू में ही पेनल्टी किक मिली जिसपर सामू ओमोरोदियन ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलायी किया। इससे इस मैच में इंटर मियामी की टीम हाफ टाइम तक 1-0 से पीछे थी पर टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के बनाये एक मूव पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मेसी ने फ्री किक पर एक गोल दागकर अपनी टीम कीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। ये बढ़त अंत तक कायम रही। इससे पहले इन दोनों टीमों का ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित रहा था।

करुण और जितेश विदर्भ टीम छोड़ेगे, बड़ौदा और कर्नाटक से खेलेंगे

नई दिल्ली। करुण नायर और जितेश शर्मा रणजी ट्रॉफी के अगले सत्र में विदर्भ की जगह किसी और टीम से खेलते नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो ये विदर्भ की टीम के लिए करारा झटका होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार करुण और जितेश ने विदर्भ से अलग होना तय किया है। जितेश जहां बड़ौदा जा रहे हैं।

वहीं कृष्णा कर्नाटक से खेलने की योजना बना रहे हैं। पिछले सीजन में विदर्भ की जीत में इन दोनो की अहम भूमिका थी, ऐसे में इनका जाना टीम के लिए नुकसानदेह रहेगा। विदर्भ की टीम रणजी ट्रॉफी में चैंपियन, विजय हजारे ट्रॉफी में उपविजेता और 2024-25 टूर्नामेंट में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) में क्वार्टर तक पहुंची थी। करुण ने अबतक रणजी ट्रॉफी में 863 रन जबकि विजय हजारे ट्रॉफी में 779 रन बनाये हैं। उन्होंने 2023-24 सत्र से पहले अपने गृह राज्य को छोड़ दिया था पर अब वह व्यक्तिगत और पारिवारिक कारणों से कर्नाटक लौट रहे हैं। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ का भी कहना है कि करुण उनकी टीम से खेल सकते हैं। करुण ने पिछले सीजन में विजय हजारे में विदर्भ की ओर से खेला था। दूसरी ओर जितेश का बड़ौदा जाना तय है। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के अनुसर उनके ट्रांसफर की प्रक्रिया एक से दो दिन में पूरी हो जाएगी। जितेश ने एसएमएटी प्रतियोगिता में विदर्भ की कप्तानी की थी। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में नहीं खेला। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की विजेता टीम का हिस्सा भी हैं। बीसीए अधिकारियों का कहना है कि जितेश राज्य की टीम के लिए लाल गेंद और सफेद गेंद दोनों फॉर्मेट में खेलेंगे।

बुमराह को नया रिकार्ड बनाने चाहिये दो विकेट

लंदन। इंग्लैंड के साथ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के पहले ही टेस्ट में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एक नया विश्व रिकार्ड बनाएंगे। बुमराह इसी के साथ ही में सेना देशों दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी वह दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं इस सूची में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम नंबर एक पर हैं। अकरम ने अपने टेस्ट करियर में सेना देशों में खेले 32 मैचों की 55 पारियों में 24.11 की औसत के साथ 146 विकेट लिए थे। वहीं जसप्रीत बुमराह 145 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने इन देशों में अभी तक 31 मैच खेलकर 21.02 की औसत से ये विकेट लिए हैं। अगर वह पहले टेस्ट में ही 2 विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो वह सेना देशों में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। सेना देशों में अकरम ने 146 विकेट लिए थे। वहीं बुमराह के नाम 145 विकेट हैं जबकि तीसरे स्थान पर रहे अनिल कुंबले के नाम 141 व चौथे स्थान पर रहे इशांत शर्मा के नाम 130 विकेट हैं जबकि मो शमी के नाम 123 विकेट हैं।

मैं कप्तान होता तो ऋषभ से परिपक्वता से बल्लेबाजी करने कहता-सचिन

मुम्बई। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत का प्रदर्शन इससे पहले के ऑस्ट्रेलिया दौरे में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अब ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ आज से शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की सीख याद करनी चाहिये। सचिन ने ऑस्ट्रेलिया में ऋषभ के लापरवाही से खेले गये शॉट को लेकर कहा था कि अगर वह कप्तान होते तो उनसे परिपक्वता के साथ बल्लेबाजी करने को कहते क्योंकि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के दौरान कभी-कभी अपना विकेट भी फेंक देते हैं, जो प्रशंसकों के साथ ही दिग्गज क्रिकेटरों को भी पसंद नहीं है। वहीं विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के कारण अब उनकी जिम्मेदारी बढ़ गयी है। ऐसें में उन्हें जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी चाहिये। वह कई बार लापरवाही से शॉट लगाकर आउट हुए हैं। अब उपकप्तान के तौर पर भी उन्हें हालात के अनुसार खेलना होगा। सचिन ने हालांकि कहा कि वह उन्हें अपनी स्वाभाविक शैली को छोड़ने को को नहीं कहेंगे, बस दबाव वाली स्थितियों में ज्यादा संयम बरतने को कहेंगे। तेंदुलकर ने कहा, 'उसे ज्यादातर समय अपने स्वाभाविक खेल पर चलना चाहिए पर कभी-कभी हालात ऐसे होंगे जब उन्हें टीम के हित में अपने खेल में संयम दिखाना होगा।' सचिन ने कहा, उसे लचीलापन दिखाना होगा। अगर हालात ऐसे हों कि आप मैच बचाना चाहते हैं तब उसे रक्षात्मक रुख अपनाना होगा, जैसे एक घंटे तक के लिए या 45 मिनट के लिए या कभी-कभी दो घंटे के लिए। उस दौरान उसे बस अपने जोखिम वाले शॉट्स से बचना होगा और आक्रामक नहीं होना होगा। वह सकारात्मक रहे पर हालात के हिसाब से शॉट का चयन करे। तेंदुलकर ने यह भी बताया कि अगर वह कप्तान होते तो ऋषभ से किस प्रकार पेश आते। उन्होंने कहा कि वह उसे अपनी आक्रामक शैली के साथ आजादी से खेलने को कहते पर जब भी टीम को मैच बचाने की जरूरत होती तब वह उससे जिम्मेदारी से खेलने को कहते। इस प्रकार उसे अपने रुख में थोड़ा सा ही बदलाव करना होगा।

विराट के नहीं होने से घटेगा सीरीज का आकर्षण - स्टोक्स

लीड्स। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स इस बात से निराश है कि इस इस बार उन्हें विराट कोहली के खिलाफ खेलने का अवसर नहीं मिल रहा। स्टोक्स के अनुसार विराट जैसे विरोधी का

सामना नहीं करना निराशाजनक होता है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज का आकर्षण भी कम हुआ है। स्टोक्स के अनुसार उनके नहीं रहने से भारतीय टीम में भी जीतने का जुनून कम होगा। कोहली ने आईपीएल के बाद ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक वीडियो में स्टोक्स ने बताया कि कोहली के संन्यास से भारत को किस चीज की कमी खलेगी।

लाबुशेन वेस्टइंडीज दौर में असफल रहे तो एशेज सीरीज के लिए टीम से बाहर होंगे-गिलेस्पी

मेलबर्न। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा है कि बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के लिए वेस्टइंडीज दौरा अपनी जगह बचाने का अंतिम अवसर है। गिलेस्पी के अनुसार अगर लाबुशेन इस दौरे में रन नहीं बना पाये तो वह एशेज सीरीज के लिए टीम से बाहर हो जाएंगे। पिछले कुछ समय से वह लगातार रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिससे टीम में उनकी जगह खतरे में पड़ गयी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में भी वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे। वह 2023-25 ??के अपने चक्र की 20 पारियों में 974 रन ही बना पाये हैं जिसमें 38 पारियों में एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ ही 27.82 का खराब औसत रहा। लाबुशेन ने अपना अंतिम टेस्ट शतक जुलाई 2023 में एशेज के दौरान मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ लगाया था। तबब से, उन्होंने 16 टेस्ट में 24.74 की औसत से ही रन बनाए हैं,

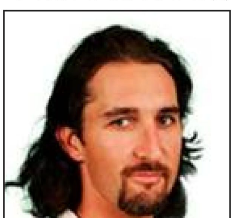

उन्होंने 30 पारियों में 668 रन और 7 अर्द्धशतक लगाये हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, यह एक मुश्किल सवाल है। पिछले दो साल में उनका औसत 20 के बीच रहा है, और उन्होंने केवल एक शतक लगाया है। अगर वह वेस्टइंडीज में खेलते हैं, तो मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से आखिरी अवसर है, इसमें कोई संदेह नहीं है। मुझे लगता है कि अगर वह बेहतर प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि उन्हें एशेज में खेलने का अवसर नहीं मिलेगा। वहीं टीम में बल्लेबाजी क्रम को लेकर गिलेस्पी ने कहा, मुझे पता है कि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर बेहतर खेलते है और मुझे लगता है कि ट्रैविस हेड की सर्वश्रेष्ठ स्थिति पांचवें नंबर पर है। मुझे लगता है कि वे लोग काफी हद तक तैयार हैं। इसलिए चयनकर्ताओं को यह तय करना होगा क्या जोस इंग्लिस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए एक अच्छे विकल्प हैं, या मार्नस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं?

गिलक्रिस्ट बोले, यशस्वी है भविष्य का सितारा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए हुए भविष्य का सितारा बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में यशस्वी के शतक और मिचेल स्टार्क के साथ उनकी झड़प को लेकर गिलक्रिस्ट ने कहा कि इस प्रकार की बातें होती रहती हैं। वह घटना बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की थी थी। जिसमें यशस्वी ने स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर उनपर टिप्पणी कर दी थी, तुम बहुत धीमी गेंद फेंक रहे। उस टेस्ट में दोनों के बीच हल्की-फुल्की बहस हुई थी। यशस्वी ने उस पारी में शतक लगाया था। वहीं अगले ही टेस्ट में स्टार्क ने जायसवाल को शून्य पर ही पेवेलियन भेजे दिया था। गिलक्रिस्ट ने पर्थ टेस्ट और यशस्वी को लेकर कहा कहा, यह उसका (जायसवाल) दिन था। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर शानदार प्रदर्शन किया था।

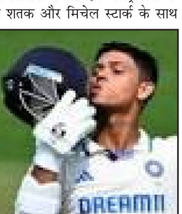

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025

'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग'

'Yoga for One Earth-One Health'

"योग संगम"

सामूहिक योग अभ्यास कार्यक्रम

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

द्वारा उद्बोधन (वर्चुअल माध्यम से)

प्रातः 6:00 बजे | अटल पथ, तात्या टोपे नगर, भोपाल

खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पर **राष्ट्रीय मंथन कार्यशाला**

वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला के **आधुनिक तारामंडल का लोकार्पण**

दोपहर 12:00 बजे | डोंगला, उज्जैन

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

21 जून, 2025

"भारत की प्राचीनतम विद्या 'योग' निरोगी शरीर, उत्तम स्वास्थ्य और ऊर्जा प्राप्ति का अक्षय स्रोत है। हम भारत के प्राचीन ज्ञान की विरासत, जिसने भारत को हजारों वर्षों से समृद्ध बनाये रखा है, उसे न केवल संरक्षित करने बल्कि उसके वैज्ञानिक पक्ष को आधुनिक दृष्टिकोण से परिभाषित किये जाने के प्रतिबद्ध प्रयास कर रहे हैं।"

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D11049/25

- मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल के तहत अपनी तरह की पहली कार्यशाला में 200 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्य सम्मिलित होकर करेंगे खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पर मंथन
- डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में बनकर तैयार हुए आधुनिक तारामंडल में सौर मंडल के दृश्यों का अवलोकन किया जा सकेगा
- इस तारामंडल के माध्यम से खगोलीय घटनाओं की जानकारी का रुचिकर प्रदर्शन लोगों को खगोल विषय के ज्ञान से परिचित करायेगा
- योग शिविर, शून्य छाया अवलोकन, साइंस शो, स्टेम वर्कशॉप का आयोजन

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

पीजी कॉलेज में एलएलबी एडमिशन को लेकर एनएसयूआई ने मचाया जमकर हंगामा

कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर सौपा ज्ञापन, विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किए जाने का लगाया आरोप, मांग पूरी न होने पर तालाबंदी की भी दी चेतावनी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। नगर के पीजी कॉलेज में एलएलबी संकाय में प्रवेश देने को लेकर शुक्रवार को छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा।जिन्होंने एनएसयूआई छात्र संगठन जिला प्रभारी ऋषभ सहारे के नेतृत्व में पीजी कॉलेज के नाम से एलएलबी संकाय में एडमिशन के लिए जमकर हंगामा मचाते हुए, कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तो वहीं उन्होंने कालेज प्रबंधन पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किए जाने का आरोप लगाते हुए विधि महाविद्यालय की जगह पीजी कॉलेज के विधि संकाय में विद्यार्थियों को एडमिशन दिए जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौपा है। जहां कॉलेज प्रबंधन को सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर एनएसयूआई के बैनर तले कॉलेज में आंदोलन कर तालाबंदी किए जाने की भी चेतावनी दी है।

कालेज गेट पर चढ़कर की नारेबाजी, जताया विरोध

बताया गया कि एलएलबी की पढ़ाई करने की सोच रहे ज्यादातर छात्र- छात्राएं पीजी कॉलेज में एडमिशन दिए जाने की मांग कर रहे हैं। तो वही कॉलेज प्रबंधन द्वारा पीजी कॉलेज की जगह उन्हें बिना मान्यता वाले विधि महाविद्यालय के नाम से एडमिशन दिए जाने की बात कही जा रही है। इसको लेकर विद्यार्थी भ्रम की स्थिति में है।इस मुद्दे पर छात्र संगठन एनएसयूआई ने शुक्रवार को कॉलेज परिसर में जमकर हंगामा मचाते हुए कॉलेज के गेट पर चढ़कर जमकर नारेबाजी की। एनएसयूआई पदाधिकारियो का आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा जिस विधि महाविद्यालय के विधि संकाय में बच्चों का प्रवेश कराए जाने की बात कही जा रही है उस विधि महाविद्यालय को बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया से मान्यता नहीं है। लेकिन कॉलेज की ऑफीशियली वेबसाइट पर विधि महाविद्यालय के नाम से एलएलबी में 120 सीट रिक्त दिखाई जा रही है। जबकि पीजी कॉलेज के नाम से वर्ष 2028 तक का शुल्क महाविद्यालय ने जमा किया हुआ है वही पीजी महाविद्यालय को बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया से मान्यता भी है। बावजूद इसके भी कॉलेज की ऑफीशियली वेबसाइट पर पीजी महाविद्यालय में विधि संकाय की एक भी सीट नहीं दिख रही है ऐसे में छात्र-छात्राएं व छात्र संगठन काफी आक्रोशित हैं। जिन्होंने इस भ्रम की स्थिति को दूर करने और बिना मान्यता वाले विधि महाविद्यालय से मिलने वाली मार्कशीट से भविष्य में कोई परेशानी ना आने की बात लिखित में दिए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने अपनी इसी मांग को लेकर कॉलेज में हंगामा मचाते हुए एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने मांग पूरी न होने पर एनएसयूआई के बैनर तले कॉलेज में तालाबंदी किए जाने की चेतावनी दी है।

छात्रवृत्ति न मिलने और कॉलेज बिल्डिंग को लेकर भी उठाए सवाल

इस आंदोलन के दौरान एनएसयूआई छात्र नेता शुमेद बंसोड़ और शिवम शर्मा ने ग्राम डोंगरिया में विधि विद्यालय की बिल्डिंग न बनने को लेकर भी सवाल उठाए हैं। पदाधिकारियो का आरोप है कि अब तक विधि महाविद्यालय के नाम से बिल्डिंग भी बनकर तैयार नहीं हुई है तो फिर विधि महाविद्यालय के नाम से एडमिशन कैसे लिया जा रहा है। तो वही छात्रों द्वारा छात्रवृत्ति ना मिलने को लेकर भी अपना आक्रोश व्यक्त किया गया। छात्र संगठन का आरोप है कि एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को सरकार द्वारा छात्रवृत्ति भी नहीं दी जा रही है। सरकार के पास वोट बैंक बनाने के लिए इधर उधर पैसा खर्च कर रही है। सरकार के पास लाडली बहना के लिए पैसे हैं।लेकिन विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति के लिए सरकार के पास पैसे नहीं है।ऐसी दोहरी नीति सरकार द्वारा चलाई जा रही है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो छात्र संगठन द्वारा बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

तो कानून हाथ मे लेकर कालेज में करेंगे तालाबंदी- ऋषभ

चर्चा के दौरान एनएसयूआई जिला प्रभारी एंव छात्र नेता ऋषभ सहारे ने बताया कि उनके द्वारा एलएलबी विषय का मुद्दा उठाया गया है। अलग-अलग किस्तों में 21 लाख रु बार काउंसलिंग ऑफ इंडिया को दिए जा चुके हैं।जहां से वर्ष 2028 तक की मान्यता पीजी कॉलेज को मिली हुई है। जब कॉलेज को 2028 तक की मान्यता है तो फिर पीजी कॉलेज में एलएलबी संकाय बंद क्यों किया जा रहा है। उन्होंने बताया की विधि महाविद्यालय में विधि संकाय की क्लास लगाने की बात कही जा रही है जबकि उसकी बिल्डिंग भी अभी तक नहीं बनी है और यदि पीजी कॉलेज में ही उसकी क्लास लगेगी तो फिर पीजी कॉलेज के नाम से ही एडमिशन क्यों नहीं दिया जा रहा है।उन्होंने बताया कि हमें बिना मान्यता वाले विधि महाविद्यालय के नाम से मार्कशीट मिलेगी तो ऐसे में उस मार्कशीट का क्या मूल्य रहेगा। यदि कॉलेज प्रबंधन हमें लिखित में दे दे कि उस मार्कशीट से भविष्य में कोई दिक्कत नहीं आएगी तो हम वहां भी एडमिशन कराने के लिए तैयार हैं।अगर लिखित में जवाब नहीं मिलता तो विधि महाविद्यालय में एडमिशन नहीं करेंगे। आज हमने इसी मांग को लेकर ज्ञापन सौपा है।यदि जल्द से जल्द से मांग पूरी नहीं होती तो हम कानून को हाथ में लेने से भी पीछे नहीं हटेंगे। चाहे हमारे ऊपर एफआईआर दर्ज क्यों ना हो जाए।हम आने वाले दिनों में कॉलेज में आंदोलन कर तालाबंदी कर देंगे।

महाविद्यालय प्राचार्य अशोक कुमार मराठे ने बताया कि शासकीय विधि महाविद्यालय की मान्यता को लेकर प्रक्रिया प्रारंभ है। उन्होंने बताया कि जब तक विधि महाविद्यालय का भवन नहीं बन जाता है, तब तक, महाविद्यालय में ही कक्षाएं संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह सभी प्रक्रिया शासन स्तर पर ही की जा रही है, शासन स्तर पर विधि संकाय के प्राध्यापकों की भर्ती भी, विधि महाविद्यालय के नाम से हो रही है। हम विद्यार्थियों का अहित नहीं चाहते है, लेकिन विद्यार्थियों को समझना होगा कि उनके लिए सारी प्रक्रिया की जा रही है।

घर के अंदर सो रहे एक व्यक्ति की गले में धारदार हथियार से वार कर हत्या

हट्टा थाने के गांव रतनारा की घटना, शराब पीने का आदी था जय किशोर दमाहे, मर्ग कायम कर जांच में जुटी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रतनारा में एक व्यक्ति की उसी के घर के अंदर हत्या कर दी गई। 18 एवं 19 जून की दरमियानी रात यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर के अंदर अकेला था।हट्टा पुलिस ने मृतक जयकिशोर पिता शोभाराम दमाहे 36 वर्ष का शव उसके घर से बरामद किए और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जय किशोर दमाहे मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी रेखा दमाहे और चार बच्चे हैं। जय किशोर दमाहे के पास में ही उसके भाई नंदकिशोर दमाहे भी अपने परिवार के साथ रहते हैं। बताया की जय किशोर दमाहे दारु पीने का आदि था और सुबह-शाम दारू पीता था और अपने पत्नी बच्चों से लड़ाई झगड़ा करते रहता था। 18 जून की रात 11:30 बजे करीब जय किशोर दमाहे शराब पीकर घर आया और अपनी पत्नी बच्चों से लड़ाई झगड़ा किया। जय किशोर दमाहे के इस हरकत से परेशान होकर उसकी पत्नी रेखा दमाहे अपने बच्चों को लेकर बाजू में रहने वाले अपने जेठ नंदकिशोर दमाहै घर चली गई थी। पत्नी बच्चों के घर से जाने के बाद जय किशोर दमाहे घर के अंदर दोनों तरफ का दरवाजा लगाकर सो गया था। 19 जून को सुबह जय किशोर दमाहे की पत्नी रेखा दमाहे अपने बच्चों को लेकर अपने मायके मंझारा भरवेली आ गई थी। दोपहर तक जय किशोर दमाहे ने दरवाजा नहीं खोला। समीप रहने वाले उसके भाई नन्दकिशोर दमाहे सहित परिवार के लोग समझे कि जय किशोर दमाहे शराब पीकर अपने घर के अंदर सो रहा होगा किंतु रात्रि 8:00 बजे तक दरवाजा नहीं खुलने और खिड़की से आवाज देने के बाद भी जय किशोर दमाहे के द्वारा दरवाजा नहीं खोलने पर शंका हुई और नंदकिशोर दमाहे ने 100 डायल को सूचना दिए। खबर मिलते ही थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौर अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे देखें। पलंग पर जय किशोर दमाहे में कंबल ओड हुए पड़ा हुआ था। कंबल हटाकर देखने पर जय किशोर दमाहे मृत पड़ा हुआ था और उसके गले में धारदार हथियार की चोट की निशान थे और खून सूख गया था। 20 जून को जिला मुख्यालय से एफ एस एल टीम डॉग स्क्वाड भिजवाया गया जांच पड़ताल के बाद थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौड़ ने मृतक जय किशोर दमाहे का शव पंचनामा करवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दी है। संभावना व्यक्त की गई है कि 18 एवं 19 जून की दरमियानी रात कोई अज्ञात व्यक्ति ने सो रहे जय किशोर दमाहे के में गरधन में धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी। थाना प्रभारी श्री राठौर द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

आज मनाया जाएगा 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाए जाने वाले योग दिवस का आयोजन आज जिले के सांदीपनि विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन बतौर मुख्य अतिथि बालाघाट-सिवनी विधानसभा क्षेत्र सांसद श्रीमती भारती पारधी की मौजूदगी में किया जाएगा। जिसमे विशिष्ट अतिथि के रूप में जिपं अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार, विधायक बालाघाट श्रीमती अनुभा मुंजारे एवं नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर भी उपस्थित रहेंगी।

URGENT REQUIREMENT
THERE IS REQUIREMENT OF STAFF FOR REPUTED ENGLISH MEDIUM SCHOOL AT KIRNAPUR
1. VICE PRINCIPAL(1 POST)
QUA:- GRADUATION+GOOD IN ENGLISH+D.ED./B.ED
2.COUNCELER(2 POST)
QUA:- GRADUATE+COMMUNICATION SHOULD BE STRONG+GOOD COMPUTER KNOWLEDGE.
3.TEACHERS(10 POST)
QUA:- GRADUATE+ GOOD IN ENGLISH+ B.ED/D.ED.
4.YOGA TEACHER/ACTIVITY TEACHER(1 POST)
QUA:- GRADUATE IN YOGA.
5. PEON(2 POST)
*CANDIDATE SHOULD BE LOCAL OR NEAR OF AREA.
* CAN BE CONVINCENT WITH TIMING.
*FRESHER OR EXPERIENCE CAN BE APPLIED.
*ONLY NEEDY PERSON CONTACT.
CONTACT:- 7987431437
KIDZ VALLEY ENGLISH SCHOOL, KIRNAPUR

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

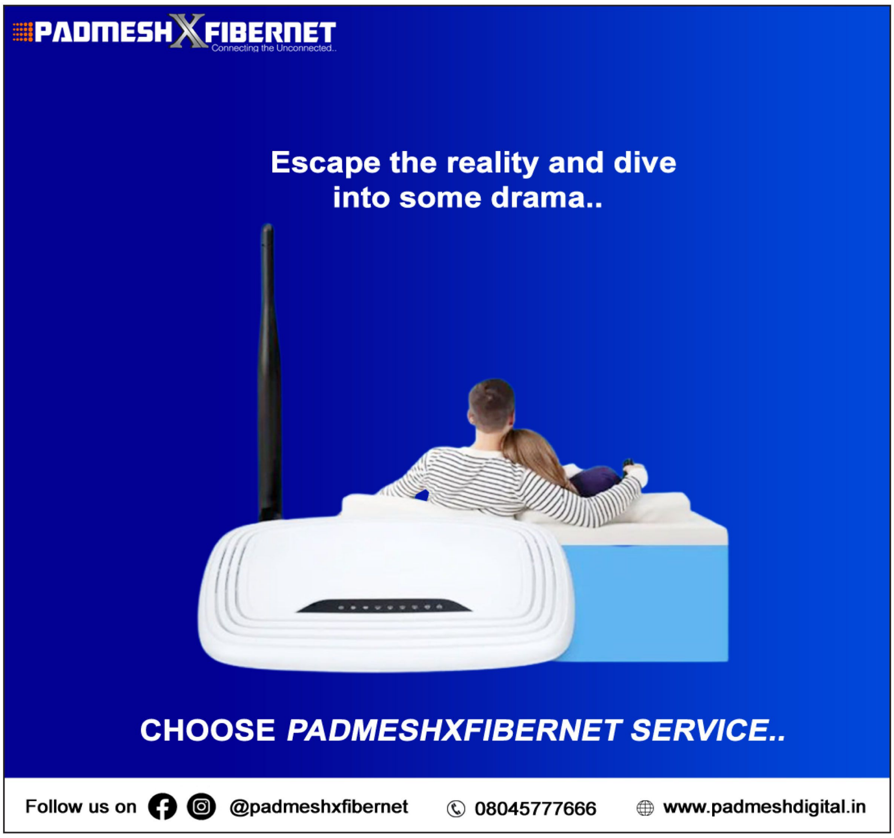

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट